जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 169 प्रभात बीकानेर, गुरुवार 9 जनवरी, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

गहलोत ने सभी घोड़े खोल दिये हैं, ए.आई.सी.सी. में भारी पद पाने के लिये!

इसी संदर्भ में अपने विश्वासी दायें हाथ को दिल्ली में नियुक्ति दिलाई है, जिससे शशिकांत उन्हें पूरा ''फीडबैक'' देते रहें कि दिल्ली में कांग्रेस में क्या हो रहा है

- फिर शशिकांत के फीडबैक के आधार पर, गहलोत अपने राजनीतिक कदम उठायें व चाल चलें।
- साथ ही, गहलोत हरदम की तरह दिल्ली में दोनों हाथों से पैसा बिखेर रहे हैं, पुराने महारथियों को उनके लिये, दिल्ली में लॉबीइंग करने के लिये, माहौल बनाने के लिये।
- इस बार, एक फर्क जरूर है, राहुल गांधी के सबसे नज़दीक माने जाने वाले के.सी. वेणुगोपाल, जिनका संगठन महामंत्री के रूप से पाँच साल का कार्यकाल अब पूरा हो रहा है और वो रिटायर होने के कगार पर हैं, भी गहलोत के पक्ष में खड़े होते से नज़र आ रहे हैं, वेणुगोपाल, गहलोत की, पार्टी का फायनैंसर होने की क्षमता पहचानते हैं। वेणुगोपाल पार्टी अध्यक्ष का राजनैतिक सलाहकार बनना चाहते हैं तथा अगर गहलोत पार्टी में भारी पद पर आ जाते है तो, वेणुगोपाल का पार्टी अध्यक्ष व पार्टी पर पूर्ण नियंत्रण बरकरार रहता है।
- गहलोत की इन सारी कोशिशों के बावजूद यह माना जा रहा है कि सोनिया गांधी अंततोगत्वा गहलोत पर विश्वास करने को शायद ही तैयार हों, क्योंकि गहलोत पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने पार्टी अध्यक्ष के खिलाफ खुलकर बगावत की थी, दो साल पहले।
- क्या, सोनिया गांधी, पार्टी का सुप्रीम लीडर का रुतबा खतरे में डालेंगी, बगावत करने वाले ''सिपाही'' का पुनर्वास करवा कर?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। अशोक गहलोत ने ए.आई.सी.सी. में भारी पद पाने के लिये सारे घोड़े खोल दिये हैं।

उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि सर्वशक्तिमान के.सी. वेणुगोपाल इस आधार पर उनका समर्थन कर रहे हैं कि गहलोत कांग्रेस पार्टी के एक बड़े फायनैंसर हैं।

चूँकि वेणुगोपाल को महासचिव (संगठन) पद पर पूरे पाँच साल हो गये हैं, इसलिये ऐसी प्रबल अटकलें हैं कि उन्हें इस पद से हटाकर कोई अन्य पद दिया जा सकता है। लेकिन आज भी इसमें कोई संदेह नहीं है कि वे राहुल गांधी के दाहिने हाथ तथा उनके सर्वाधिक विश्वसनीय व्यक्ति हैं तथा आज भी उन्हीं की चल रही है। ऐसी चर्चाएं हैं कि वे कांग्रेस अध्यक्ष के राजनैतिक सलाहकार बनना चाहते हैं, जिससे वे अध्यक्ष कार्यालय पर नियंत्रण कर सकें, तथा इसके साथ ही, अशोक गहलोत जैसे, अपने करीबी के महासचिव (संगठन) बनने की स्थिति में, पार्टी पर भी नियंत्रण रख सकें।

जहाँ तक गहलोत का प्रश्न है, वे दिल्ली में अपने पैर रखने की जगह तलाशने के लिए जबरदस्त लामबंदी कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि उन्होंने दो वर्ष पूर्व सोनिया गांधी के खिलाफ विद्रोह किया था।

गहलोत ऐसे एकमात्र नेता हैं, जो सोनिया गांधी को आँखें दिखा चुके हैं, उन्हें खुली चुनौती दे चुके हैं तथा उनके खिलाफ बगावत कर चुके हैं।

ऐसे परिदृश्य में, क्या गांधी परिवार सब कुछ भुलाकर उन्हें माफ कर सकता है, और इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या गांधी परिवार उन पर फिर से भरोसा कर सकता है?

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कट ऑफ से अधिक अंक वालों के लिये पद रिक्त रखें

जयपुर, 8 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने नर्सिंग ऑफिसर भर्ती-2023 में कट ऑफ से अधिक अंक वाले अभ्यर्थियों को राहत देते हुए, उनके लिए पद रिक्त रखने को कहा है। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में चिकित्सा सचिव और स्वास्थ्य निदेशक से जवाब तलब किया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने ये आदेश विष्णु कुमार व सैयद अहमद सहित अन्य की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

इस मामले से जुड़े अधिवक्ता अधिवक्ता आरपी सैनी व लक्ष्मीकांत शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार ने 5 मई 2023 को नर्सिंग ऑफिसर के

- हाई कोर्ट में नर्सिंग ऑफिसर भर्ती-2023 के मामले ने निर्देश दिये।

6961 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे थे। इसमें प्रार्थी ने ओबीसी श्रेणी से आवेदन किया था। उसके ओबीसी श्रेणी में कट ऑफ से ज्यादा अंक हैं। इसके अलावा, उसके पास सीएमएचओ की ओर से जारी किया गया अनुभव प्रमाण पत्र भी है। दस्तावेज सत्यापन के दौरान, प्रार्थी को चयन प्रक्रिया में शामिल किया था, लेकिन अंतिम चयन सूची में उसका नाम नहीं है, जबकि याचिकाकर्ता के अनुभव और जीएनएम के अंक जोड़ने पर कुल अंक कट ऑफ से ज्यादा होते हैं। ऐसे में उसे चयन से वंचित रखना गलत है। इसलिए उसे चयनित कर नर्सिंग ऑफिसर के पद पर नियुक्ति दी जाए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेलुगू भाषी लोगों की प्रतिष्ठा व साख धूल चाट रही है अमेरिका में?

इतने टैक्निकल आई.टी. प्रोफेशनल अमेरिका जाते थे कि संयुक्त आंध्र एक ज़माने में अमेरिका का इक्यानवां राज्य कहलाने लगा था

- हैदराबाद में एक विशेष मंदिर, चिलुकुरु बालाजी, को वीसा मंदिर माना जाने लगा था, क्योंकि मान्यता बन गई थी कि अगर इस मंदिर में अमेरिका में वीसा मिलने की प्रार्थना करो तो शर्तिया वीसा मिलता है, जो हर तेलुगू भाषी युवा की पहली महत्वाकांक्षा थी।
- पर, अमेरिका ने 18,000 भारतीयों के वीसा रद्द करके, वापस भारत भेजने की कवायद शुरु की है। इन 18,000 लोगों में अधिकतर तेलुगू भाषी हैं।
- इन लोगों की प्रतिष्ठा धूल में मिलने का कारण है, इन तेलूगु भाषी आई.टी. विशेषज्ञों ने एक साजिश रचकर एपल कंपनी में भारी घोटाला, कई सालों से चला रखा था। बहुप्रतिष्ठित एपल कंपनी के तेलूगु भाषी कर्मचारी, तमिल एसोशिएशनों के सहयोग से करोड़ों डॉलर इकट्ठा कर इन एन.जी.ओ. को दान देते थे तथा एपल कंपनी दान को ''मैच'' करते हुए अपने सी.एस.आर. फंड से पैसा देती थी, पर एपल से पैसा मिलते ही कर्मचारियों का पैसा उन्हें वापस लौटा दिया जाता था। यह क्रम कई सालों से साल भर चलता था।

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। तेलुगू भाषी लोग अमेरिका की सर्वाधिक प्रतिष्ठित फोन और लैपटॉप कंपनी, एपल के चहेते नहीं हैं। एपल ने पिछले दिनों आंध्र प्रदेश व तेलंगाना के कई लोगों को, कंपनी की कॉरपोरेट सोशल रैस्पॉंसबिलिटी (सी.एस.आर.) स्कीम में कथित अनियमितताओं के लिए नौकरी से निकाल दिया।

यहाँ पहुँची खबरों के अनुसार, एपल ने कंपनी की सी.एस.आर. गतिविधियों की फर्जी अनुदान योजना में कथित रूप से लिप्त होने के आरोप में लगभग 185 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है, जिनमें से अधिकांश तेलुगूभाषी हैं।

रिपोर्टों में कई ऐसे उदाहरण दिए गए हैं, जिनमें एपल के कर्मचारियों ने अमेरिका की कुछ तेलुगू संस्थाओं के साथ मिलीभगत करके एपल की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

50 साल बाद नए भवन में शिफ्ट होगा कांग्रेस का मुख्यालय

कांग्रेस मुख्यालय का नया पता, 24, अकबर रोड से बदल कर इंदिरा गांधी भवन 9, ए कोटला रोड होगा

- कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी 15 जनवरी को सुबह दस बजे नए मुख्यालय का उद्घाटन करेंगी। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी मौजूद होंगे।
- दिसम्बर 2009 में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. मनमोहन सिंह और तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इसका शिलान्यास किया था। निर्माण में पूरे 15 साल लगे हैं।
- सन् 1978 में जब इंदिरा गांधी सत्ता से बाहर हो चुकी थीं और कांग्रेस भी टूट चुकी थी तब इंदिरा गुट के पास कार्यालय नहीं था। उस समय आंध्र प्रदेश के सांसद जी. वेंकट स्वामी ने अपना सरकारी आवास, 24, अकबर रोड कार्यालय के लिए दिया था।
- कांग्रेस पार्टी का आज़ादी के समय मुख्यालय 7, जंतर-मंतर रोड था, बाद में 5, राजेन्द्र प्रसाद रोड में मुख्यालय बना और फिर 1978 में 24, अकबर रोड मुख्यालय बनाया था।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। लगभग 50 साल बाद, कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय का पता बदलने जा रहा है। पच्चीस जनवरी को पार्टी मुख्यालय 24, अकबर रोड से इंदिरा गांधी भवन, 9-ए, कोटला रोड पर शिफ्ट हो जायेगा।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी 15 जनवरी को प्रात:10 बजे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की उपस्थिति में स्टेट-ऑफ-द-आर्ट फैसिलिटी का विधिवत् उद्घाटन करेंगी। लगभग 139 वर्ष की विस्तृत अवधि के इतिहास वाली कांग्रेस की समृद्ध विरासत के लिये यह एक ऐतिहासिक क्षण होगा। पार्टी 4, अकबर रोड को छोड़ रही है, जो सोनिया के आवास, 9, जनपथ के ठीक पीछे स्थित था। अब तक वे अपने आवास के पीछे के दरवाजे से पैदल ही पार्टी मुख्यालय पहुँच सकती थीं तथा पार्टी के नेतागण उसी दरवाजे से उनसे मिलने आ जाते थे। इस अवसर पर देश भर के प्रमुख पार्टी नेता एकत्रित होंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तिरुपति में भगदड़ में 6 की मौत

नई दिल्ली आंध्र प्रदेश , 08 जनवरी। तिरुपति में टोकन बंटने के दौरान मची भगदड़ में करीब 6 लोगों की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक, वैकुंठद्वार सर्वदर्शनम टोकन वितरण के दौरान, तिरुपति के विष्णु निवासम में अफरा-तफरी मच गई, परिणामस्वरुप मची भगदड़ में इतना बड़ा हादसा हो गया।

जानकारी के अनुसार, टोकन प्राप्त करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिसके कारण 6 लोगों की दुखद मौत हो गई, जिसमें तमिलनाडु के सलेम का एक श्रद्धालु भी शामिल है। घटना के दौरान चार

- दर्शन के लिये टोकन के वितरण के दौरान भारी भीड़ उमड़ पड़ी और भगदड़ मच गई।

अन्य लोग बीमार पड़ गए, उन्हें तुरंत इलाज के लिए रुइया अस्पताल ले जाया गया।

इस घटना के बाद प्रशासन अलर्ट में है। घायलों का इलाज अस्पताल में किया जा रहा है। भगदड़ को लेकर पुलिस पर सवाल उठने लगे हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि ऐन वक्त पर ऐंबुलेंस ड्राइवर गायब था, जिसके कारण घायलों को अस्पताल पहुंचाने में देरी हुई।

क्या हमें 6.65 प्रतिशत ग्रोथ रेट से संतुष्ट रहना चाहिये?

या, रियायतों के इंजैक्शन पर इंजैक्शन लगाकर कृत्रिम रूप से ग्रोथ रेट को 2021-22 की कोविड काल के बाद की ग्रोथ रेट तक खींचकर ले जाना चाहिये?

- यह बहस, पहली बार नहीं हो रही, भारत के इकॉनमिस्टों में, यह बहस छिड़ी है राजीव गांधी के समय, भारत के जाने-माने इकॉनमिस्ट डॉ. राजा चलैया एक तरफ थे तथा दूसरी तरफ थे, आबिद अली, पूर्व कॉमर्स सचिव।
- डॉ. चेलैया का सोच था, इकोनॉमी/जी.डी.पी. को अपनी स्वाभाविक स्वजनित रेट पर बढ़ने देना चाहिये। आबिद अली का तर्क था, सभी खिड़कियां खोल देनी चाहिये, नई शुद्ध हवा आने के लिए, अगर हवा के साथ कुछ मक्खियां भी आ जाती हैं तो उनसे हम बाद में निपट लेंगे।
- पर, यह सच है कि कृत्रिम तरीकों से रियायतों के इंजैक्शन लगाकर अगर ग्रोथ रेट बढ़ाई जाती है तो कई विकृतियां आ जाती हैं, महंगाई बढ़ जाती है तथा ग्रोथ दीर्घकालीन नहीं होती। अंततोगत्वा गिरती है, जिससे हौंसला टूटता है, निराशा बढ़ती है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। जी.डी.पी. के नवीनतम अग्रिम अनुमानों की घोषणा होने के साथ ही कुछ लोग मान रहे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था धीमी हो गई है और आने वाले कुछ वर्षों में 8 प्रतिशत या उससे अधिक विकास दर तक नहीं पहुंच पाएगी। उनका मत है कि निकट भविष्य में भारत की ग्रोथ रेट 6 से साढ़े 6 प्रतिशत तक रह सकती है।

तथ्यों को थोड़ा गहराई से देखते हैं। वर्ष 2023-24 में भारत ने 8.2 प्रतिशत की ग्रोथ रेट देखी है। नवीनतम आंकड़े 2024-25 के लिए 6.4 प्रतिशत की ग्रोथ रेट दर्शा रहे है। कोविड-19 के हासिल ऊंचाइयों के बाद यह बड़ी गिरावट है जब 2021-22 में ग्रोथ रेट 9.7 प्रतिशत थी। गत 13 सालों में 2012-13 से चार वर्षों में ग्रोथ रेट 8 प्रतिशत से अधिक रही है।

मौजूदा रुझानों के अनुसार भारत की जी.डी.पी. ग्रोथ रेट अधिकांश वर्षों में औसतन 7 प्रतिशत रही है और अर्थव्यवस्था में 7 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना है बशर्ते असाधारण घटनाएं इसमें अड़चन ना डालें, जैसे वैश्विक महामारी या नोट बंदी आदि।

एक बड़ी अर्थव्यवस्था का बिना किसी कृत्रिम प्रोत्साहन के 7 प्रतिशत की दर से बढ़ना कोई मामूली उपलब्धि नहीं है। ग्रोथ के उन्माद में ऐसी उम्मीदें नहीं करनी चाहिए कि ग्रोथ रेट बहुत ज्यादा बढ़ेगी। उसमें बहुत ज्यादा प्रोत्साहन पैदा होने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। इसकी बजाय इसे अपनी स्वाभाविक रफ्तार से बढ़ने देना चाहिए।

ग्रोथ का उन्माद समय-समय पर और महत्वपूर्ण मौकों पर नीति निर्माताओं और सामान्य पर्यवेक्षकों को प्रभावित करता है। जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे तब पंचवर्षीय योजना निर्माण के दौरान भारी बहस छिड़ी थी। योजना आयोग दो गुटों में बंट गया था।

डॉ. राजा चेल्लैया जो उस समय के जाने माने अर्थशास्त्री थे और योजना आयोग के सदस्य थे, ने सतर्क सोच का समर्थन किया और सलाह दी थी कि ग्रोथ टारगैट ऐसा हो जो प्राप्त किया जा सके। वहीं दूसरे गुट के सदस्य आबिद हुसैन ने महत्वाकांक्षी योजना बनाने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वी. नारायणन इसरो के नये प्रमुख बने

नयी दिल्ली, 08 जनवरी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के नए अध्यक्ष वी. नारायणन होंगे। इसकी जानकारी मंगलवार को भारत सरकार ने दी। वी नारायणन इसरो के अध्यक्ष के रूप में डॉ. एस. सोमनाथ की जगह लेंगे। वी नारायणन अंतरिक्ष विभाग के सचिव का भी कार्यभार संभालेंगे। कैबिनेट की नियुक्ति समिति के आदेश के अनुसार,

- नारायणन प्रतिष्ठित वैज्ञानिक हैं। वे 14 जनवरी को कार्यभार सभालेंगे।

वी नारायणन 14 जनवरी को वर्तमान इसरो प्रमुख का पदभार ग्रहण करेंगे। वह अगले दो वर्षों तक या अगली सूचना तक इस पद पर रहेंगे। वी नारायणन एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक हैं, जिनके पास रॉकेट और अंतरिक्ष यान प्रणोदन में लगभग चार दशकों का अनुभव है। वह एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारतीय मूल की अनिता आनंद कैनडा के प्रधानमंत्री पद की प्रमुख दावेदार के रुप में उभरीं

पर, सवाल यह है कि क्या इससे ही भारत और कैनडा के रिश्तों में सुधार हो जाएगा

- इसका जवाब हाँ या ना में नहीं दिया जा सकता, क्योंकि, इसमें नए प्रधानमंत्री की नीतियां और कूटनीतिक नज़रिया महत्वपूर्ण होगा।
- सबसे प्रमुख मुद्दा है, खालिस्तानी आतंकवादियों का। कैनडा में बड़ी संख्या में खालिस्तानी समर्थक रहते हैं। जस्टिन ट्रूडो द्वारा अब तक उन्हें संरक्षण दिया जाता रहा। भारत को उम्मीद है कि अगर अनिता आनंद प्रधानमंत्री बनीं तो वे इस मसले पर भारत की चिंताओं का समाधान करेंगी।
- अनिता आनंद कैनडा में कई विभागों की मंत्री रही हैं तथा कोविड-19 के दौरान उनकी नेतृत्व क्षमता का परिचय मिला, कोविड की वैक्सीन खरीदने में मिली सफलता से।
- विदेश नीति विशेषज्ञों का कहना है कि भारत-अमेरिका के संबंध और कैनडा-अमेरिका के संबंध भी भारत और कैनडा के आपसी रिश्तों को आकार देने में महत्वपूर्ण साबित होंगे।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जनवरी। जस्टिन ट्रूडो ने कैनडा के प्रधानमंत्री पद से त्याग पत्र दे दिया है। अब सवाल यह है कि क्या भारत -कैनडा के रिश्तों में सुधार को प्राथमिकता दी जाएगी। इसका जवाब साधारण ''हां या ना'' नहीं है। इसका जवाब कई कारकों पर निर्भर करेगा, जिनमें उनके उत्तराधिकारी की नीतियां और कूटनीतिक लहजे के साथ दोनों देशों के भूराजनैतिक और आर्थिक हित शामिल होंगे।

ट्रूडो के बाद के संभावित परिदृश्य में जो नया नेता आर्थिक सहयोग को प्राथमिकता देगा और विवादास्पद मुद्दों का गैरराजनीतिकरण करेगा, वही दोनों देशों के रिश्तो में स्थिरता और शांति ला सकता है। दोनों देशों के कई क्षेत्रों में आर्थिक हित जुड़े हुए हैं। जैसे टैक्नॉलजी, क्लीन एनर्जी व कृषि। दोनों देशों के परस्पर सहयोग से लाभ हो सकता है कैनडा में आतंकी तत्वों के रहने से जुड़ी भारत की चिंता के समाधान से तनाव दूर करने में मदद मिल सकती है।

कुछ मुद्दों, जैसे खालिस्तान आदि, का अगर समाधान नहीं किया गया तो ये हमेशा बने रह सकते हैं, भले ही किसी का भी नेतृत्व हो। कैनडा की घरेलू राजनैतिक गतिशीलता और प्रवासी राजनीति विदेश नीति के निर्णयों को प्रभावित करना जारी रख सकती है।

उल्लेखनीय है कि अनिता आनंद, जो कैनडा की परिवहन और आन्तरिक व्यापार मंत्री हैं, का नाम ट्रूडो के उत्तराधिकारी के रुप में चल रहा है।

अनिता भारतीय मूल की हैं और 2019 से ओकविले, ओन्टारियो का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। वे कई महत्वपूर्ण विभाग संभाल चुकी हैं। रक्षा मंत्री के रुप में उन्होंने कैनडा की सेना में यौन उत्पीड़न संबंधी सुधार शुरु किए, सांस्कृतिक बदलाव को प्रोत्साहन दिया। कोविड -19 के दौरान, उनके नेतृत्व को पहचान मिली, क्योंकि उन्होंने कैनडा के लिए वैक्सीन हासिल करने में सफलता प्राप्त की थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संयुक्त राष्ट्र ने एच.एम.पी.वी. को सामान्य सर्दी जुकाम बताया

नयी दिल्ली, 08 जनवरी। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि मानव मेटान्यूमो-वायरस (एचएमपीवी) सामान्य सर्दी ज़ुकाम है जो शिशिर और बसंत ऋतु में होता है। संयुक्त राष्ट्र ने बुधवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि एचएमपीवी नया वायरस नहीं है। इसे सर्वप्रथम वर्ष 2001 में पहचाना गया और यह लंबे समय से मानव समाज में

- संयुक्त राष्ट्र की सोशल पोस्ट में कहा गया है कि इस वायरस को 2001 में पहचाना गया था।

मौजूद है।

पोस्ट में कहा गया कि, यह सामान्य वायरस है जो सामान्य सर्दी ज़ुकाम की तरह श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है।

पोस्ट के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्ल्यूएमओ की वरिष्ठ अधिकारी मार्ग्रेट हैरिस का एक बयान भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

ज़िन्दगी : रीयल और रील के झमेले

वीडियो या रील के माध्यम से आज हम तेजी से अपने इर्द-गिर्द होने वाली घटनाओं और भ्रष्टाचार को आसानी से देख पा रहे हैं। वस्तुत: सकारात्मक दृष्टि से देखा जाए तो सूचना के अधिकार से भी अधिक प्रभावी सिद्ध हुआ है रील बनाने का शौक। लेकिन यह बात सच है कि किसी रहस्य बेईमानी या बदनियति को उजागर करने के लिए कोई आसानी से तो रील नहीं बना सकता, जाहिर सी बात है इसके लिए रील बनाने वाला व्यक्ति चोरी-छुपे प्रयास करता है और ऐसे एक्टिविस्ट लोग तेजी से समाज के सामने गलत बातों को प्रस्तुत करने में कामयाब हो जाते हैं। लेकिन इसका दूसरा पहलू बहुत खराब है, रील या वीडियो बनाने की आदत ने लोगों को ब्लैकमेल के अंधे कुएं में धकेल दिया है। कुछ लोग आदतन अपराधी होते हैं जो इसी काम में लगे रहते हैं और किसी न किसी तरह से गलत चीजों की रील बनाकर ब्लैकमेलिंग का काम करते हैं। आजकल होटल में रहने वाले कपल्स और बड़े-बड़े वस्त्र संग्रहालयों में कपड़े खरीदने वाली लड़कियां चेंजिंग रूम में छिपे कैमरों की नजरों से बच नहीं पा रही हैं। अब तो हालत इतने बिगड़ गए हैं कि हॉस्टल्स में लड़कियों के वॉशरूम में छुपकर कैमरे लगाए जा रहे हैं और उनका जीना मुश्किल होता जा रहा है। इन सब के कारण रील या वीडियो बनाने की यह प्रवृत्ति अब बहुत दूषित स्टेज पर पहुंच गई है। प्रसिद्ध होने की चाहत में रील बनाने की आदत ने लड़कियों को लड़कों को एक तरह से खुला लाइसेंस दे दिया है वे यहां-वहां कहीं भी सड़क पर, घर पर, नदी-नाले-पहाड़ पर, ट्रेन में बस में ऐसा कोई स्थान शेष नहीं है जहां बेहूदा अश्लील और बकवास किस्म के वीडियो बनाए जा रहे हैं। लेकिन आप उनका कर कुछ नहीं सकते हैं, इस दिशा में न तो किसी तरह का कोई कानून है न ही कोई सामाजिक प्रतिबंध है। और संस्कार की बात तो छोड़ ही दीजिए। क्या आपको पता है भारत में हर दिन 140 बिलियन से अधिक इंस्टाग्राम रील्स प्ले होते हैं। इसीलिए भारत में इंस्टाग्राम रील्स का सबसे बड़ा बाज़ार है।

चौंकिए मत ये तो महज एक आंकड़ा है लेकिन इसे लेकर गलतफहमियां हजारों हैं। जैसे यकायक खूब चमक जाएंगे, हीरो या हीरोइन बन जाएंगे, अकूत पैसा आएगा, माडल बन जाएंगे और निगाह पड़ी तो राजनीति में भी किस्मत चमक सकती है। दरअसल में पहले टिकटॉक रील बनाने के लिए जाना जाता था लेकिन जब इसका बैन किया तो इंस्टाग्राम ने साल 2021 में रील ऑप्शन लॉन्च कर दिया । खुद इन्स्टाग्राम वालों को भी ये मालूम नही था, महज चार वर्षों में रील बनाने का शौक जबरदस्त जुनून में तब्दील हो जाएगा। आज हालात ये हैं कि रील बनाने वालों की पगलाई भीड़ उचित-अनुचित, नैतिक-अनैतिक, ज़िन्दगी और मौत कुछ नही देख रही कुछ नही समझ रही। लोग अपना कैरियर, रिश्ते यहां तक कि जीवन दांव पर लगा कर रील बना रहे हैं। संवेदन हीन लोग दुर्धटना में सहायता करने के स्थान पर मृत्यु के मुख में जा रहे आदमी की रील बना कर ख्यात होने का भ्रम पाल रहे हैं। लोग खाते-पीते, जगते-सोते यहां तक कि वर्जित बातों के भी रील बना रहे हैं। पैसे कमाने की चाहत वाले कितने लोगों को पता है कि इंस्टाग्राम अब रील दिखाने वाले व्यूज पर कोई पैसे नहीं देता है। कंपनी ने पिछले साल मार्च में ही रील पे बोनस प्रोग्राम को बंद कर दिया है।

अपनी रील की पंहुच बढ़ाने के लिए लोग तकनीक का खूब इस्तेमाल कर रहे हैं। हैशटैग इंस्टाग्राम रील्स पर उसी तरह काम करते हैं जैसे वे नियमित इंस्टाग्राम पोस्ट के लिए करते हैं। अपने रील कैप्शन में प्रासंगिक हैशटैग का उपयोग करने से उनकी पहुंच बढ़ती है और इससे इनको अधिक व्यू, लाइक, कमेंट और शेयर आकर्षित करने में मदद मिलती है। रील बनाना और रील देखना दोनों ही एक लत की तरह पन रहे हैं । रील बनाने वाले लोग पागलों की तरह दिन-रात रील बनाने में लगे रहते हैं यहां तक कि वे अपने परिवार और जीवन को भी दाव पर लगा रहे हैं, ऐसे हजारों समाचार प्रतिदिन सामने आ रहे हैं जहां पति-पत्नी के बीच रील बनाने को लेकर झगड़े हो रहे हैं और मामला तलाक तक पहुंच रहे है।

अपनी रील की पंहुच बढ़ाने के लिए लोग तकनीक का खूब इस्तेमाल कर रहे हैं। हैशटैग इंस्टाग्राम रील्स पर उसी तरह काम करते हैं जैसे वे नियमित इंस्टाग्राम पोस्ट के लिए करते हैं। अपने रील कैप्शन में प्रासंगिक हैशटैग का उपयोग करने से उनकी पहुंच बढ़ती है और इससे इनको अधिक व्यू, लाइक, कमेंट और शेयर आकर्षित करने में मदद मिलती है। रील बनाना और रील देखना दोनों ही एक लत की तरह पन रहे हैं । रील बनाने वाले लोग पागलों की तरह दिन-रात रील बनाने में लगे रहते हैं यहां तक कि वे अपने परिवार और जीवन को भी दाव पर लगा रहे हैं, ऐसे हजारों समाचार प्रतिदिन सामने आ रहे हैं जहां पति-पत्नी के बीच रील बनाने को लेकर झगड़े हो रहे हैं और मामला तलाक तक पहुंच रहे है। बच्चे पढ़ाई छोड़कर रील बनाने में लगे हैं और रील देखने वालों की हालत इससे भी ज्यादा खराब है, ऊपर जो आंकड़ा दिया गया है उसी से पता चलता है कि एक बार जब आप रील देखना शुरू करते हैं तो उसके बाद आपको पता ही नहीं चलता है कि आपने कितना समय इस फालतू के काम में बर्बाद कर दिया है। ऐसा नहीं है कि उपयोगी रील बनती ही नहीं है। जीवन कौशल को विकसित करने के लिए बहुत से अच्छे सुझाव और अच्छी जानकारियां भी रील के माध्यम से मिल रही हैं लेकिन हम सब जानते हैं की अच्छी चीजों पर हमेशा ही बुरी चीजों का प्रभाव ज्यादा व्यापक होता है। अश्लीलता का पूरा बाजार रील्स के माध्यम से पसरा पड़ा है और हमारे तकनीकी विशेषज्ञ असहाय होकर केवल हो रहे नुकसान को देख रहे हैं। माता-पिता को खासतौर पर इस समय इस भयावह आदत को नियंत्रित करने के लिए सजग होने की आवश्यकता है शिक्षकों को इस विषय पर गंभीरता से काम करना चाहिए और सरकार को कठोर कानून बनाकर इस दुष्प्रवृत्ति को रोकना चाहिए।

–अतिथि संपादक.
राजेन्द्र मोहन शर्मा.
साहित्यकार, शिक्षाविद एवं चिन्तक

चेक बाउंस के ही 45 लाख से अधिक मामले न्यायालयों में विचाराधीन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल ने जानकारी देते हुए बताया है कि देश के न्यायालयों में 45 लाख से अधिक मामलें केवल और केवल चेक बाउंस होने से संबंधित है। अदालतों में लंबित मुकदमों में करीब 9 प्रतिशत मामलें तो चेक बाउंस के ही है। इसमें भी सर्वाधिक 6 लाख से अधिक मामलें राजस्थान में विचाराधीन है वहीं राजस्थान के साथ ही महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली और उत्तर प्रदेश ऐसे राज्य है जहां चेक बाउंस के सर्वाधिक मामलें विचाराधीन है।

न्यायालयों में मुकदमों के बोझ को लेकर न्यायपालिका से लेकर सरकार और इससे जुड़े लोग सभी चिंतित है। देश के न्यायालयों में कुल 5 करोड़ से अधिक मामले लंबित चल रहे हैं। लगातार सुधारों और सकारात्मक प्रयासों के बावजूद न्याय की प्रतीक्षा में इतनी अधिक संख्या में प्रकरणों का बकाया होना इस मायने में भी चिंता का कारण है कि न्यायालयों पर मुकदमे को बोझ कम होने के स्थान पर लगातार बढ़ता ही जा रहा है। यह सब तो तब है जब लोक अदालतों का समय समय पर लगातार आयोजन किया जा रहा है। दरअसल कुछ इस तरह के मुकदमें है जो सबसे अधिक न्याय के मंदिर का बोझ बढ़ा रहे हैं। ऐसे मुकदमों के निस्तारण की दृष्टि से यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले मुकदमों के निस्तारण का जो रास्ता अख्तियार किया गया है वह निश्चित रुप से सराहनीय और न्यायालयों के बोझ को कम करने की दिशा में सकारात्मक प्रयास माना जा सकता है। यदि चेक बांउस वाले मामलों को भी इसी तरह से निपटान का कोई रास्ता निकल सके तो न्यायालयों में मुकदमों के अंबार को निष्चित रुप से कम किया जा सकता है।

न्यायपालिका और सरकार न्यायालयों में मुकदमों के अंबार से चिंतित होने के साथ ही समाधान की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। चेक बांउस जैसे मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए सुझाव देने के लिए 10 मार्च, 21 को दस सदस्यीय कमेटी भी बनाई गई समिति ने नेगोशियेबल इंस्ट्रूमेंटल कोर्ट बनाने की सलाह के साथ ही पायलट प्रोजेक्ट के रुप में स्थापना के सुझाव भी दिए और पायलट प्रोजेक्ट के रुप में करीब 25 कोर्ट बने भी। पर परिणाम सामने नहीं आ सके हैं।

अदालतों में लंबित मुकदमों के अंबार को इसी से समझा जा सकता है कि देश में 5 करोड़ से अधिक मुकदमों में वादी प्रतिवादी न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मजे की बात यह है कि इनमें से एक लाख 80 हजार मामलें तो 30 साल से भी अधिक समय से लंबित चल रहे हैं। देश के सबसे बड़े न्याय के मंदिर में 80 हजार से अधिक मामलें लंबित है। एक मोटे अनुमान के अनुसार लंबित न्यायालयों में से करीब 85 प्रतिशत से अधिक मामलें तो जिला अदालतों में विचाराधीन है। करीब 25 प्रतिशत मामलें राजस्व से जुड़े हैं। यातायात नियमों की अवहेलना के मामलें भी बहुत अधिक संख्या में है पर इसके निराकरण का रास्ता निकलने लगा है। देश में समय समय पर नियतकाल में लग रही लोक अदालतों में भी बड़ी संख्या में मुकदमों का निस्तारण होने लगा है। पर सवाल वहीं का वहीं है कि देष के न्यायालयों में फास्ट ट्रेक सहित विषेष अदालतें बनने के बाद भी कम होने की जगह दिन प्रतिदिन अधिक ही होते जा रहे है। विचाराधीन कैदियों के संदर्भ में राष्ट्रप्रति द्रोपदी मुर्मु की टिप्पणी और उपकी चिंता से सभी वाकिफ हो चुके हैं। होता तो यहां तक है कि हजारों की संख्या में ऐसे प्रकरण देखने को मिल जाएंगे जिसमें जितनी सजा होनी चाहिए उससे अधिक समय तो ज्यूडिशियल कस्टेडी में ही निकल जाता है। इसी तरह से मामूली मारपीट और इसी तरह के दूसर छोटे मोटे मुकदमें न्यायालयों में लगातार बोझ का कारण बनते जा रहे हैं। आपसी जमीन जायदाद और गज दो गज जमीन के, रास्ते के और इनके कारण राजस्व मुकदमों के साथ ही क्रिमिनल मुकदमों और इसी तरह के मुकदमों के न्यायिक प्रक्रिया को पूरा करते हुए त्वरित निस्तारण का कोई समाधान खोजा जाना आवश्यक है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि हमारे न्यायालयों द्वारा मुकदमों का बोझ कम करने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। व्यवस्था में काफी सुधार किये गए हैं। पुराने लंबित मुकदमों की पहले सुनवाई पर जोर दिया जा रहा है। इसी तरह से तारीख पर तारीख लेने की परंपरा को भी तोड़ा जा रहा है। व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और तकनीक सेवी बनाया जा रहा है। त्वरित निस्तारण पर जोर दिया जा रहा है। पर तथ्य तो यही दर्शा रहे हैं कि लाख प्रयासों के बावजूद मुकदमों का अंबार कम नहीं हो रहा। भारतीय न्याय प्रणाली को लेकर सबसे सकारात्मक पक्ष यह है कि देशवासियों को न्याय सिस्टम के प्रति विष्वास है और यही कारण है कि लोग जब कोई विकल्प नहीं दिखता तो न्याय के दरवाजे पर गुहार लगाते है।

तस्वीर का एक पहलू यह भी है कि न्यायालयों में सरकार से जुड़े मुकदमों की संख्या भी बहुत बहुत बड़ी संख्या में हैं। आर्बिटेशन के प्रावधान होने के बावजूद अधिक मामलें निपट नहीं पाते हैं। अब चेक बांउस के मामलों को ही लिया जाए तो इसमें दो बाते साफ है। मोटे रुप से चेक बांउस होने की स्थिति में 2 वर्ष की सजा या चेक राषि की दो गुणा राशि चुकाने के प्रावधान है। केस की प्रकृति के अनुसार सजा कम ज्यादा हो सकती है। ऐसे में 43 लाख मुकदमों का केवल चेक बाउंस से संबंधित होना इसलिए चिंता का विषय हो जाता है कि पांच करोड़ में से यह संख्या कम होती है और खासतौर से ऐसे हालातों में निचली अदालत में मुकदमों का बोझ काफी कुछ कम हो सकता है। इसके लिए सबसे अच्छा रास्ता तो चेक बांउस प्रकरणों के निपटान के लिए विशेष अभियान चलाते हुए लोक अदालत लगाई जाकर उसमें दोनों पक्षों को बुलाकर समझाईश से निपटाया जा सकता है या कुछ इसी तरह का कोई हल खोजा जा सकता है। ऐसे मामलों में एक या दो से अधिक तारीख तो दी ही नहीं जानी चाहिए। ऐसे मामलें अदालत में आने की साथ ही दोनों पक्षों को अपना पक्ष रखने का तारीख दर तारीख नहीं बल्कि पहली या दूसरी तारीख में ही देकर के निस्तारित किया जाना अधिक उचित होगा ताकि इस तरह के प्रकरणों का निष्पादन हो सके। यह तो सामान्य व्यक्ति के रुप में सुझाव हो सकता है। न्यायपालिका से जुड़े विशेषज्ञ विद्वतगण इस तरह की समस्याओं के समाधान के लिए न्यायिक प्रक्रिया को पूरी करते हुए कोई सकारात्मक सुझाव दे और सरकार व न्यायपालिका द्वारा परीक्षण कर कोई ऐसी व्यवस्था करें तो मुकदमों के अंबार को कम किया जा सकता है। चेक बांउस तो एक पक्ष है इसी तरह के ऐसे मुकदमें जिनमें अधिक कानूनी पेचिदगियां नहीं होती हो उनके त्वरित निस्तारण का रास्ता निकाल कर न्यायालयों के बोझ को हल्का किया जा सकता हैं। सरकार, न्यायपालिका और इस क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों को इस दिशा में भी निरंतर मनन और समाधान खोजना ही होगा ताकि न्याय जल्दी मिल सके, मुकदमों का भार कम हो सके।

–डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)।

राजस्थान-हरियाणा सीमा विवाद में फंसा करोड़ों रुपये का पत्थर, खनिज विभाग मौन

करीब एक माह गुजरने को है, लेकिन कोई भी पत्थर का मालिक बनने को तैयार नहीं है

पहाड़ी/भरतपुर, (निसं)। राजस्थान-हरियाणा सीमा विवाद में फंसा करोड़ों रुपये का अवैध पत्थर लावरिस हालत में राजस्थान सीमा में पड़ा हुआ है। करीब एक माह गुजरने को जा रहा है लेकिन कोई भी पत्थर का मालिक बनने को तैयार नहीं है, जिसको लेकर हरियाणा, राजस्थान के सरकारी महकमे से लेकर के हरियाणा के राजनेताओं ने दौरा कर हालत को जानने का प्रयास किया, लेकिन कोई समाधान नही निकला है, ना ही पुलिस अवैध खनन करने वाले माफिया का सुराग लगा पाई है।

मिलीभगत का अंदेशा :- गत दिनों राजस्थान सीमा के नांगल क्रशर जॉन के खसरा नम्बर 162 नया नम्बर 211 से सटे हरियाणा सीमा के पहाड़ को खनन माफियाओं ने ब्लास्टिंग कर ढहा दिया था। जिसका पत्थर राजस्थान सीमा में आकर गिरा था, लेकिन उस पत्थर का मालिक कोई भी नहीं बन रहा है, जिसकी जानकारी को लेकर हरियाणा व राजस्थान के खनिज विभाग के अधिकारी कुछ बोलने को तैयार नही है। यहां तक कि फोन तक को रिसीव करना उचित नहीं समझ रहे हैं। इससे सबके मिलीभगत का खेल की सम्भावना दिखाई देने लगी है।

■ **हरियाणा, राजस्थान के सरकारी महकमे से लेकर के हरियाणा के राजनेताओं ने दौरा कर हालात को जानने का प्रयास किया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला**

हरियाणा के खनन मंत्री का दौरा, अवैध खनन को नकारा :- गत दिन इस मामले को लेकर हरियाणा सरकार के खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने दौरा कर जायजा लिया। जिसको लेकर हरियाणा के मीडिया को मंत्री ने अवैध खनन होने से साफ इनकार कर दिया है और बताया है कि राजस्थान के वैध लीज खसरा नम्बर 162 में लीज धारकों ने खनन किया है, जिससे हरियाणा के पहाड़ में दरार आई है।

गिरे हुए पत्थर पर खनन माफिया की नजर :- हरियाणा व राजस्थान के खनन माफिया की नजर गिरे हुए पत्थर पर कभी भी चोरी से पत्थर गायब हो सकता है। क्योंकि इस पत्थर को लेकर राजस्थान व हरियाणा के विभाग चुप्पी साधे हुए हैं। इससे लगता है कि रसूखात के चलते सभी मामले को दबाकर करोड़ों रूपये के पत्थर को गायब करना चाहते हैं। अपने अपने बचाव में दोनों राज्यों के खनन विभाग ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कर इतिश्री कर ली है। वहीं पुलिस भी आरोपिओ का पता नहीं लगा सकी है।

एसडीएम पहाड़ी दिनेश शर्मा का कहना है कि हमारी जांच के दौरान पत्थर हरियाणा का राजस्थान सीमा में पड़ा हुआ पाया गया है। खनिज विभाग ने एक रिपोर्ट भी दर्ज कराई है बाकी अन्य मामले की जानकारी खनिज विभाग की जवाबदेही है। यदि फोन रिसीव नहीं कर रहे हैं तो यह मेरे अधिकार क्षेत्र की बात नहीं है।

मरू महोत्सव का आयोजन 9 से 12 फरवरी तक

जैसलमेर, (नि.सं.)। पर्यटन मानचित्र पर विश्व विख्यात मरू महोत्सव का आयोजन 9 से 12 फरवरी तक होगा। जिला कलेक्टर प्रतापसिंह की अध्यक्षता में मरू महोत्सव को बेहतर एवं यादगार बनाने के लिए बुधवार को बैठक का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर सिंह द्वारा मरु महोत्सव में किये जाने वाले कार्यक्रमों पर विस्तार से समीक्षा की एवं पर्यटन व्यवसाय से जुड़े पदाधिकारियों एवं होटल व्यवसाईयों व सम एवं खुहड़ी रिसोर्ट के पदाधिकारियों के साथ चर्चा कर उनसे सुझाव प्राप्त किए। मरु महोत्सव के दौरान पोकरण, जैसलमेर, सम व खुहड़ी में निर्धारित किए गए कार्यक्रमों के बारे में चर्चा की गई।

जिला कलेक्टर प्रतापसिंह ने कहा कि मरु महोत्सव का आयोजन भव्य हो एवं महोत्सव में आने वाले हर देशी-विदेशी पर्यटक उसका पूरा आनंद लें, उसी अनुरुप अपनी सहभागिता दर्ज कराते हुए हर कार्यक्रम को यादगार बनायें। जिला कलेक्टर ने सहायक निदेशक, पर्यटक स्वागत केन्द्र को निर्देश दिए कि वे मरु महोत्सव के चार दिवसीय कार्यक्रमों को अंतिम रुप देकर उसका अभी से ही हर स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करवाना सुनिश्चित करें ताकि अधिक से अधिक पर्यटक महोत्सव को देखने आए।

■ **जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में मरू महोत्सव को लेकर बैठक का आयोजन**

उन्होंने महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय ख्यातनाम लोक कलाकारों की प्रस्तुति करावें ताकि यहां की लोक संगीत व लोक संस्कृति को ओर अधिक बढ़ावा मिले। बैठक में होटल एवं पर्यटन व्यवसाय से जुड़े विक्रमसिंह नाचना, गजेन्द्रसिंह सोढ़ा, कैलाश व्यास, अरुण पुरोहित ने मरु महोत्सव के कार्यक्रमों को और अधिक रौचक बनाने के सम्बन्ध में अपनी ओर से सारगर्भित सुझाव दिए। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनीता चौधरी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर पवन कुमार, उपखण्ड अधिकारी शिवानी जोशी, पुलिस उप अधीक्षक जैसलमेर रुपसिंह इंदा, तहसीलदार सम गजानंद मीणा के साथ ही अन्य मेला व्यवस्थाओं से जुड़े विभागीय अधिकारी, पर्यटन एवं होटल व्यवसाय से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित थे।

अस्थाई सफाई कार्मिकों को चार माह से नहीं मिला वेतन

सादुलपुर, (निसं)। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस युवा प्रकोष्ठ कार्यकर्ताओं ने नगर पालिका राजगढ़ में अस्थाई सफाई कर्मचारी एवं पंप चालकों एवं ड्राइवर का चार माह का बकाया भुगतान ठेकेदार को नहीं देने एवं कार्मिकों के खाते में सीधा भुगतान करने की मांग की है।

■ **अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस युवा प्रकोष्ठ ने ठेकेदार को भुगतान नहीं करने की मांग की**

अध्यक्ष संदीप चावरिया के नेतृत्व में हरिराम, अजय कुमार, बसंत कुमार, सेवालाल, लालचंद, मुकेश कुमार, दिनेश कुमार, उम्मेद, राजेश, देवकीनंदन आदि कार्मिकों ने लिखित शिकायत में बताया कि नगर पालिका में फर्म जेवी इंटरप्राइजेज बीकानेर के माध्यम से अस्थाई सफाई कार्मिकों ने गत चार माह तक मेहनत कर शहर में सफाई व्यवस्था कार्य किया। लेकिन चार माह बीत जाने के बाद भी ठेकेदार द्वारा भुगतान नहीं किया गया। शिकायत में बताया कि पिछली बार 25 लाख रुपए का चेक में पंप चालकों एवं ड्राइवर का भुगतान नहीं किया गया। शिकायत में ठेकेदार को नगर पालिका द्वारा भुगतान नहीं करने की मांग की है तथा कार्मिकों का पैसा सीधा कार्मिकों के बैंक खाते में डालने की मांग की है। शिकायत में बताया कि मेहनत के बावजूद कार्मिकों को पैसा नहीं मिलने के कारण घरेलू परिस्थितियों खराब होने लगी है तथा भारी परेशानियां उठाने पड रही है। शिकायत में समय रहते उचित कार्रवाई की मांग की है तथा कार्रवाई नहीं होने पर धरना और प्रदर्शन शुरू करने की चेतावनी दी है।

राशिफल गुरूवार 9 जनवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, भरणी नक्षत्र दिन 3:07 तक, साध्य योग सायं 5:29 तक, गर करण दिन 12:23 तक, चन्द्रमा रात्रि 8:46 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कर्क, बुध-धनु, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 3:07 तक है। यमघट योग दिन 3:07 से सूर्योदय तक है। भद्रा रात्रि 11:31 से आरम्भ होगी। आज सूर्य पूजा और शाम्ब दशमी है। मन्वादि है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:39 तक, चर 11:16 से 12:34 तक, लाभ-अमृत 12:24 से 3:14 तक, शुभ 4:28 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:46

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

सिंह
आज धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मकर
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। आर्थिक व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे निजी कॉलोनीवासी

भीलवाड़ा, (निसं)। मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे निजी कॉलोनीवासियों ने नगर विकास न्यास के बाहर जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान नगर निगम के महापौर राकेश पाठक भी प्रदर्शन में शामिल हुए।

महापौर राकेश पाठक ने कहा कि एवरग्रीन, रुक्मिणी और मातेश्वरी कॉलोनी के लोगो ने गत दिनों नगर निगम में हुई जनसुनवाई के दौरान अपनी समस्याओं से अवगत करवाया था, जिसमें मुख्य रूप से क्षेत्र में फैली गंदगी, सड़कों की कमी और रोड लाइट व पेयजल की समस्या थी। सभी कॉलोनियां यूआईटी क्षेत्र में आती है इसलिए निर्णय हुआ कि आज यूआईटी के अधिकारियों को अपनी समस्याओं से अवगत करवाया जाएगा। इसी के तहत बुधवार को सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोगों ने यूआईटी के बाहर प्रदर्शन कर सेकेट्री ललित गोयल को अपनी समस्याओं से अवगत करवाया, जिसके बाद तत्काल अध्यक्ष कलेक्टर नमित मेहता के निर्देशन में सेकेट्री गोयल ने अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से क्षेत्र का सर्वे कर आमजन की समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए।

भीलवाड़ा में निजी कॉलोनीवासियों ने नगर विकास न्यास के बाहर प्रदर्शन किया।

ड्यूटी के दौरान आर्मी जवान का निधन

करौली, (निसं.) करौली के आर्मी जवान का हार्टअटैक से जोधपुर में ड्यूटी के दौरान निधन हो गया। हवलदार धर्मवीर खटाना नादौती उपखंड में कैमरी के पास दंडकापुरा गांव के रहने वाले थे।

शहीद की पार्थिव देह को बुधवार को पैतृक गांव लाया गया जहां अंतिम संस्कार किया जाएगा। जानकारी के अनुसार हवलदार धर्मवीर खटाना जोधपुर में सिंगल रेंज में तैनात थे। ड्यूटी के दौरान मंगलवार प्रात: चार बजे सीने में दर्द हुआ था। इसके बाद उन्हें आर्मी हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। सूचना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। शहीद की पत्नी विमलेश करौली जिले में पुलिस कॉन्स्टेबल के पद पर तैनात हैं जबकि शहीद के पिता सूबेदार रामनिवास खटाना भी सेना से सूबेदार के पद से रिटायर हैं।

ऊंट के शरीर पर बनाया राम दरबार, करणी मां, तेजाजी भी नजर आयेंगे

- इस बार अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव प्रतियोगिता में ऊंट के शरीर पर बनाए गए हर चित्र के साथ पशु-पक्षी जोड़ा गया है
- ऊंटों के शरीर पर बीकानेर के महाराजा गंगासिंह के साथ-साथ देशनोक की करणी माता के साथ-साथ मनुष्य का पशु-पक्षियों से प्रेम भी दिखाया गया है

बीकानेर, (कासं)। ऊंटों के शरीर पर राम दरबार के साथ-साथ वीर तेजाजी, पाबूजी और लोकदेवता बाबा रामदेव के पर्चे देखने को मिलेंगे। इसके साथ ही गायों के साथ भगवान श्रीकृष्ण की झांकी होगी। यह सब इस बार अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव में देखने को मिलेगा। ऊंट उत्सव में फर कटिंग प्रतियोगिता के लिए ऊंटपालक अपने ऊंटों को इस प्रकार तैयार कर रहे हैं।

उत्सव में ऊंटों की फर कटिंग प्रतियोगिता में बीकानेर के ग्रामीण इलाकों के ऊंट पालकों के साथ-साथ जापान के टोक्यो की मैगुमी भी भाग ले रही है। मैगुमी भी बीकानेर के घड़सीसर गांव में ऊंटों की फर कटिंग कर रही है। वह अपने ऊंटों के साथ 11 जनवरी को ऊष्ट अनुंसधान केन्द्र में पहुंचेगी। मैगुमी के अलावा अक्कासर गांव के रामलाल और श्रवण भी अपने ऊंटों के साथ पहुंचेंगे। ऊंट पालक पिछले 15-20 दिनों से ऊंटों की फर कटिंग कर रहे हैं। ये लोग 10 जनवरी को अपने-अपने ऊंटों को तैयार करके बीकानेर पहुंचेंगे। अक्कासर गांव के रामलाल कूकणा और श्रवण द्वारा ऊंटों के शरीर पर प्रकृति प्रेम के बारे में चित्र अंकित किए गए हैं। ऊंटों के शरीर पर बीकानेर के महाराजा गंगासिंह के साथ-साथ देशनोक की करणी माता के साथ-साथ मनुष्य का पशु-पक्षियों से प्रेम भी दिखाया गया है। ऊंट के शरीर पर बनाए गए हर चित्र के साथ पशु-पक्षी जोड़ा गया है। रामलाल अपने ऊंट पर एक बार किसान और ऊंट द्वारा खेत में बिजान करते हुए बताया गया है। वहीं साथ में बाबा रामदेव की आरती उतारते बाई लाछा और सुगना, हरजी भाटी दिखाए गए हैं। वहीं दूसरी ओर राम-सीता और लक्ष्मण की आरती उतारते हनुमानजी को दर्शाया गया है। वहीं श्रवण ने अपने ऊंट की फर कटिंग इस तरह से की है कि एक ओर जहां कृष्ण-गाय के साथ बांसुरी बजा रहे हैं। अक्कासर के रामलाल कूकणा का कहना है कि वह 1999 से लगातार ऊंट उत्सव में भाग ले रहे हैं। 2000 के बाद 24 सालों में हर बार उन्होंने इनाम जीता है। उन्होंने 24 सालों में किसी ऊंट दौड़ तो कभी फर कटिंग और कभी ऊंट सज्जा में दूसरा या तीसरा पुरस्कार जीता है। वे बताते हैं कि ऊंट के शरीर पर शिकार की घटना का भी उल्लेख किया गया है। इस बार हरिण का शिकार करता शेर, खेत में हल जोतते किसान के लिए खाना लेकर आई पत्नी के साथ शिव और सोने का हार लेकर उड़ा बाज इस बार अलग अंदाज में प्रस्तुत किया जायेगा।

रोबिलों ने जताया विरोध : ऊंट महोत्सव 2025 में मिस मरवण और मिस्टर बीकाणा सांस्कृतिक प्रतियोगिता में पर्यटन विभाग और प्रशासन द्वारा बदलाव करने सांस्कृतिक महोत्सव को वेस्टर्न रूप देने तथा प्रतियोगिताओं को शो का नाम देने पर रोबिलों ने विरोध जताया है। इस संबंध में रोबिलों ने एकजुटता दिखाते हुए जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। रोबिलों ने बताया कि ऊंट उत्सव के दौरान पिछले साल हुए गलतियों की बजाय प्रतियोगिताओं का प्रारूप ही बदलकर एक राजस्थानी सांस्कृतिक महोत्सव को पाश्चात्य शैली के तहत इसे शो का नाम जो दिया गया है। जो गलत है। राजस्थान की संस्कृति की बजाय विदेशी शैली के कार्यक्रमों का आयोजन करना गलत है।

रोबिलों का कहना है कि सारे कलाकार महीनों से ऊंट उत्सव में होने वाली इन प्रतियोगिताओं की तैयारी करने लगते हैं। लेकिन कलाकार की भावनाओं को यह एकाएक जानकर आहत होता है कि ऊंट उत्सव में होने वाली प्रतियोगिता ही अब खत्म हो गई है। लोक कलाकारों की बात ना सुन और समझकर प्रतियोगिता का इस महोत्सव में आयोजन नहीं होता है तो हम सभी कलाकारों द्वारा इस महोत्सव का पूर्णतया बहिष्कार किया जायेगा। ज्ञापन देने वालों में राहुलशंकर थानवी, चन्द्रप्रकाश, अशोक बोहरा, माइकल, रविन्द्र जोशी, नवनीत, योगेश सेवग एवं गोपाल बिस्सा आदि कलाकार शामिल थे।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

अनूपगढ़, (कासं)। रामसिंहपुर के पास गांव 58 जीबी के नजदीक सुबह करीब 10 बजे सूरतगढ़ से अनूपगढ़ आने वाली ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर रामसिंहपुर पुलिस थाने के एएसआई चुन्नीलाल टीम के साथ मौके पहुंचे। उन्होंने बताया कि मृतक के फोन पर परिजनों की कॉल आने पर मृतक की शिनाख्त घड़साना के गांव 5 एमडी के सतविंद्र सिंह उर्फ काका के रूप में हुई है।

पुलिस से सूचना मिलने मृतक के परिजन भी मौके में पहुंचे। परिजनों के मौके पर पहुंचने के बाद पुलिस के द्वारा शव को अनूपगढ़ के सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां दोपहर करीब एक बजे पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया है। एएसआई चुन्नीलाल ने बताया कि ग्रामीणों से सूचना मिली थी कि गांव 58 जीबी के पास रेलवे की बुर्जी संख्या 57/8-9 के बीच में सूरतगढ़ से अनूपगढ़ आने वाली ट्रेन की चपेट में एक व्यक्ति आ गया है।

सार-समाचार

गैस ब्लास्ट में झुलसी महिला की मदद

नोखा, (कासं)। नोखा थाना क्षेत्र के रोड़ा गांव में पिछले सप्ताह एक घर में गैस टंकी के रिसाव से आग लगने की घटना में विवाहिता गोरा देवी बुरी तरह झुलस गई थी और मकान भी क्षतिग्रस्त हो गया था। इस हादसे में घायल गोरा देवी और उनके परिवार की मदद के लिए अब समाजसेवी संगठन आगे आये हैं। भामाशाह और समाजसेवी नारायण जोशी ने लोगों के सहयोग से पीड़ित महिला को 11,000 रूपये की नकद सहायता दी। उन्होंने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया। नारायण जोशी ने बताया कि गोरा देवी के पति सोहनलाल प्रजापत मजदूर हैं और उनके परिवार में चार मासूम बच्चे हैं। झुलसने के बाद गोरा देवी को बीकानेर अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और अब वह घर पर ही इलाज करा रही हैं। उन्होंने कहा कि परिवार का पुनर्वास, मकान की मरम्मत, घरेलू सामान, पलंग-गद्दे और एक महीने के राशन की व्यवस्था की जायेगी। इस अवसर पर भाजपा नेता महावीर सारस्वत, रोड़ा सरपंच ऋषिराज सिंह और जयपाल सिंह सहित अन्य लोगों ने भी पीड़ित परिवार के लिए मदद का भरोसा दिलाया। पीड़ित परिवार ने भामाशाह नारायण जोशी और अन्य सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। गैस रिसाव से लगी आग के कारण मकान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था और गिरने का खतरा बना हुआ है। इसी वजह से परिवार को अस्थाई रूप से दूसरी जगह रहना पड़ रहा है। समाजसेवियों की इस पहल से परिवार को काफी राहत मिली है।

आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण

बीकानेर, (कासं)। राजकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय बीकानेर में नई इकाई के तत्वावधान में सात दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिवस के कार्यक्रम हुए। शिविर में मुख्य अतिथि राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल ने प्लाटून कमांडर सुभाष चंद्र के नेतृत्व में आपदा प्रबंधन जैसे भूकम्प, बाढ़, सीपीआर, सिलेंडर में आग लगने से संबंधी विषयों पर प्रयोगात्मक प्रशिक्षण दिया। अथिति का स्वागत प्रधानाचार्य भवानी प्रकाश तथा कपिल कुमार ज्याणी, कार्यक्रम अधिकारी रोहित खत्री द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल द्वारा आपदा प्रबंधन से संबंधित डेमोस्ट्रेशन कर विद्यार्थियों को लाभान्वित किया तथा द्वितीय चरण में महाविद्यालय में श्रमदान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य ने सभी अतिथियों, उपस्थित स्वयंसेवकों व श्रोताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम मे 50 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

चोरी का आरोपी रिमांड पर

नोखा, (कासं)। पुलिस ने चोरी के मामले में एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी अमित कुमार स्वामी ने जानकारी दी कि 12 अगस्त को मुकदमा दर्ज करवाया गया था। मोहनपुरा निवासी पूर्णचंद ब्राह्मण ने नोखा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि 8 अगस्त को वह अपने परिवार के साथ पैतृक गांव इंयारा, जिला चूरू खेती के काम के लिए गए थे। 11 अगस्त को जब वह नोखा वापस लौटे, तो उन्होंने देखा कि उनके घर के मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ था और अंदर सारा सामान बिखरा हुआ था। सामान की जांच करने पर पता चला कि 32,000 रुपए नकद, 3 सोने के गहनों के सेट, 10 सोने के मोती, चांदी की पायलें, सिक्के, गिलास और अन्य कीमती सामान चोरी हो गया था। इसके बाद मामला दर्ज कर हैड कॉन्स्टेबल रामेश्वर लाल को जांच सौंप दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए नोखा पुलिस ने एक टीम गठित की और आरोपी की पहचान करने के लिए कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने सोमलसर निवासी महिराम जाट को गिरफ्तार किया, जिसने चोरी की वारदात को स्वीकार किया। आरोपी महिराम को न्यायालय से पीसी रिमांड पर लिया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले की पूरी जांच जारी है।

दूध जांच अभियान 10 से

बीकानेर, (कासं)। उरमूल डेयरी द्वारा 10 जनवरी से दूध का दूध-पानी का पानी, शुद्ध के लिए युद्ध अभियान शुरू किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य दूध की शुद्धता की जांच करना और आमजन को नकली व मिलावटी दूध के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। उरमूल डेयरी के महाप्रबंधक बाबूलाल बिश्नोई ने बताया कि इस अभियान के तहत एक विशेष टीम का गठन किया गया है।

पीबीएम में 11 में से 4 ऑक्सीजन प्लांट रनिंग में, दो खराब

- मानव मेटा-न्यूमो वायरस को लेकर एडवाइजरी जारी
- छोटे बच्चों को इससे बचाकर रखना जरूरी

बीकानेर, (कासं)। मानव मेटा-न्यूमोवायरस (एचएमपीवी) को लेकर पीबीएम हॉस्पिटल में तैयारी शुरू कर दी गई है। मंगलवार को ऑक्सीजन प्लांटों की मॉक ड्रिल की गई। कुल 11 प्लांट में से चार रनिंग में हैं। दो खराब पड़े हैं, जिन्हें ठीक करने के लिए ईएमडी विभाग को कहा गया है।

राजस्थान के डूंगरपुर की एक बच्ची के एचएमपीवी रिपोर्ट होने के बाद सरकार हरकत में आ गई है। चिकित्सा निदेशालय ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों को एडवाइजरी जारी कर दी है। हालांकि चिकित्सकों का कहना है कि यह नॉर्मल वायरस है। चिंतित होने की जरूरत नहीं है। चार से पांच दिन में मरीज ठीक हो जाता है। छोटे बच्चों को इससे बचाकर रखना जरूरी है। ऐहतियात के तौर पर सरकारी अस्पतालों में संसाधनों को संभालने का काम शुरू हो गया है। जिले पीबीएम हॉस्पिटल सहित जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर कोरोना काल में लगाये गए ऑक्सीजन प्लांटो को चलाकर देखा जा रहा है। पीबीएम हॉस्पिटल में मॉक ड्रिल के जरिए सभी 11 ऑक्सीजन प्लांट चैक किए गए। आपदा प्रबंधन के नोडल ऑफिसर डिप्टी सुपरिटेंडेंट डॉ. गौरीशंकर जोशी और बायोमेडिकल इंजीनियर विक्रम पारीक के दल ने सभी ऑक्सीजन प्लांट चैक किए। जे वार्ड, बच्चा अस्पताल, हार्ट हॉस्पिटल, श्वसन रोग विभाग वाला प्लांट चालू हालत में पाया गया। दो प्लांट में बिजली संबंधी समस्याएं होने के बाद ईएमडी विभाग से कहा गया है। पीबीएम अधीक्षक डॉ. पीके सैनी ने बताया कि चार प्लांट रेगुलर चल रहे हैं। एक मेडिकल लिक्विड प्लांट भी है, जिससे एमसीएच बिल्डिंग में सीधे सप्लाई दी जा सकती है। पीबीएम में रोज औसत 700 ऑक्सीजन सिलेंडर लगते हैं। कुछ सिलेंडर खराब हैं, जिनकी मरम्मत के लिए कहा दिया गया है। जिला अस्पताल और ग्रामीण क्षेत्रों में नोखा रेफरल अस्पताल सहित सात सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर लगे ऑक्सीजन प्लांट वर्किंग में हैं।

सीएमएचओ डॉ. राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि जरूरत पड़ने पर प्लांट चलाए जा रहे हैं। मेडिकल कॉलेज से संबद्ध पीबीएम हॉस्पिटल और जिला अस्पताल में लगे ऑक्सीजन प्लांटों की मेंटिनेंस नहीं हो पाई।

अवैध पेट्रोल-डीजल जब्त

श्रीगंगानगर, (कासं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा के निर्देशानुसार और जिला कलेक्टर डॉ. मंजू के निर्देशन में रसद विभाग द्वारा बुधवार को सादुलशहर में अवैध पेट्रोल एवं डीजल के बेचान के संबंध में कार्रवाई हेतु दुकानों की जांच की गई। मौके से अवैध पेट्रोल-डीजल जब्त किए गए।

जिला रसद अधिकारी सुश्री कविता ने बताया कि कार्रवाई के दौरान सादुलशहर में वार्ड नम्बर 1 निवासी देवीलाल पुत्र भादरराम से 35 लीटर डीजल, 15 लीटर पेट्रोल जब्त किया गया। इसी प्रकार मुकेश कुमार पुत्र कृष्ण लाल से प्लास्टिक बोतलों में 15 लीटर पेट्रोल एवं 3 लीटर डीजल जब्त किया गया। इसी प्रकार पतली चैक पोस्ट के पास काशीराम पुत्र राजेश कुमार के पास से 180 लीटर डीजल तथा 130 लीटर पेट्रोल जब्त किया गया। मौके से इस कार्य में प्रयुक्त की जाने वाली माप, हस्तचालित यंत्र भी जब्त किए गए।

देर रात तक विधायकों से अध्यक्ष के लिए मांगे 3-3 नाम

- भाजपा में नए जिलाध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है, 10 जनवरी तक चयन संभव

बीकानेर, (कासं)। भाजपा में नए जिलाध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में हैं। प्रदेश नेतृत्व ने सोमवार की रात 12 बजे तक सभी विधायकों, वरिष्ठ नेताओं, पूर्व एवं वर्तमान जिलाध्यक्ष समेत जिले और प्रदेश पदाधिकारियों से फोन पर ही अध्यक्ष के लिए 3-3 नाम मांगे गए। व्हाटसअप पर भी नाम नहीं लिए गए। कॉल पर ही नाम नोट कराने को कहा गया।

सोमवार को पूरे दिन जयपुर से विधायकों के पास फोन आते रहे। किसी विधायक ने फोन नहीं उठाया तो उसे दो, तीन, चार बार कॉल किया गया। ग्रामीण क्षेत्र के एक विधायक को देर रात 5 कॉल किए गए पर वे सो गए और कॉल नहीं उठा पाए। इसलिए उन्होंने अपनी राय मंगलवार को दी। जिनको कॉल किया गया उसमें से सभी विधायक, सांसद, मौजूदा जिलाध्यक्ष, पूर्व जिलाध्यक्ष और सीनियर लीडर। इसके अलावा अगर कोई प्रदेश में पदाधिकारी है तो उससे भी राय ली गई। यानी बीकानेर के शहर और देहात अध्यक्ष के लिए 3-3 नामों का पैनल जयपुर में बन चुका है। वहां सभी की रायशुमारी की संख्या देखी जायेगी। जिन दो नामों पर सबसे ज्यादा विचार आए उन दो-दो नामों का पैनल बुधवार की रात तक दिल्ली भेजा जाना है। दिल्ली से प्रभारी समेत सीनियर लीडर से चर्चा की जायेगी।

सूत्र बताते हैं कि 10 जनवरी के बाद कभी भी जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी जायेगी। इस बार उम्र का खासा खयाल रखा गया है। एक भी अध्यक्ष 60 से ऊपर का नहीं होगा। यही वजह है कि ग्रामीण क्षेत्र में मौजूदा अध्यक्ष जालमसिंह भाटी, छैलूसिंह, रामेश्वर पारीक जैसे नेता अध्यक्ष की दौड़ से बाहर हो गए। शहर के मौजूदा अध्यक्ष विजय आचार्य 59 साल के हैं। इसलिए उन्हें कंसीडर किया जा सकता है।

कलेक्टर रावतसर में करेंगे जनसुनवाई

हनुमानगढ़,(कासं)। आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए जिले के सभी उपखंडों में माह के दूसरे गुरूवार को अटल जन सेवा शिविरों का आयोजन किया जाता है।

जिले के सभी उपखंडों में 09 जनवरी को प्रात: 10 बजे से अटल जन सेवा शिविर (उपखंड स्तरीय जनसुनवाई) आयोजित किए जायेंगे। जिला कलेक्टर ने इन शिविरों को सुचारू रूप से आयोजित करने हेतु सभी संबंधित अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए हैं।

सांडों की चपेट में आने से घायल बुजुर्ग की मौत

बीकानेर, (कासं)। शहर में खुले घूम रहे आवारा सांड़ों के कारण एक और बजुर्ग की जान चली गई।

घटना तीन जनवरी की बताई जा रही है। रानी बाजार निवासी 62 वर्षीय यशपाल खत्री स्कूटी से जा रहे थे। स्टेशन रोड पर लड़ते हुए दो सांड़ों की चपेट में आ गए। खत्री स्कूटी से गिर पड़े। उनके काफी चोटें आई। उपचार के लिए उन्हें पीबीएम हॉस्पिटल के ट्रोमा सेंटर में भर्ती कराया गया जहां सोमवार को उनकी मौत हो गई। मृतक के पुत्र फ्रेंकी खत्री की रिपोर्ट पर कोटगेट पुलिस थाने में मर्ग दर्ज की गई है। गौरतलब है कि आवारा सांड़ों के कारण पहले भी घटनाएं हो चुकी हैं। कई लोग अपनी जान से हाथ धो बैठे लेकिन नगर निगम हरकत में नहीं आया। शहर में आवारा पशुओं को पकड़ने का काम सुस्त पड़ा है। बारहगुवाड़ में एक जने को सांड ने सींग मार दिया था। पिछले साल मार्च में रामपुरा बस्ती में आवारा पशु के कारण बाइक सवार बुजुर्ग महिला जरीना की मौत हो गई। भीनासर चुंगी पर आवारा पशुओं की चपेट में आने से अनियंत्रित होकर बाइक से गिरे श्रवणराम की मौत हो गई थी। पवनपुरी शनिश्चर मंदिर के पास हरा चारा बिकने के कारण आवारा पशुओं का जमावड़ा रहता है। कई बार हादसे हो चुके हैं। नागणेची मंदिर के सामने भी ऐसे ही हालात रहते हैं। आसपास प्राइवेट डेयरियां होने के कारण लोग दूध निकालने के बाद अपने पशुओं को खुला छोड़ देते हैं।

सड़कों पर खड़े रहते हैं गैस से भरे ट्रक

- जयपुर के भांकरोटा में हुए बड़े हादसे के बाद भी नहीं चेता प्रशासन

बीकानेर, (कासं)। जयपुर के भांकरोटा में हुए बड़े हादसे के बाद भी सुरक्षा को लेकर कोई खास गंभीरता नजर नहीं आ रही है। खासकर एलपीजी सिलेंडर से भरे ट्रक मनमाने तरीके से खड़े किए जा रहे हैं।

मजे की बात है कि आला सरकारी अधिकारियों के ऑफिस के आगे भी ये ट्रक खड़े हैं और इन्हें हटाने के लिए आम लोगों को ट्रक चालकों से बहस करनी पड़ती है। लूणकरनसर में उपखंड अधिकारी कार्यालय के पास ही एलपीजी सिलेंडर से भरा ट्रक खड़ा था। आसपास के लोगों ने ट्रक को हटाने के लिए ड्राइवर को बोला लेकिन ट्रक वहीं खड़ा रहा। ऐसा नहीं है कि ये आज ही हुआ, बल्कि हर रोज एसडीएम ऑफिस के आगे ही ये ट्रक खड़े रहते हैं। एलपीजी सिलेंडर से भरे ट्रकों को बीच सड़क पर रोकने का प्रावधान नहीं है। इसके बाद भी ट्रक चालकों की हठधर्मिता आम लोगों की जान पर भारी पड़ रही है। जिस जगह ट्रक खड़े होते हैं, वहां से पुलिस थाना भी महज आधा किलोमीटर की दूरी पर है। पुलिस की गाड़ियां भी इन ट्रकों आसपास घूमती नजर आती है। इसके बाद भी कोई रोक नहीं रहा है। क्षेत्र के लोगों ने इसका विरोध किया।

बल्लभ गार्डन के सैकड़ों बीघा में लहलहा रही सीवर के गंदे पानी की सब्जियां

बीकानेर, (कासं)। बल्लभ गार्डन के सैकड़ों बीघा क्षेत्र में गंदे पानी में सब्जियों की फसल लहलहा रही है। ये सब्जियां पूरा शहर खा रहा है, जिससे कई तरह की बीमारियों का खतरा बना हुआ है।

शहर में सीवरेज और नालों का पानी बल्लभ गार्डन में जोधपुर बाइपास के पास जमा होता है। यहां कई बीघा में यह पानी सालों से इकट्ठा है। बारिश के दिनों में पाल तोड़कर आस-पास की कॉलोनियों में चला जाता है। बाइपास पास एक हजार बीघा से अधिक क्षेत्र में कृषि भूमि पर इसी पानी से खेती हो रही है। सुदर्शना नगर से लेकर बाइपास तक पशुओं के लिए हारे चारे से लेकर गोभी, पालक, हरा धनिया आदि कई तरह की हरी सब्जियां बोई जाती हैं। रोज सुबह यह सब्जियां गाडियों में लाद कर कोटगेट और पूगल रोड सब्जी मंडी ले जाकर बेची जाती हैं।

इन खेतों के बीच बिहार और बंगाल से आये श्रमिकों की पूरी बस्ती बसी हुई है। नगर निगम ने पहले भी इन सब्जियों पर जेसीबी चलाई थी, लेकिन अब फिर से सब्जियों की फसल लहलहा रही है। बाकायदा सीवर लाइन से पाइप लगाकर मोटर के जरिए पानी लिया जाता है। जानकारी के अनुसार यह खेत शहर के ही कुछ प्रभावशाली लोगों के हैं, जिन्होंने इन बाहरी श्रमिकों को ही ठेके पर दे रखे हैं। नगर निगम उपायुक्त यशपाल आहूजा और अधीक्षण अभियंता ललित ओझा ने हाल ही में पूरे क्षेत्र का जायजा लिया है।

नए कार्य की जियो टैग कराने का कार्य पूर्ण कराएं : कलेक्टर

बीकानेर,(कासं)। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग के कन्वर्जेंस कार्यों को समय पर पूर्ण करने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक समन्वय करने के निर्देश दिए हैं।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की योजनाओं में प्रगति की बुधवार को आयोजित समीक्षा बैठक में जिला कलेक्टर ने निर्धारित टाइमलाइन में बकाया कार्य पूर्ण करने के साथ यूसी और सीसी समय पर भिजवाने को कहा। कलेक्टर ने कहा कि एमजेएसए 2.0 के तहत गांवों का चयन कर लिया गया है। संबंधित विभाग प्री सर्वे करवाते हुए पहले बनाई हुई संरचनाओं को जियो टैगिंग करवाएं तथा नए कार्य की सूची के अनुसार मौके पर जाकर जियो टैग करवाने का कार्य पूर्ण किया जाए। जिला कलेक्टर ने कहा कि जिस विभाग की यूसी, सीसी बकाया है उन्हें प्राथमिकता से भिजवाया जाए। जो कार्य प्रारम्भ नहीं हुए हैं वे प्रारम्भ किए जाएं। ऐसे कार्य जो निरस्त कर दिए गए हैं उनकी राशि लौटाई जाए। जिला कलेक्टर ने जिन नगर पालिकाओं द्वारा कार्य पूर्ण नहीं किए गए हैं उनके विरूद्ध कार्रवाई प्रस्तावित करने के भी निर्देश दिए। जिला परिषद के सीईओ सोहनलाल ने बताया कि जिले में एक मॉडल सोलर विलेज घोषित किया जायेगा इसके लिए सभी पंचायत समिति अपने यहां से एक ग्राम पंचायत का नाम प्रस्तावित करें।

जिला कलेक्टर ने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, डीएम-एसपी, महात्मा गांधी जनभागीदारी योजना, पीएमएवाई, विधायक निधि तथा सांसद निधि के तहत हुए कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि जो भी तकनीकी समस्याएं हैं उनको प्राथमिकता से दिखवाते हुए कार्य पूर्ण करवाए जाएं।

उन्होंने व्यक्तिगत लाभ के कार्य प्राथमिकता से पूरे करवाने के निर्देश दिए। मनरेगा में नियोजित श्रमिकों की संख्या, भुगतान आदि की समीक्षा करते हुए नम्रता वृष्णि ने कहा कि सौ दिवस रोजगार योजना का अधिकतम लाभ देना सुनिश्चित करें। बैठक में बीएडीपी, सांसद विधायक निधि, नवसृजित ग्राम पंचायत भवन निर्माण, पीएमएवाई , जिला परिषद मद के बकाया पूर्णता प्रमाण पत्र उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए गए हैं। जिला परिषद सीईओ सोहनलाल ने कहा कि दिए गए निर्देशों की अनुपालना अगली बैठक तक आवश्यक रूप से कर रिपोर्ट भिजवाना सुनिश्चित करें। । बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारी और विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई के दौरान ग्रामीणों का विरोध बढ़ा, पुलिस ने खदेड़ा

ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव किया, पुलिस ने भीड़ को खदेड़ने के लिए हल्का बल प्रयोग किया

नागौर, (निसं)। जिले के सरासनी गांव में एक निजी कंपनी के विरोध में धरना दे रहे किसान और पुलिस बुधवार को आमने-सामने हो गए। जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई के दौरान ग्रामीणों का विरोध बढ़ गया। ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव किया तो पुलिस ने भीड़ को खदेड़ने के लिए हल्का बल प्रयोग किया।

इस बीच कुछ लोगों ने एक खेत में आग लगा दी। घटना के बाद मौके पर भारी पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है। वहीं, इस घटना पर सांसद हनुमान बेनीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए पुलिस लाठीचार्ज को निंदनीय बताया है।

जानकारी के मुताबिक जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई के विरोध में किसान 134 दिन से धरना दे रहे थे। इस बीच बुधवार को निजी कंपनी की ओर से हरिमा, सरासनी आदि गांव में जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई की जा रही थी। इस बीच धरने पर बैठे ग्रामीणों का विरोध बढ़ गया। ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव कर दिया तो पुलिस ने भी लोगों को खदेड़ने के लिए हल्का बल प्रयोग किया। कुछ लोगों ने खेत में आग लगा दी।

सरासनी गांव में जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई के दौरान ग्रामीणों के विरोध करने पर पुलिस ने भीड़ को खदेड़ने के लिए हल्का बल प्रयोग किया।

घटना के बाद मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। जानकारी के अनुसार कि कंपनी की ओर से हरिमा, सरासनी आदि गांव में जमीन खरीदी गई है। सरासनी के किसानों का आरोप है कि उनकी जमीनें 8 लाख रुपए प्रति बीघा में खरीदी गई और सही कीमत नहीं दी। इसी को लेकर यह धरना चल रहा था। कंपनी ने बुधवार को काम शुरू किया तो विवाद बढ़ गया।

जिला कलेक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने बुलाई बैठक :- इस पूरे मामले के बाद नागौर जिला कलेक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने एक बैठक बुलाई है। इस बैठक में कंपनी और विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों के प्रतिनिधि मंडल को बुलाया गया है। किसान इस बात पर अड़े हैं कि जमीनों के जो पैसे हैं उनके दाम बढ़ाकर दिए जाएं, फिलहाल पूरे मामले में जिला कलेक्टर अरुण कुमार पुरोहित नजर बनाए हुए हैं।

पुलिस जाप्ता तैनात:- जायल डिप्टी खेमाराम बिजारणियां ने बताया कि कंपनी के काम शुरू करने के दौरान पुलिस भी मौजूद रही। किसानों ने विरोध किया और पत्थरबाजी हो गई। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया। इसी बीच कुछ लोगों ने एक खेत में आग भी लगा दी। घटना के बाद सरासनी गांव में भारी पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है।

- **कुछ लोगों ने एक खेत में आग लगा दी, मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है, पुलिस जाप्ता तैनात**

मकान तोड़ने के मामले में हाईकोर्ट की रोक

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जालोर जिले में राजपूत समाज के लोगों के मकान तोड़ने पर रोक लगा दी है। कोर्ट में इस मामले को लेकर सुनवाई की गई थी जिसमें लक सिंह, देवी सिंह और मोहन सिंह की ओर से याचिका दायर की गई थी। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से निखिल भंडारी ने पैरवी की।

ग्राम डूडसी निवासी लखसिंह, देवीसिंह व मोहनसिंह ने राजस्थान हाईकोर्ट में एक रिट याचिका तथा स्थगन प्रार्थना-पत्र एडवोकेट निखिल भण्डारी के मार्फत पेश किया था। एडवोकेट निखिल भण्डारी ने बहस करते हुए हाईकोर्ट को यह बताया कि प्रार्थी कई पीढ़ियों से ग्राम डूडसी के खसरा नम्बर 655 में पिछले 60 वर्षों से निवास कर रहे हैं। उनके पास जमीन की जमाबन्दी तथा नक्शा भी मौजूद हैं। वे भूमि की बीगोड़ी/टैक्स भी सम्बन्धित विभाग में जमा कराते हैं, जिसकी सनद भी जारी हो चुकी है। एडवोकेट निखिल भण्डारी ने बहस करते हुए यह भी बताया कि उन्होंने रिट याचिका के साथ प्रार्थीगणों के पुराने पक्के मकान के फोटो भी प्रस्तुत कर रखे हैं, लेकिन जालोर तहसीलदार, उपखण्ड अधिकारी व जिला कलेक्टर प्रार्थीगणों के निर्माण तोड़कर उन्हें बेघर व बेकब्जा करना चाहते हैं, जो कि अनुचित व अवैध है। एडवोकेट निखिल भण्डारी ने हाईकोर्ट से यह अनुरोध किया कि अप्रार्थीगणों को ऐसा करने से रोका जाए। राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश विनीत कुमार माथुर ने सुनवाई के बाद अप्रार्थीगणों को नोटिस जारी कर लखसिंह, देवीसिंह व मोहन सिंह के मकान व निर्माण को तोड़ने व उन्हें बेकब्जा करने पर तुरन्त प्रभाव से रोक लगा दी।

अफीम का दूध जप्त, एक बदमाश गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने तीन लाख रूपये का अवैध अफीम दूध जब्त कर एक आरोपी को गिरपतार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक छगन राजपुरोहित के सुपरविजन में प्रोबेशनर आईपीएस माधव उपाध्याय व प्रतापनगर थानाधिकारी भरत योगी के नेतृत्व में गठित दल ने आसूचना के सहयोग से देबारी क्षैत्र से शंभूसिंह पुत्र भंवरसिंह निवासी नला फला देबारी प्रतापनगर को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से तीन लाख रूपये मूल्य का अवैध मादक पदार्थ अफीम दूध जब्त कर प्रकरण दर्ज किया।

राजस्थान IV 4ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड

(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की 100% पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)
बी-9, कुतुब इंस्टिट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016

सूचना

(विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 15 की उप-धारा (2) के तहत)

1. **राजस्थान IV 4A पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016** में है, जो कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निगमित है, ने केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग, नई दिल्ली के समक्ष विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 15 की उप-धारा (1) के तहत पारेषण लाइनों, उप-स्टेशनों और अन्य परिसंपत्तियों के संबंध में ट्रांसमिशन लाइसेंस प्रदान करने के लिए एक आवेदन किया है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:-

क्र. सं.	लाइन/सबस्टेशन का नाम (नोट के अनुसार स्थान)	बीपीसी की सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार लाइन की लंबाई/क्षमता	वार्षिक ट्रांसमिशन शुल्क (आईएनआर) मिलियन प्रति वर्ष	कमीशनिंग शेडयूल	टिप्पणी
1.	765/400 केवी घिरोर (जिला मैनपुरी) सब-स्टेशन और संबंधित उपकरण।	3000 एमवीए, 730 एमवीएआर (बीआर) 1380 एमवीएआर (एसएलआर)	5979.29	असरदार तारीख यानी 30.12.2024 से 24 महीने	
2.	बाड़मेर-I पूलिंग सब-स्टेशन पर संवर्द्धन कार्य संबंधित खण्डों के साथ	5500 एमवीए			
3.	स्टेटकॉम (2x±300 एमवीएआर) के साथ एमएससी (4x125 एमवीएआर) और एमएसआर (2x125 एमवीएआर) के साथ-साथ बाड़मेर-I पीएस में 2 नग 400 केवी बे	600 एमवीएआर			
4.	400 केवी फतेहगढ़-IV पीएस (सेक्शन-2)-बाड़मेर-I पीएस डी/सी लाइन (क्वाड)	39.588 किमी			
5.	फतेहगढ़-IV पीएस (सेक्शन-2) पर 2 नग 400 केवी लाइन बे				
6.	765 केवी दौसा-घिरोर डी/सी लाइन	283.046 किमी			
7.	घिरोर एस/एस पर 765 केवी अलीगढ़ (पीजी)-उरई (पीजी) डी/सी लाइन के दोनों सर्किट का एलआईएलओ	34.83 किमी			
8.	घिरोर में 765 केवी आगरा (पीजी)-फतेहपुर (पीजी) 2Xएस/सी लाइन के एक सर्किट का एलआईएलओ	26.137 कि.मी			
9.	400 केवी घिरोर-फिरोजाबाद (यूपीपीटीसीएल) डी/सी लाइन (क्वाड)	43.281 कि.मी			
10.	दौसा एस/एस पर 2 नग 765 केवी लाइन बे	480 एमवीएआर (एसएलआर)			
11.	फिरोजाबाद (यूपीपीटीसीएल) एस/एस में 2 नग 400 केवी लाइन बे				

नोट: (i) तत्व 1, 7,8, 9, और 11 के स्थान उत्तर प्रदेश राज्य में हैं; तत्व 2,3,4,5 और 10 का स्थान राजस्थान में है, और तत्व 6 का स्थान उत्तर प्रदेश और राजस्थान दोनों में है।
(ii) पूर्ण दायरे के लिए कृपया **https://www.powergrid.in@subsidiaries** पर जाएं

2. आयोग के समक्ष दायर पूर्ण आवेदन और अन्य दस्तावेज पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट **https://www.powergrid.in/subsidiaries** पर किसी भी व्यक्ति द्वारा उपयोग के लिए उपलब्ध हैं। आवेदन का निरीक्षण कंपनी के सी/ओ ईडी (टीबीसीबी), पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, सौदामिनी, प्लॉट नंबर 2, सेक्टर-29, गुड़गांव 122001 में, श्री प्रेम प्रकाश राय, परियोजना प्रभारी, राजस्थान IV 4ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड या आयोग द्वारा निर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार आयोग का कार्यालय के साथ भी किया जा सकता है।
3. आपत्ति या सुझाव, यदि कोई हो, आवेदक या उसके अधिकृत एजेंट, अखबार में नोटिस के प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर सचिव, केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग, 7 वीं मंजिल, टावर बी, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली-110029 के समक्ष आपत्ति (ओं)/सुझाव (ओं) की एक प्रति के साथ दायर किया जाना चाहिए।

श्री प्रेम प्रकाश राय,
परियोजना प्रभारी,
राजस्थान IV 4ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड

स्थान: नई दिल्ली
तारीख: 09.01.2025

कोचिंग छात्र के बैंक खाते में फ्रॉड राशि का लेनदेन, मामला दर्ज

श्रीगंगानगर, (निसं)। कोचिंग इंस्टीट्यूट में पढ़ने वाले एक छात्र के बैंक खाते का दुरुपयोग कर इसमें फ्रॉड की राशि के लेनदेन का मामला साइबर थाने में दर्ज हुआ है। कोचिंग स्टूडेंट को लोन दिलाने के बहाने उसके एक दोस्त ने उससे डॉक्यूमेंट लिए। बाद में लोन की प्रोसेस पूरी करने के नाम पर खाते की पास बुक और एटीएम आदि अपने पास रख लिए। पीड़ित स्टूडेंट के मोबाइल नंबर की जगह अपना नंबर अपडेट करवा लिया और साइबर फ्रॉड की राशि का लेनदेन खाते में कर दिया। कोचिंग स्टूडेंट को अपने साथ हुए धोखे का तब पता तब लगा जब उसे हरियाणा पुलिस से मिली टेलीफोन कॉल से उसके खाते में फ्रॉड राशि के लेनदेन का पता लगा। इस पर उसने साइबर थाने में मामला दर्ज करवाया।

पीड़ित स्टूडेंट ने बताया कि वह शहर के एक कोचिंग इंस्टीट्यूट में पढ़ता है। पढ़ाई के दौरान उसकी पहचान एक साथी स्टूडेंट से हुई। वह उसके किराए के कमरे पर आने जाने लगा। इसी दौरान पास के गांव में रहने वाली पीड़ित की बहन ने उसे अपने घर रहने का ऑफर दिया। इसे पीड़ित ने मान लिया। पीड़ित ने बताया कि उसे कोचिंग इंस्टीट्यूट से शहर से करीब तीन किलोमीटर दूर गांव आने जाने के लिए बाइक की जरूरत थी। उसने इस संबंध अपने साथी स्टूडेंट से बात की। उसके साथी स्टूडेंट ने उसे लोन का काम करने वाले एक व्यक्ति से मिलवाया। पीड़ित के साथी स्टूडेंट ने उसे कहा कि लोन के लिए उसका बैंक खाता खुलवाना जरूरी है। वह इसके लिए पीड़ित को मीरा चौक स्थित बैंक में ले गया। वहां उसका खाता खुलवाया और लोन प्रोसेस करवाने के नाम पर उसकी बैंक पास बुक, एटीएम कार्ड आदि अपने पास रख लिए। बाद में आरोपी साथी स्टूडेंट ने पीड़ित को बताया कि उसके मोबाइल नंबर पर लोन से जुड़े ओटीपी नहीं आ पा रहे हैं। ऐसे में बैंक खाते में मोबाइल नंबर बदलना होगा। आरोपी ने पीड़ित के मोबाइल नंबर की जगह अपना बताया एक मोबाइल नंबर पीड़ित के बैंक खाते में अपडेट करवा दिया। इसके बाद आरोपी में इसमें फ्रॉड की राशि का लेनदेन करने लगा। पीड़ित ने बताया कि पिछले दिनों उसे हरियाणा पुलिस से आए फोन कॉल से उसके खाते का दुरुपयोग होने की जानकारी मिली। पुलिस ने उसके खाते से बड़ी राशि का लेनदेन होने की जानकारी दी। इस पर उसे अपने साथ हुए धोखे का पता लगा।

- **दोस्त ने धोखे से बैंक अकाउंट खुलवाया, मोबाइल नंबर बदलकर की धोखाधड़ी**

जैसलमेर में पर्यटन व्यवसायी के शोरूम में जीएसटी की रेड

बताया जा रहा है कि जीएसटी चोरी की शिकायतों को लेकर टीम सर्वे कर रही है

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर शहर स्थित जैसलमेर आर्ट एंड क्राफ्ट के शोरूम में बुधवार को एसजीएसटी की टीम ने दबिश दी। बताया जा रहा है कि जीएसटी चोरी की शिकायतों को लेकर टीम सर्वे कर रही है।

स्टेट जीएसटी जैसलमेर की सीटीओ पंकज पंवार के नेतृत्व में टीम शोरूम पहुंची और सर्वे की कार्रवाई शुरू की। टीम शोरूम में बिना बिलों के बेचे जा रहे माल की शिकायत पर आई है। टीम बिलों और काग़ज़ों की पड़ताल कर रही है। जांच के दौरान शोरूम के स्टॉफ को अंदर-बाहर नहीं होने दिया गया। गौरतलब है कि सोनार किले की पार्किंग में स्थित जैसलमेर आर्ट एंड क्राफ्ट शोरूम में हैंडीक्राफ्ट के आइटम की बिक्री होती है। पिछले दिनों जैसलमेर में लगी सैलानियों की भीड़ में जैसलमेर में काफी बिजनेस हुआ है। सैलानियों ने जमकर ख़रीदारी की है। शहर के वरिष्ठ नागरिक प्रेमनारायण ने बताया कि पर्यटन व्यवसाय में लगे चांदी के जेवर बेचने वाले सालाना करोड़ों रूपये की जीएसटी की चोरी कर रहे हैं, परन्तु विभाग नींद में सो रहा है।

जानकारी के अनुसार शोरूम में जीएसटी चोरी की शिकायतों को लेकर और जीएसटी बिलो में हेराफेरी को लेकर स्टेट जीएसटी की टीम पहुंची है और सर्वे कार्य देर शाम तक जारी है। शहर में जीएसटी टीम की दबिश को लेकर व्यापारियों में हड़कंप मचा हुआ दिखा।

भाइयों से मारपीट करने के दो फरार आरोपी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना पुलिस ने मारपीट के मामले में फरार चल रहे दो इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने शराब के लिए पैसे नहीं देने पर दो भाइयों को मारपीट कर घायल कर दिया था। दोनों बदमाश करीब तीन माह से फरार चल रहे थे। वहीं दोनों पर पांच-पांच हजार का इनाम घोषित था।

कोतवाली थाने के सीआई ने बताया कि साबली निवासी सुनील डोडा ने रिपोर्ट में बताया था कि 12 अक्टूबर 2024 को वह और उसका भाई गलंदर में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता से डूंगरपुर की तरफ आ रहे थे। इस दौरान नवाडेरा के पास अज्ञात बदमाशों ने उन्हें रोककर उनसे शराब के लिए पैसे मांगे, लेकिन जब उन्होंने पैसे देने से मना किया तो बदमाशों ने दोनों के साथ मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। दोनों भाई जैसे-तैसे अपनी जान बचाकर वहा से बच निकले थे।

पुलिस ने पीडित की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाशी की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने बोरी गांव निवासी मनीष पुत्र ईश्वरलाल गमेती और रवि पुत्र मोहनलाल आमलिया को गिरफ्तार किया। पुलिस मामले में दोनों ही आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

- **शराब के लिए पैसे नहीं देने पर घायल किया था**

घर के बाहर खेल रहे पांच साल के बच्चे का अपहरण

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां आर्किटेक्ट के पांच साल के बेटे का किडनैप हो गया। बाइक सवार बदमाश बच्चे को बीच में बैठाकर ले गए। इसका सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें बदमाश बच्चे को ले जाते हुए नजर आ रहे हैं। इसके आधार पर सदर थाना पुलिस बदमाशों की तलाश में जुट गई है। नाकाबंदी भी कराई गई है।

जानकारी के अनुसार रामदेव कॉलोनी की गली नंबर 9, 5-ई छोटी निवासी रुद्र (5) बुधवार सुबह करीब 11:30 बजे दादा के साथ घर के बाहर खेल रहा था। दादा एक मिनट के लिए घर के अंदर गए। इस दौरान बाइक पर दो बदमाश आए और बच्चे को उठाकर बाइक पर ले गए। जब दादा वापस बाहर आए तो रुद्र उन्हें गायब मिला। हड़कंप मचने पर परिजन बाहर आए और पुलिस को इसकी सूचना दी। अपहरण के करीब एक से डेढ़ घंटे बाद बच्चे के दादा भारत भूषण समरसोत (55) के मोबाइल फोन पर एक वीडियो फुटेज प्राप्त हुआ। इसमें बच्चा खेत में मिट्टी में खेलता नजर आ रहा है। पुलिस इसी आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है।

एसपी गौरव यादव ने बताया कि प्रथमदृष्टया बच्चे का अपहरण किसी परिचित के करने की आशंका है। अपहरण के समय आसपास मौजूद लोगों का कहना था कि बच्चे को जिस तरह से दो युवक लेकर गए, उससे ऐसा नहीं लगता है कि वे बच्चे से परिचित नहीं थे। दादा भारतभूषण समरसोत का कहना है कि उनका किसी से कोई बैर नहीं है, न ही किसी ने फिरौती के लिए कॉल किया है। रुद्र के पिता करण समरसोत (30) रामदेव कॉलोनी स्थित घर में ही रुद्र आर्किटेक्ट एंड कंसल्टेंट फर्म चलाते हैं। रुद्र की छोटी बहन कनु छह महीने की है। जब बच्चे का किडनैप हुआ, तब मां प्रियंका (25), पिता करण और छोटी बहन घर के अंदर ही थे।

- **बाइक पर आए थे दो बदमाश, दादा के मोबाइल पर बच्चे का फुटेज भेजा**
- **'प्रथमदृष्टया बच्चे का अपहरण किसी परिचित के द्वारा करने की आशंका है'**

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

रेल्वे अस्पताल के सामने, रातानाडा, जोधपुर - 342001

क्रमांक :-जोविप्रा/2024-25/जोन मुख्यालय/2075 दिनांक : 07.01.2025

:: ई-निविदा सूचना संख्या -मुख्यालय/36 & 37/2024-25 ::

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से इच्छुक व्यक्ति/फर्म/संस्था (निविदा सूचना सं. 36/2024-25) तथा प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदक जिनका पंजीयन 2 वर्ष की अवधि में पुनरावलोकन (Review) किया हुआ हो एवं फर्मो (निविदा सूचना सं. 37/2024-25) से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा, शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in** एवं **www.sppp.raj.nic.in** पर देखी जा सकती है।

UBN No. :- JOD2425GSOB00309, JOD2425WSOB00308

राज.संवाद/सी/24/10037 अधिशाषी अभियंता

कार्यालय नगर विकास न्यास, पाली

जिला कलेक्ट्रेट परिसर, पाली

फोन नं. 02932-223222 ई मेल- uitpali@gmail.com

क्रमांक : न्या.पा./विज्ञापन/2025/2263 दिनांक : 07.01.2025

ई-निविदा सूचना संख्या-30/2024-25

नगर विकास न्यास, पाली की और से न्यास/राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यों हेतु ऑन-लाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण **http://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है तथा न्यास कार्यालय, पाली में कार्य दिवस के दौरान भी देखी जा सकती है।

कार्य	यू.बी.एन नम्बर (sppp.rajasthan.gov.in)
सिविल कार्य	ITP2425WSOB00047

राज.संवाद/सी/24/10035 अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगर परिषद, जालोर (राजस्थान)

क्रमांक : नपजा/विकास/2024-25/5526 दिनांक : 02.01.2025

:: ई-निविदा सूचना 08/2024-25 ::

यत् नगर परिषद जालोर द्वारा निम्नांकित स्थानों पर सिविल निर्माण व ठोस कचरा प्रबंधन कार्य हेतु उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार एवं मान्यता प्राप्त यथा: नगर निगम/परिषद/पालिका एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्रों में E-Procurement प्रकिया द्वारा ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्य एवं ई-निविदाओं के संबंधित विवरण वेबसाईट **www.eproc.rajasthan.gov.in** डाउनलोड व अपलोड एवं **www.sppp.rajasthan.gov.in** से डाउनलोड किये जा सकते है।

S.N.	Work no.	NIB No.
1	2	DLB2425A4713

राज.संवाद/सी/24/10024 प्रशासक नगर परिषद, जालोर आयुक्त नगर परिषद, जालोर

कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाड़ा

(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)
दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327001

Mo. No. 9413044271 / 8209938201 Mail ID: zdr_arsb@yahoo.com, Visit us : www.mpuat.ac.in

क्रमांक : एफ( )/कृअके/2024-25/152-156 दिनांक 04.01.2025

निविदा सूचना (2024-25)

कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाड़ा के लिये कृषि कार्य हेतु पंजीकृत संवेदक/ठेकेदार से अपेक्षित अनुभव क्षमताओं के साथ मासिक कार्य/कार्यानुसार हेतु खुली निविदाएं बंद लिफाफों में आमन्त्रित की जाती है। पंजीकृत संवेदक/ठेकेदारों को तकनीकी एवं वित्तीय निविदा अलग-अलग सील बन्द लिफाफों में देनी होगी। निविदा प्रारूप, सम्पूर्ण नियम एवं शर्तें विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpuat.ac.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदा प्रारूप प्राप्ति की अन्तिम तिथि 15.01.2025 दोपहर 1.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदायें उसी दिन दोपहर 2.00 बजे तक जमा की जाकर अपरान्ह 2.30 बजे कमेटी की उपस्थिति में खोली जावेगी। निविदा प्रारूप जमा करवाते समय कार्य के सामने वर्णित निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा करवानी होगी।

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.)	धरोहर राशि (रू.)	निविदा शुल्क (रू.)
कृषि अनुसंधान केन्द्र, बोरवट फार्म बांसवाड़ा पर मक्का बीज उत्पादन कार्यक्रम में कृषि कार्य।	2,31,400/-	5000/-	500/-

संभागीय निदेशक अनुसंधान

जयपुर विकास प्राधिकरण

ई-नीलामी

जनवरी-II एवं फरवरी-I, 2025

307 भूखण्ड/दुकान/गोदाम

68 व्यावसायिक भूखण्ड

34 लोहा मण्डी माचेड़ा फेज-1, जयपुर
01 जस्टिस दौलतमल भण्डारी नगर, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2022/1849
03 वेस्ट वे हाईट्स स्कीम, जयपुर
09 शौर्य नगर स्कीम, जयपुर
03 ट्रांसपोर्ट नगर, जयपुर
04 रियासत रेजिडेंसी जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2022/2033
01 कृष्णा सरोवर, जयपुर
02 न्यू आतिश मार्केट स्कीम, जयपुर
01 मोजी विहार जयपुर
01 रियासत टाउन ग्रीन स्कीम, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2022/2092
02 लालकोठी स्कीम, जयपुर
04 इंस्टिट्यूशनल स्कीम, ग्राम-देहमीकलां, जयपुर
01 गोल्डन रेजिडेंसी स्कीम, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2023/595
01 हरित विहार स्कीम, जयपुर
01 वीआरबी पर्ल एन्क्लेव स्कीम, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2022/1799

156 मिश्रित भू-उपयोग भूखण्ड

17 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम-खटवाड़ा, जयपुर
12 रिंग रोड ग्राम-सीताराम पुरा योजना, जयपुर
09 रिंग रोड परियोजना ग्राम- अजयराजपुरा, जयपुर
09 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम-अचरावाला, जयपुर
31 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम-मुहाना, जयपुर
13 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम-पीपला, जयपुर
06 रिंग रोड परियोजना ग्राम-श्यामपुरा बुहारिया, जयपुर
21 रिंग रोड परियोजना ग्राम-अभयपुरा, जयपुर
02 रिंग रोड परियोजना, ग्राम-खोड़ी गोकुलपुरा, जयपुर
01 रिंग रोड परियोजना, ग्राम-सूरजपुरा जयपुर
10 रिंग रोड ग्राम-जयसिंहपुरा बुहारिया योजना, जयपुर
07 रिंग रोड परियोजना ग्राम-चिमनपुरा, जयपुर
03 रिंग रोड परियोजना ग्राम-शिवदासपुरा, जयपुर
04 रिंग रोड परियोजना ग्राम-महापुरा, जयपुर
04 रिंग रोड परियोजना ग्राम -सिरौली, जयपुर
01 रिंग रोड परियोजना, ग्राम-रातल्या, जयपुर
01 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम कानड़वास, जयपुर
01 रिंग रोड परियोजना ग्राम-मनोहरियावाला, जयपुर
04 मेट्रो एन्क्लेव, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2019/1133

60 आवासीय भूखण्ड

02 निलय कुंज फेज-II, जयपुर RERA Reg. No. RAJ/P/2019/937
01 निलय कुंज जयपुर
03 कल्पना नगर, जयपुर
01 ग्राम-हरगुन की नांगल उर्फ चारणवाला तह. सांगानेर योजना, जयपुर
22 शांति नगर, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2023/2517
08 स्वर्ण विहार, जयपुर
02 आनंद विहार योजना, जयपुर
01 पत्रकार कॉलोनी, जयपुर
03 लोहामंडी मचेड़ा फेज-I, जयपुर
09 रोहिणी नगर-I, जयपुर
01 विद्याधर नगर सेक्टर-9 योजना, जयपुर
05 ग्राम-सवाई गैटोरे तह. सांगानेर, जयपुर
01 ग्राम-सिरसी, जयपुर
01 शौर्य नगर योजना, जयपुर

03 दुकान

03 एसएमएस अस्पताल को ट्रॉमा सेंटर जयपुर से जोड़ने के लिए अंडरपास

01 इंस्टीट्यूशनल

01 रामचन्द्रपुरा, योजना, जगतपुरा, जयपुर

06 फार्म हाउस भूखण्ड

06 गोविंदपुरा रोपड़ा योजना, जयपुर

04 ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड

02 ग्रुप हाउसिंग योजना ग्राम-गोनेर, जयपुर
01 हरित विहार योजना, जयपुर
01 मानपुरा टीलावाला योजना, जयपुर

01 रिसॉर्ट

01 निलय कुंज फेज-II, जयपुर RERA Reg. No. RAJ/P/2019/937

01 रेस्टोरेंट/कैफेटेरिया

01 निलय कुंज फेज-II, जयपुर RERA Reg. No. RAJ/P/2019/937

02 सर्विस यार्ड (टाईप-ए)

02 ट्रांसपोर्ट नगर सीकर रोड, जयपुर

02 सर्विस यार्ड (टाईप-बी)

02 ट्रांसपोर्ट नगर सीकर रोड, जयपुर

03 गोदाम (टाईप-बी)

03 ट्रांसपोर्ट नगर सीकर रोड, जयपुर

राज.संवाद/सी/24/10044

भूखण्डों की अधिक जानकारी के लिए कॉल करें: +91 9462-569-696
रेरा वेबसाईट: http://rera.rajasthan.gov.in
अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें
नीलामी की नियम व शर्तों के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट
www.jda.rajasthan.gov.in

इंदिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर- 302004

सरल प्रावधानों को समाहित कर आमजन को लाभान्वित करें : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने नीतियों के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए भी विशेष दिशा-निर्देश दिए

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने युवा, महिला, किसान एवं गरीब के सर्वांगीण विकास को केन्द्र बिन्दु मानते हुए अधिकारियों को नीति-निर्धारण के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि आकर्षक, सुस्पष्ट एवं सुसंगत नीतियों के निर्माण में नवाचारों को प्राथमिकता से शामिल किया जाए। शर्मा ने नीतियों के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए भी विशेष दिशा-निर्देश दिए।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर लम्बित नीतियों, योजनाओं एवं अधिनियमों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार 8 करोड़ प्रदेशवासियों के चहुंमुखी विकास और कल्याण के लिये कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि नीतियों एवं योजनाओं के माध्यम से जनता को सुशासन देना ही राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शीघ्र ही राजस्थान सहकारिता अधिनियम-2025 लेकर आएगी, जिसमें पारदर्शिता और जवाबदेहिता सुनिश्चित करने वाले प्रावधान जोड़े जाएंगे। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं से कई क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग जुड़े हुए हैं। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। शर्मा ने सहकारिता बैंक एवं वित्तीय संस्थानों की नियमित ऑडिट करने के संबंध में नए अधिनियम में प्रावधानों को जोड़ने के लिए निर्देशित किया ताकि ये संस्थाएं सुचारू रूप से संचालित हों। उन्होंने गृह निर्माण सहकारी समितियों के पंजीकरण के संबंध में भी सुस्पष्ट प्रावधान शामिल करने के लिए निर्देशित किया।

- लम्बित नीतियों, योजनाओं एवं अधिनियमों को लेकर समीक्षा बैठक
- 'युवा, महिला, किसान एवं गरीब का सर्वांगीण विकास ही हमारी नीतियों का केन्द्र बिन्दु'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर लम्बित नीतियों, योजनाओं एवं अधिनियमों की समीक्षा बैठक को संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा, शिखर अग्रवाल, कुलदीप रांका, प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

शर्मा ने कहा कि युवाओं का सर्वांगीण विकास राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी क्रम में राज्य सरकार शीघ्र ही युवा नीति लाने जा रही है। उन्होंने खेल एवं युवा मामलात् विभाग के अधिकारियों को इस नीति में युवाओं की आवश्यकताओं एवं आशाओं के दृष्टिगत प्रावधानों को समाहित करने के निर्देश दिए हैं। शर्मा ने कहा कि खेल नीति में खिलाड़ियों को बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर प्रोत्साहन देते हुए उन्हें संबल देने के विशेष प्रावधान किए जाएं। नीति के प्रावधान आकर्षक होने के साथ-साथ व्यवहारिक हों। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों के दस्तावेज सत्यापन के संबंध में एक नोडल विभाग के निर्धारण के निर्देश भी प्रदान किए। साथ ही, उन्होंने खिलाड़ियों से संबंधित सभी रिकॉर्ड्स के संधारण करने के लिए भी निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रस्तावित वैट अधिनियम और आबकारी कानून के संदर्भ में अधिकारियों को अन्य राज्यों में लागू कानूनों का अध्ययन करते हुए नवाचारों को समाहित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्टेट स्किल पॉलिसी में युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने संबंधी प्रावधान जोड़ने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य युवाओं में कौशल क्षमता का विकास करते हुए उन्हें प्रोत्साहित करना है, इसलिए नीति को रोजगारोन्मुखी बनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने राजस्थान कृषि विकास योजना, एग्रो प्रोसेसिंग नीति, लैंड एग्रीगेशन और मोनेटाइजेशन पॉलिसी, इंडस्ट्रियल पॉलिसी, गारमेंट एंड अपैरल पॉलिसी, राजस्थान वेयर हाउसिंग एंड लॉजिस्टिक पॉलिसी, डाटा सेंटर पॉलिसी, नई पर्यटन नीति, ट्रांसफर ऑफ इंडस्ट्रियल लैंड्स वैलिडेशन एक्ट एवं राजस्थान कोचिंग सेंटर कंट्रोल एंड रेगुलेशन बिल पर विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता कुलदीप रांका, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राइजिंग राजस्थान में किये 350 करोड़ रुपये के निवेश धरातल पर

जयपुर। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024 में निष्पादित किए गए एमओयू एक के बाद एक धरातल पर उतर रहे हैं। रीको द्वारा तीन और कम्पनियों इंडियन एक्सप्लोसिव्स प्राइवेट लिमिटेड, सनकाइंड फोटोवॉल्टेक्स प्राइवेट लिमिटेड और स्टेनवैक (सुपेरॉन ग्रुप) को औद्योगिक इकाई लगाने कें लिए भूखण्ड आवंटित कर दिए गए हैं। इनमें इंडियनेक्सप्लोसिव्स प्राइवेट लिमिटेड को भीलवाड़ा जिले के उखलिया सनकाइंड फोटोवॉल्टेक्स प्राइवेट लिमिटेड को आवंटित भूखण्ड औद्योगिक क्षेत्र, सनकाइंड फोटोवॉल्टेक्स प्राइवेट लिमिटेड को माथासुला औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर एवं स्टेनवैक को सालरपुर औद्योगिक क्षेत्र, भिवाड़ी में भूमि उपलब्ध करवाई गई है।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के दौरान इन तीनों कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने राज्य में निवेश करने में रूचि दिखाते हुए राज्य सरकार के साथ एमओयू किए थे। एमओयू के पश्चात् रीको ने भूमि आवटंन से लेकर परियोजना की शुरूआत तक, सभी प्रक्रियाओं को कम्पनियों के लिए बहुत आसान बनाया। भूखण्ड उपलब्ध होने के पश्चात्

- तीन कम्पनियां राज्य में करेंगी 350 करोड़ रुपये का निवेश

कम्पनियों द्वारा जल्द ही औद्योगिक इकाई के परिचालन का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। इंडियनेक्सप्लोसिव्स प्राइवेट लिमिटेड (ऑस्ट्रेलियाई बहुराष्ट्रीय कम्पनी की भारतीय सहायक कंपनी) को वेदांता की खदानों के पास ही भूमि की आवश्यकता होने के कारण भीलवाड़ा जिले के उखलिया औद्योगिक क्षेत्र में भूखण्ड आवंटन किया गया हैं।

इंडियनेक्सप्लोसिव्स प्राइवेट लिमिटेड 50 करोड़ रुपये के चरणबद्ध निवेशे व 10 एकड़ भूमि पर अपनी परिचालन प्रक्रिया शुरू करके रोजगार के नए अवसर उत्पन्न करेगी जो स्थानीय अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय योगदान होगा। इस नई इकाई का लक्ष्य राजस्थान में नॉइज टैक्नोलॉजी पर आधारित प्लांट के निर्माण पर होगा। यह तकनीक विशेष रूप से खनन सहित कई औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए आवश्यक है। कम्पनी विस्फोटकों, ब्लास्टिगं सिस्टम, खनन रसायनों और भू-तकनीकी निगरानी समाधानों की विश्व में अग्रणी निर्माता और आपूर्तिकर्ता है। ग्रीन टेक सेक्टर की कंपनी सनकाइंड फोटोवॉल्टेक्स प्राइवेट लिमिटेड माथासुला औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर में 10 एकड़ भूमि पर 200 कराडे का निवेश करने के साथ लगभग 800 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराएगी। राजस्थान में शुरू होने जा रही कम्पनी की यह नई इकाई भारत के साल 2030 तक 500 गीगावॉट के रिन्यू बलेनर्जी कैपेसिटी के लक्ष्य को प्राप्त करने में मील का पत्थर साबित होगी।

रीको के प्रबंध निदेशक इंद्रजीत सिंह ने बताया कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024 में कई बड़ी कम्पनियों ने राजस्थान में अपनी औद्योगिक इकाई लगाने के लिए एमओयू किए जो उनका राज्य सरकार एवं यहां की औद्योगिक नीतियों के प्रति अटूट विश्वास दर्शाता है। इसी विश्वास पर खरा उतरने के लिए रीको प्रयासरत है। हाल ही रीको ने इंजीनियरिंग, ग्रीन टेक सेक्टर एवं खनन क्षेत्र की तीन अग्रणी कम्पनियों को भूखण्ड आवंटित किए हैं। ये तीनों क्षेत्र ही ऐसे हैं जो राज्य ही नहीं देश के आर्थिक विकास के लिए भी मजबूत स्तम्भ साबित हो रहे हैं। जिन कम्पनियों ने एमओयू किए हैं, उन्हें भू खण्ड आवंटन हेतु रीको कटिबद्ध है।

सरकारी अधिवक्ताओं की नियुक्ति की नीतियां कोर्ट में पेश करें : हाईकोर्ट

जयपुर (कासं)। राज्य सरकार और कई सरकारी कॉर्पोरेशन जैसे रीको व रोडवेज तथा स्वायत्तशाषी संस्थाओं में पैनल लॉयर व सरकारी अधिवक्ता नियुक्त किये जाने को लेकर दायर जनहित याचिका पर बुधवार को राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस मामले में न्यायाधीश समीर जैन ने 17 जनवरी 2023 को आदेश दिए थे कि राज्य व केन्द्र सरकार अधिवक्ताओं की नियुक्ति से पहले अपनी-अपनी नीतियां कोर्ट के समक्ष पेश करें, क्योंकि याचिकाकर्ता शेख बाबरूद्दीन की याचिका में कहा गया था कि राजनैतिक हितों को देखते हुए अधिवक्ताओं की नियुक्ति की जाती है। इसमें योग्यता को देखते हुए कोई मैरिट व्यवस्था नहीं है।

इस मामले में न्यायाधीश समीर जैन ने अधिवक्ता शशांक अग्रवाल को नाम लेकर घोषित किया था और राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के तत्कालीन अध्यक्ष महेन्द्र शांडिल्य को भी अदालत की सहायता के लिए कहा था। बुधवार को सुनवाई के दौरान केन्द्र सरकार की ओर से एडिशनल सॉलिसीटर जनरल व वरिष्ठ अधिवक्ता आर.डी.रस्तोगी तथा राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद पैरवी के लिए पेश हुए थे। राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि राज्य सरकार अपनी नियुक्ति नीति जल्द ही अदालत में पेश कर देगी, परंतु कॉर्पोरेशन व स्वायत्तशाषी संस्थाओं की ओर से इस बारे में जवाब उन्हीं को देना पड़ेगा, क्योंकि यह संस्थाएं सीधे तौर पर सरकार के अधीन नहीं आती है। इस पर अदालत ने इस प्रकरण की सुनवाई चार सप्ताह बाद तय करते हुए केन्द्र व राज्य सरकार को जवाब पेश करने को कहा है।

सादगी से मनाया जायेगा वासुदेव देवनानी का जन्मदिन

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के जन्म दिवस की 76वीं वर्षगांठ पर चार दिवसीय कार्यक्रम होंगे। देवनानी का जन्मदिन जयपुर और अजमेर में 9 से 12 जनवरी तक मनाया जायेगा। इस मौके पर होने वाले विभिन्न कार्यक्रम सनातन संस्कृति के अनुरूप सादगी के साथ वैदिक परम्पराओं से आयोजित होंगे। हवन, पूजा, सुन्दरकाण्ड, आरती, कम्बल वितरण, गौ सेवा, मानव सेवा, अजमेर के जे.एल.एन अस्पताल को ट्रोली व व्हील चेयर वितरण और रक्तदान सहित अनेक कार्यक्रम इस दौरान आयोजित किये जाएंगे। देवनानी का जन्म दिवस 11 जनवरी को है। विधानसभाध्यक्ष के जन्मदिवस की वर्षगांठ पर 9 जनवरी को विधानसभा परिसर में स्थित श्रीविधानेश्वर शिव मंदिर में भक्तिभाव के साथ पवित्र सुन्दरकांड का संगीतमय पाठ का आयोजन विधानसभा के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किया जायेगा।

अनुसंधान अधिकारियों व थानाधिकारी के खिलाफ आपराधिक अभियोजन की कार्रवाई करे डी.सी.पी.

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर प्रथम ने स्कूली छात्राओं के एआई तकनीक से न्यूड फोटो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर अपलोड करने से जुडे मामले में चार किशोर आरोपियों को सशर्त जमानत पर रिहा करने को कहा है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में संदेहपूर्ण अनुसंधान करने पर मानसरोवर थाने के थानाधिकारी व प्रकरण में अब तक रहे अनुसंधान अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक अभियोजन और अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए डीसीपी दक्षिण को आदेश की कॉपी भेजी है।

पीठासीन अधिकारी तिरुपति कुमार गुप्ता ने अपने आदेश में कहा कि अनुसंधान अधिकारी ने दो अन्य आरोपियों के लिए अज्ञात कारणों से अलग पैमाना अपनाया है, जबकि चैट में इन दोनों ने भी अत्यंत भद्दी भाषा में न्यूड फोटोग्राफ की मांग की है और ग्रुप की गतिविधियों में सक्रिय सहयोग किया है। अदालत ने कहा कि 3 फरवरी, 2024 को एफआईआर दर्ज होने के करीब आठ माह बाद पीड़िता के धारा 161 के बयान और करीब दस माह बाद धारा 164 के बयान कराए, जबकि कानूनी प्रावधान है कि घटना के तुरंत बाद ही बयान दर्ज हो जाने चाहिए थे। ऐसा नहीं करना भी आईपीसी की धारा 166ए के तहत दंडनीय है। इसके अलावा एफआईआर के दिन पीडिता की उम्र की जानकारी मिलने के बाद भी दस माह तक पॉक्सो की धाराए नहीं लगाई। ऐसा करना भी पॉक्सो अधिनियम के तहत अपराध है।

अपील में अधिवक्ता प्रियंका पारीक ने अदालत को बताया की अपीलार्थी किशोर 14 दिसंबर, 2024 से अभिरक्षा में है। उन्हें अपने किए पर पश्चाताप भी है। उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। ऐसे में उन्हें जमानत पर रिहा किया जाए। इसके अलावा आईओ ने दो अन्य किशोरों को मामले में गवाह बना दिया, जबकि पीडित पक्ष ने उनका भी मामले में अलग-अलग रोल बता दिया गया था। जिसका विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कहा कि आरोपियों ने इंस्टाग्राम पर ग्रुप बनाया और एआई तकनीक से दो छात्राओं के न्यूड फोटो अपलोड किया। वहीं आरोपियों ने उस पर भद्दे कमेंट भी किए। इन्हें जमानत पर छोडा तो ये स्कूल का माहौल खराब करेंगे।

छात्रों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

जयपुर। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर में द्विदिवसीय राज्य स्तरीय चयन स्पर्धाओं का आयोजन 7 एवं 8 जनवरी को किया गया आगामी मार्च माह में आयोजित होने वाली अखिल भारतीय शास्त्रीय चयन स्पर्धा में भाग लेने के लिए योग्य प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तर पर किया जाता है। प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रत्येक राज्य के स्तर पर पहले प्रतियोगिता आयोजित होती है।

जेडीए प्रशासन कानून के दायरे में रहकर ही कार्रवाई करें : हाईकोर्ट

जयपुर। झालाना डूंगरी स्थित केसरगढ़ भवन और जयपुर विकास प्राधिकरण के बीच वर्ष 2002 से चल रहे विवाद में बुधवार को राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने कहा कि जे.डी.ए. प्रशासन इस प्रॉपर्टी पर कानून के दायरे से बाहर जाकर कोई कार्रवाई नहीं कर सकता। इसके लिए भवन मालिक को बाकायदा नोटिस जारी कर अन्य विधिक कार्रवाई पूरी की जाये।

गौरतलब है कि 25 फरवरी 2001 को नगर निगम के तत्कालीन अफसरों ने केसरगढ़ भवन के मालिक ठाकुर रघुनाथ सिंह को नोटिस जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि केसरगढ़ में कई दुकानों का निर्माण कराया गया है, परंतु

- केसरगढ़ भवन और जे.डी.ए. के बीच वर्ष 2002 से लंबित विवाद पर सुनवाई हुई

बिल्डिंग बायलॉज के मुताबिक तय सेटबैक नहीं छोड़ा गया। इस मामले में वर्ष 2001 में ही याचिकाकर्ता ने नगर निगम द्वारा किसी भी तरह की ध्वस्तीकरण कार्रवाई पर अंतरिम रोक के आदेश अदालत से प्राप्त कर लिए थे। इसके बाद अदालत ने वर्ष 12 जून 2001 को स्टे ऑर्डर जारी किया था। इसके बावजूद वर्ष 12-जून 2002 को करीब 1 साल बाद जेडीए के कुछ अधिकारी इस इमारत पर कार्रवाई करने पहुंच गए थे। जेडीए प्रशासन की इस मनमानी के विरोध में याचिकाकर्ता ने राज्य सरकार को भी पत्र लिखा और राजस्थाना हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जिस पर वर्ष 2002 से ही यथास्थिति बनाये रखने के आदेश थे।

इस मामले में राजस्थान हाईकोर्ट में बुधवार को पुन: सुनवाई हुई, परंतु जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने जे.डी.ए. प्रशासन को कोई राहत नहीं दी है। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि, झालाना डूंगरी स्थित केसरगढ़ भवन पर जे.डी.ए. प्रशासन कानून के दायरे से बाहर जाकर कोई कार्रवाई नहीं कर सकता। इसके लिए भवन मालिक को बाकायदा नोटिस जारी कर अन्य विधिक कार्रवाई पूरी की जाये।

'नौनिहालों की नींव मज़बूत करने के लिए आंगनबाड़ी महत्वपूर्ण'

जयपुर। धात्री महिलाओं तथा 6 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए सही पोषण सुनिश्चित करने, टीकाकरण, शाला-पूर्व शिक्षा जैसे अत्यन्त महत्वपूर्ण सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में प्रदेश की क़रीब 62000 आँगनबाड़ियों द्वारा निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन-सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास, को पूरा करने के लिए जरुरी है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे और यही हमारी सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए अब हम नवीनतम तकनीक, सॉफ्टवेयर तथा सरलीकृत प्रक्रियाओं को भी अपना रहे हैं।

मजदूर की हत्या करने वाला बदमाश कर्नाटक से गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। बगरू थाना पुलिस ने मजदूरी के रुपए मांगने पर मजदूर की हत्या करने आरोपित को दो हजार किलोमीटर पीछा कर कर्नाटक से गिरफ्तार कर जयपुर लाई है। आरोपी ने एक मजदूर के साथ इतनी मारपीट की जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि बगरू थाना पुलिस ने मजदूरी के रुपए मांगने पर मजदूर की हत्या करने आरोपित रामजीत सहनी निवासी श्यामपुर भटहा जिला शिवहर बिहार को कर्नाटक से गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी मोतीलाल शर्मा ने बताया कि तीन नवम्बर 2024 को बगरू थाना इलाके क्षेत्र में काम करने वाले एक मजदूर के साथ मारपीट की गई थी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था और जिसका इलाज के बाद घायल मजदूर को उसके साथी एम्बुलेंस से गांव लेकर जा रहे थे तो रास्ते में मजदूर की मौत हो गई।

इस पर मृतक के साथी शव लेकर उसके गांव बिहार चले गए। मृतक के परिजनों ने पिपराही थाना जिला शिवहर बिहार में अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मामाल दर्ज करवाया। जहां जानकारी मिलने पर पुलिस ने अपने स्तर पर घटना की जांच करना शुरू कर दिया और सौ से अधिक सीसीटीवी

गिरफ्तार आरोपी रामजीत सहनी

कैमरा चौक कर घटना की जानकारी ली गई।

पुलिस थाना पिपराही जिला शिवहर बिहार से जयपुर पुलिस को जीरो एफआईआर में पीडित ने बताया कि उसके पुत्र रम्भु साह उर्फ झब्बू साह को उसके गांव के रामजी साहनी व अन्य लोग बगरू

- बगरू थाना पुलिस ने करीब 2 हजार कि.मी. तक पीछा करके आरोपी को दबोचा

में अच्छा काम दिलाने के बहाने से बगरू लेकर आये तथा मजदूरी करवाई। मृतक के मजदूरी के रुपए मांगने पर शराब पीकर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। जिससे उसकी मौत हो गई। घायल को जब बिहार ले जाया जा रहा था, उस दौरान उसकी मौत हो गई । जिस पर रामजी साहनी व अन्य लोग रास्ते से उतर कर भाग गए। पुलिस ने आरोपी के सभी रिश्तेदारों एवं ठिकानों पर गोपनीय पुलिस टीम की अलग-अलग टीमों का गठन कर रेकी कराई। टीम ने योजनाबद्ध तरीके से तकनीकी आधार पर गोपनीय रूप से आरोपित का पीछा करते हुए आरोपी के समस्त ठिकानों पर रैकी की। पुलिस टीम को सूचना मिली की आरोपी दिल्ली में है। जिस पर एक टीम दिल्ली भेजी गई। टीम के दिल्ली पहुंचने से पहले ही आरोपी फरार हो गया। मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपी का पीछा करना शुरू किया, जिस पर पुलिस दो हजार किलोमीटर का सफर कर के बदमाश को कर्नाटक में पकड़ा।

राजस्थान विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर प्रतिभाओं का सम्मान किया

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के "79वें स्थापना दिवस" पर विश्वविद्यालय से अध्ययन कर राजकीय एवं ख्यातनाम संस्थाओं में विभिन्न पदों पर चयनित विद्यार्थियों तथा देश-विदेश एवं समाज में विभिन्न क्षेत्रों में अपना विशिष्ट योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित करने हेतु प्रतिभा सम्मान समारोह मानविकी पीठ समागार में आयोजित किया।

समारोह में मुख्य अतिथि केंद्रीय सचिव वी. श्रीनिवास एव ं विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र व भारतीय विदेश सेवा से सेवानिवृत्त डॉ. गौरी शंकर गुप्ता, पूर्व एम्बेसेडर एवं हाई कमिश्नर ऑफ इण्डिया रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.अल्पना कटेजा ने सभी अतिथियों का स्वागत कियोवं सभी प्रतिभावान विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों हेतु शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उनकी सफलता अन्य सभी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्पद है, जिनमें अद्भुत उपलब्धियाँ प्राप्त करने की अपार क्षमता एवं सम्भावनाएँ विद्यमान हैं।

समारोह में अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं, संगीत, एवं नाट्य क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित करने एवं वैज्ञानिक, न्यायिक व

राजस्थान विश्वविद्यालय के "79वें स्थापना दिवस" पर मानविकी पीठ समागार में मुख्य अतिथि केंद्रीय सचिव वी. श्रीनिवास एवं विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र व भारतीय विदेश सेवा से सेवानिवृत्त डॉ. गौरी शंकर गुप्ता, पूर्व एम्बेसेडर एवं हाई कमिश्नर ऑफ इण्डिया ने प्रतिभाओं का सम्मान किया। इस अवसर पर कुलपति अल्पना कटेजा मौजूद थी।

प्रशासनिक सेवाओं में चयनित कुल 150 प्रतिभावान विद्यार्थियों को उनकी विशिष्ट उपलब्धियों हेतु सम्मानित किया गया। जिनमें विश्वविद्यालय के विजुअल आर्ट्स विभाग की छात्रा अनुया प्रसाद को जर्मनी में आयोजित वर्ल्ड डेफ शूटिंग चैम्पियनशिपॅव में स्वर्ण पदक प्राप्त करने, गणित विभाग के 2 विद्यार्थियों का भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में तथा भौतिकशास्त्र विभाग के 2 विद्यार्थियों का भाभोटॉनोमिक रिसर्च सेन्टर में वैज्ञानिक के रूप में चयन होने, वाणिज्य संकाय की निकिता टंकर को चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट की ऑल इण्डिया परीक्षा में बीसवीं रैंक अर्जित करने, ललित कला संकाय के 2 विद्यार्थियों नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में चयन होने तथा राज्य स्तर पर आर.जे.एस. परीक्षा में द्वितीय रैंक के साथ यहाँ के 35 विद्यार्थियों का न्यायिक सेवा में व 15 विद्यार्थियों का सांख्यिकी सेवाओं में और ऐसे ही अनेक विद्यार्थियों का राज्य प्रशासनिक सेवाओं में चयन होने पर उनकी विशिष्ट उपलब्धियों हेतु सम्मानित किया गया।

'राजस्थान में 713 मतदान केन्द्र बढ़े'

जयपुर । राजस्थान में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) कार्यक्रम-2025 के तहत मतदाता सूचियों में नए नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन प्रक्रिया के दौरान बीते कुछ माह के दौरान बड़ी संख्या में नए लोगों और विशेषकर महिलाओं को पहली बार मतदाताओं के रूप में पंजीकृत किया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने एसएसआर-2025 के तहत प्रदेश के सभी 200 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए प्रकाशित अंतिम एकीकृत मतदाता सूचियों के विषय में राजस्थान में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन सूचियों के अनुसार, राज्य में मतदाताओं की कुल संख्या में 10 लाख 89 हजार 723 की वृद्धि के साथ ही मतदान केन्द्रों की संख्या भी बढ़ गई है। मतदाताओं की संख्या बढ़ने के क्रम में निर्वाचन विभाग ने प्रदेश में मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन किया है। अब प्रदेश में कुल मतदान केन्द्र 52,469 हो गए हैं।

राजस्थान में 21 दिन चलेगा "दूध का दूध-पानी का पानी" अभियान

जयपुर । आम उपभोक्ताओं को दूध और दूध से बने उत्पादों की गुणवत्ता और स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के लिये राजस्थान को-ऑपरटिव डेयरी फैडरेशन द्वारा राज्यभर में "दूध का दूध-पानी का पानी" अभियान चलाया जायेगा। अभियान की शुरुआत 10 जनवरी से होगी, जो 21 दिन यानि 30 जनवरी तक चलाया जायेगा। इस दौरान राज्यभर की सरस डेयरियों द्वारा उनके कार्यक्षेत्र में लगाये जाने वाले जांच शिविरों में उपभोक्ताओं को दूध की ऑन द स्पॉट जांच कर हाथों हाथ प्राथमिक जांच परिणाम भी बता दिये जायेंगे।

राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन की प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज ने बताया कि ऐसा पहली बार होगा कि राज्यभर में आरसीडीएफ से सम्बद्ध सभी सरस डेयरियों में एकसाथ दूध का दूध, पानी का पानी अभियान के अन्तर्गत आम उपभोक्ताओं द्वारा लाये गये दूध के सैम्पल्स की नि:शुल्क जांच कर उपभोक्ताओं को निर्धारित समयावधि में जांच परिणाम से अवगत कराया जायेगा।

उन्होंने बताया कि उपभोक्ता अभियान की अवधि के दौरान राज्यभर की सरस डेयरियों में उनके द्वारा उपयोग में लाये जा रहे दूध अथवा दूध से बने अन्य उत्पादों के सैम्पल नि:शुल्क जांच हेतु किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय समय में दे सकते हैं। उपभोक्ता जांच हेतु खुला दूध अथवा किसी भी ब्राण्ड का दूध दे सकते हैं। समबद्ध जिला दुग्ध संघ की गुणवत्ता नियन्त्रण प्रयोगशाला द्वारा विभिन्न मानकों पर सैम्पल्स की नि:शुल्क जांच कर उपभोक्ताओं को दी गई निर्धारित समयावधि में जांच परिणाम से अवगत कराया जायेगा। जांच प्रक्रिया के दौरान दूध में मौजूद पानी की मात्रा, मिलावट और उपलब्ध पोषक तत्वों की जांच की जावेगी।

सेना में अग्निवीर बनने के लिए सर्द हवाओं व कड़ाके की ठंड में फिजिकल टेस्ट

बीकानेर,(कासं)। कड़ाके की सर्दी के बीच सेना में अग्निवीर बनने के लिए युवाओं को कठिन शारीरिक परीक्षा देनी होगी। सुबह-सवेरे दौड़ लगानी होगी। इसके अलावा आंख-कान के सही होने के प्रमाण देने होंगे।

सेना भर्ती के लिए बीकानेर में 1 से 9 फरवरी तक हजारों की संख्या में युवा पहुंचेंगे। इस दौरान युवाओं को सर्दी से बचाने के लिए बीकानेर नगर निगम न सिर्फ हीटर की व्यवस्था करेगा बल्कि ब्लोअर भी लगायेगा। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के स्टेडियम में 1 से 9 फरवरी तक सेना भर्ती रैली हो रही है।

इस भर्ती में बीकानेर और आसपास के दस जिलों के युवा शामिल होंगे। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) रमेश देव ने बताया कि विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय से भर्ती संबंधित समस्त व्यवस्थाओं का मौका निरीक्षण करते हुए तैयारियों को समय पर पूर्ण करेंगे। सर्दी के मौसम को देखते हुए नगर निगम हीटर व ब्लोवर कार्यक्रम स्थल पर उपलब्ध करवाए। नगर निगम एवं यूआईटी को परीक्षा स्थल व ट्रैक की सफाई, मोबाइल टॉयलेट, फायर ब्रिगेड, पार्किंग व लाइट की व्यवस्था, आवश्यकता अनुसार टेबल व कुर्सियां, टैंट तथा जनरेटर सैट से संबंधित संपूर्ण व्यवस्थाएं करेंगे।

अग्निवीर भर्ती रैली स्थल पर जरूरी व्यवस्थाएं करने के संबंध में चर्चा करते हुए अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) रमेश देव।

- सर्दी के मौसम को देखते हुए नगर निगम हीटर व ब्लोवर रैली स्थल पर उपलब्ध करवायेगा
- 1 से 9 फरवरी तक आयोजित होगी सेना भर्ती रैली

एडीएम ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्टेडियम के बाहर और भीतर आवश्यक जाब्ता तैनात करने के साथ रेलवे स्टेशन, रोडवेज बस स्टैण्ड, टेम्पो स्टैण्ड, धर्मशालाओं में भी सुरक्षा प्रबंध किए जायेंगे। भर्ती रैली स्थल के पास यातायात की पुख्ता व्यवस्था परिवहन, रोडवेज एवं यातायात विभाग द्वारा की जायेगी। परीक्षार्थियों के आवागमन की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए अतिरिक्त बसों की व्यवस्था तथा ऑटो रिक्शा होंगे।

पीडब्लयूडी और जिला खेल अधिकारी निर्धारित मापदंड के अनुसार रैली ट्रैक तैयार करेंगे व हाई जंप के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध करवायेंगे। शिक्षा विभाग की ओर से स्टेडियम मैदान में अनुभवी व्याख्याता को शैक्षणिक प्रमाण पत्रों एवं दस्तावेजों के सत्यापन करने के लिए नियुक्त किए जा रहे हैं। उरमूल डेयरी की ओर से भर्ती स्थल पर पीने के पानी के लिए टैंकर की व्यवस्था की जायेगी। विद्युत विभाग रैली व अन्य स्थलों पर बिजली और पीडब्लयूडी सप्लाई लाइन का निरीक्षण करेंगे। इस संबंध में आयोजित बैठक में भर्ती रैली स्थल पर जरूरी व्यवस्थाएं करने के संबंध में चर्चा करते हुए समस्त अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। बैठक में एआरओ झुंझुनूं के निदेशक कर्नल विकास सिरोही, नगर निगम उपायुक्त यशपाल आहूजा, जिला परिवहन अधिकारी भारती नैथानी, जिला खेल अधिकारी श्रवण भांभू सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

वहीं इंडियन एयर फोर्स ने अग्निवीर वायु भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू कर दिए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 27 जनवरी है। आवेदक की शैक्षणिक योग्यता 12वीं में न्यूनतम 50 फीसदी अंक है।

अंग्रेजी में 50 फीसदी से अधिक अंक होने चाहिए। अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 17.5 वर्ष से कम और अधिकतम 21 वर्ष से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। आरक्षित श्रेणी से आने वाले उम्मीदवारों को नियमानुसार छूट प्रदान की गई है।

मंगला पशु रजिस्ट्रेशन 12 तक

बीकानेर, (कासं)। इस योजना का लाभ उठाने के लिए सभी किसानों को इसका रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। रजिस्ट्रेशन से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी किसान योजना का लाभ उठा सकें और उन्हें सरकारी सहायता और सुविधाओं का सही तरीके से वितरण किया जा सके।

मंगला पशु योजना का रजिस्ट्रेशन अब आसान तरीके से ई-मित्र केंद्र पर किया जा सकता है। किसान ई-मित्र केंद्र पर जाकर इस योजना के लिए रजिस्ट्रेशन करवाएं।

इसके लिए जन आधार कार्ड, खाता संख्या और आईएफएससी कोड, पशु के कान में लगे टैग का नंबर या उसका साफ सुथरा फोटो जिसमें टैग नंबर दिखते हो, किसान ओर पशु का सामूहिक फोटो, मोबाइल नंबर जो जन आधार में लिंक किया हुआ हो।

बीकानेर राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री मंगला पशु योजना की शुरूआत की है, जिसका उद्देश्य किसानों को अपने पशुधन की सुरक्षा, पोषण और संपूर्ण कल्याण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

ब्लॉक वेटरनरी हेल्थ ऑफिसर, बीकानेर डॉ. ओपी पड़िहार ने बताया कि सभी लखपति दीदी कार्ड धारक,गोपाल क्रेडिट कार्ड और जनाधार कार्ड धारकों से आव्हान किया कि अधिकाधिक पशु बीमा के लिए 12 जनवरी से पहले रजिस्ट्रेशन करवा लें। इसके बाद नहीं होंगे।

सार-समाचार

बाल अधिकार की जानकारी दी

जिला बाल श्रमिक तथा बंधक श्रमिक सतर्कता समिति की समीक्षा को एडीएम (नगर) रमेश देव ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। जिला बाल संरक्षण इकाई एवं जिला बाल श्रमिक तथा बंधक श्रमिक सतर्कता समिति की समीक्षा बैठक बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) रमेश देव ने बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए संबंधित अधिकारियों को सक्रिय होकर समन्वय से काम करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पुनर्वास गृह में निवासरत बच्चों के आधार कार्ड व अन्य प्रमाण पत्र बनाए जाने के लिए शीघ्र कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने कहा कि पुनर्वास गृह में आश्रित बच्चों के आवश्यक दस्तावेज तैयार कर, शिक्षा से वंचित बच्चों को नए शैक्षणिक सत्र से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि बाल देखभाल गृहों में रह रहे बालकों की अच्छी तरह से काउंसलिंग की जाए, जिससे कि बच्चों को कम से कम समय में उनके घर फिर से भेजा जा सके। एडीएम ने बालश्रम और भिक्षावृत्ति की रोकथाम के लिए गठित समिति के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को कहा कि बालश्रम की रोकथाम के लिए रोजगार प्रदाताओं से वचन पत्र भरवाए जाएं। साथ ही शहर के बाहरी क्षेत्रों में बाल श्रम रोकने हेतु निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन,पुलिस चौकी एवं मुख्य बाजारों में बाल श्रम निषेध के पोस्टर चस्पा करने सहित चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर के साइन बोर्ड लगवाने के निर्देश दिए। उन्होंने समिति के सभी सदस्यों को शहर के वांछित स्थानों पर नशाखोरी, बाल श्रम, बाल विवाह के विरुद्ध जागरूक करने के उद्देश्य से अभियान जारी रखने को कहा। बैठक में संयुक्त श्रम आयुक्त प्रदीप कुमार, महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक सुभाष बिश्नोई, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष एडवोकेट जुगल किशोर व्यास, बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक मुरारी लाल मीना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

टी.बी. कैम्पेन पुस्तक का विमोचन

हनुमानगढ़ कलेक्टर कानाराम ने सौ दिवसीय टी. बी. कैम्पेन पुस्तक का विमोचन किया।

हनुमानगढ़, (कासं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में सौ दिवसीय टीबी कैम्पेन के तहत आयोजित टीबी स्क्रीनिंग शिविर में अब तक किए गए कार्यों की रिपोर्ट को पुस्तक के रूप में संकलित किया गया। जिसका जिला कलेक्टर कानाराम ने आज विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत शर्मा, टीबी कार्यक्रम प्रभारी डॉ. मुकेश शेखावत, नई दिल्ली से डब्लयूएचओ के डॉ. मनोज कुमार एवं बीकानेर संभाग से डॉ. सुधांशु मोदी, अल्केश कुमार आदि उपस्थित रहे। जिला कलेक्टर कानाराम ने पुस्तक का अवलोन किया तथा टीबी स्क्रीनिंग शिविर के बारे में अब तक हुए कार्यों की जानकारी ली। जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए टीबी कार्यक्रम के तहत आयोजित शिविरों की रोजाना मॉनिटरिंग कर वुलनरेबल पापुलेशन की अधिक से अधिक स्क्रीनिंग की जायेगी। शिविर में ब्लड प्रेशर, शुगर के मरीज या दो साल से अधिक टीबी के मरीजों की एक्स्रे व अन्य जांचें की जाए। मोबाइल मेडिकल वैन के माध्यम से आयोजित शिविरों में सक्रियता से कार्य करें ताकि अधिक से अधिक लोग शिविर में पहुंच पाए। शिविर से पूर्व कैम्प के बारे में क्षेत्र में प्रचार-प्रसार करवाया जाए ताकि शिविर से ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग पहुंच पाए।

नए अध्यक्ष पारीक का स्वागत

नोखा, (कासं)। भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष गंगाराम पारीक का नोखा के जोरावरपुरा में पार्षद जेठूसिंह राजपुरोहित के आवास पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस अवसर पर नगर पालिका पार्षद जेठू सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने जमीन से जुड़े हुए कार्यकर्ता को शहर मंडल अध्यक्ष का दायित्व सौंपा है। उसी के अंतर्गत शहर अध्यक्ष के पद पर एक आम कार्यकर्ता गंगाराम पारीक को शहर मंडल अध्यक्ष बनाकर पार्टी ने अपने संविधान में किए गए वादों को निभाया है। स्वागत कार्यक्रम में नव निर्वाचित अध्यक्ष गंगाराम पारीक ने कहा कि वह पार्टी के सभी ज्येष्ठ और श्रेष्ठ नेताओं को साथ लेकर नोखा में भाजपा को आगे बढ़ने का कार्य करेंगे और प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए हरसंभव मदद के लिए तैयार मिलेंगे। इस अवसर पर बनवारी पारीक, शिव मांझू, पूनमचंद, शिव व्यास, नरेन्द्र चौहान सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

समीक्षा बैठक 13 को

बीकानेर, (कासं)। प्रधानमंत्री के 15 सूत्री कार्यक्रम की प्रगति समीक्षा बैठक 13 जनवरी को प्रात: 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर श्रीमती नम्रता वृष्णि की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी राजेश कुमार कालवा ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को अल्पसंख्यक समुदाय के लिए संचालित योजनाओं के लक्ष्यों की प्रगति रिपोर्ट और अविलंब उपलब्ध करवाने का आग्रह किया है।

बंदियों ने 20 मिनट में दिखाई जेल की जिंदगी

बीकानेर, (कासं)। जेल में बंदियों को काम और उसका मेहनताना देने के लिए नई इंडस्ट्री पनपा रहे हैं। इससे बंदी अपना समय काम में लगाने के साथ ही कमाई करने पर लगे हैं जिसकी राशि बाहर जाने पर उनके पुनर्वास में काम आयेगी।

बीकानेर आए जेल एडीजी रूपिन्दर सिंघ ने रविन्द्र रंगमंच में पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि जेल इंडस्ट्री को अपग्रेड कर रहे हैं। नई इंडस्ट्री में नए प्रोडक्ट तैयार किए जाने लगे हैं जिनमें साबुन, फिनाइल आदि शामिल है। अब हैंडलूम की बजाय पॉवरलूम पर काम किया जाने लगा है। बीकानेर जेल में आर्ट एंड क्राफ्ट का अच्छा काम हो रहा है। कालीन बनाने का काम फिर से शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। पआरएसी के जवानों को तैनात किए जाने से बेहतर परिणाम सामने आए हैं। इससे जेल प्रशासन पर काम का दबाव कम हुआ है।

प्रदेश की जेलों में स्टाफ की समस्या रहती है। इसे दूर करने के लिए 803 प्रहरी और 70 डिप्टी जेलर की भर्ती की जा रही है। एडीजी ने कहा कि देशभर में खुला बंदी शिविर में राजस्थान पहले नंबर पर है। जल्दी ही इनकी संख्या में और बढ़ोतरी होगी। जेल में बंदियों के पास मोबाइल, जेल में जैमर, हार्डकोर अपराधियों का गिरोह बनाकर काम करना, उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चैलेंज बढ़ रहे हैं। वैसे-वैसे जेल महकमा भी अपनी क्षमता, साधन-संसाधन बढ़ा रहा है। इससे पहले गृह विभाग की संयुक्त सचिव पूजा पार्थ और एडीजी ने बीकानेर केन्द्रीय कारागृह का निरीक्षण किया। बंदियों और जेल स्टॉफ से बातचीत की। जेल के खुला शिविर बंदियों ने आर्केस्ट्रा और ब्रास बैंड की स्वर लहरियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मेरे देश की धरती.. रंग शरबतों का... चलते-चलते मेरे ये ...' जैसे गीतों और उन पर वाद्य यंत्रों की धुनों ने दर्शकों का मन मोह लिया। ब्रासबैंड और आर्केस्ट्रा ने संयुक्त रूप से राजस्थानी गीत पेश किए। केन्द्रीय कारागृह की ओर से बंदियों के इस मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम को 'आशाएं' नाम दिया गया।

कार्यकम में मुख्य अतिथि रूपिन्दर सिंघ और विशिष्ट अतिथि संयुक्त सचिव गृह पूजा पार्थ थीं। दोनों अतिथियों के साथ ही बीकानेर रेंज के आई ओमप्रकाश ने भी अपने विचार रखे और बंदियों की कला को सराहा। जेल अधीक्षक सुमन मालीवाल ने प्रतिवेदन पढ़ा। कार्यक्रम का संचालन संजय पुरोहित ने किया। प्रस्तुति देने वाले बंदी पुरस्कार दिया गया और कार्यक्रम के सहयोगियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान बीडीए सचिव अपर्णा गुप्ता, जिला परिषद सीईओ सोहनलाल, एसपी कावेन्द्र सिंह सागर, बीएसएफ डीआईजी अजय लूथरा मौजूद थे।

- बीकानेर जेल में आर्ट एंड क्राफ्ट का अच्छा काम हो रहा है। कालीन बनाने का काम फिर से शुरू करने पर विचार किया जा रहा है

साइबर अपराध की जानकारी दी

बीकानेर, (कासं)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की ओर से अंतर जिला युवा आदान प्रदान कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रभात फैरी निकली गई और उदासर के राम मंदिर में स्वच्छता एवं श्रमदान किया गया।

बुधवार के कार्यकम में मुख्य अतिथि के रूप साइबर अपराध नियंत्रण पुलिस थाना की एसआई संजू रानी बिश्नोई थी। उन्होंने साइबर सिक्योरिटी से संबंधित जानकारी दी व जन जागरूकता की अपील की। साइबर सिक्योरिटी पुलिस विभाग के प्रोग्रामर शिवकुमार शर्मा ने संचार साथी पोर्टल के बारे में बताया व साइबर ठगी के शिकार हुए लोगों की कहानियों के माध्यम से युवाओं को जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से बचने के लिए तीन प्रकार के नियम बताए गए हैं। इनमें थोड़ा रूकें, फिर सोचें और फिर निर्णय लेवें प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया ऐप पर पार्ट टाइम जॉब के झांसे में न आएं। अपने मोबाइल फोन में एंटी वायरस इंस्टॉल करके रखें। अपने ईमेल या अन्य सोशल मीडिया ऐप के पासवर्ड मजबूत रखें।

'गिव अप' अभियान में 6 हजार ने नाम हटवाए

बीकानेर, (कासं)। खाद्य सुरक्षा योजना के तहत अपात्र परिवारों का स्वेच्छा से नाम हटाने के लिए चलाए जा रहे गिव अप अभियान के तहत जिले में अब तक लगभग 6 हजार लोगों ने स्वेच्छा से लाभ परित्याग किया है।

जिला रसद अधिकारी-द्वितीय भागूराम महला ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आमजन में जागरूकता बढ़ने से योजना से जुड़े सक्षम व्यक्ति अपना नाम हटाने के लिए आगे आ रहे हैं। अभियान की महत्ता समझते हुए अपात्र परिवारों ने अपना आवेदन पत्र कार्यालय में जमा करवा रहे हैं। राज्य सरकार के निर्देशानुसार चलाए जा रहे इस 'गिव अप अभियान' के तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा की सूची में शामिल लाभार्थी स्वेच्छा से अपना नाम हटवा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि 31 जनवरी 2025 के पश्चात स्वेच्छा से नाम ना हटाने वाले अपात्र लाभार्थियों के विरुद्ध अभियान चलाया जायेगा।

जिला रसद अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा की सूची में शामिल ऐसे सक्षम लाभार्थियों को चेतावनी दी गई हैं। ऐसे अपात्र परिवारों को 31 जनवरी 2025 तक स्वेच्छा से नाम हटवाने का मौका दिया जा रहा है। उसके बाद अपात्र लोगों के विरूद्ध राशि वसूली एवं विधिक कार्रवाई की जायेगी। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना का असल उद्देश्य गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सुरक्षा कवच प्रदान करना है।

जिला रसद अधिकारी ने बताया कि सक्षम परिवारों को नाम हटवाने के लिए 31 जनवरी तक निकटतम उचित मूल्य दुकानदार के माध्यम से प्रार्थना पत्र मय राशनकार्ड एवं आधार कार्ड के जिला रसद अधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत करने का पुन: अनुरोध किया जा रहा है।

- 31 जनवरी तक स्वेच्छा से हटाए नाम वरना अपात्र लाभार्थियों के विरुद्ध चलेगा अभियान

धूप से मिली राहत, शीतलहर से गलन

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले के अधिकांश हिस्सों में कोहरे का असर कम रहा। सुबह करीब 8 बजे से ही सूरज नजर आने लगा। धूप निकलने से दिन में सर्दी से राहत मिलने की संभावना नजर आ रही है। हालांकि सुबह धूप का सर्दी पर बड़ा असर नहीं दिखाई दिया।

हवा चलते रहने से सर्दी तेज रही और लोग कंपकंपाते हुए सड़कों पर निकले। धूप निकलने से सड़कों पर लोगों की आवाजाही अपेक्षाकृत ज्यादा रही। सुबह 9 बजे के आसपास शहर की सब्जी मंडी और मुख्य बाजार में भी लोगों की गतिविधियां नजर आने लगी। सुबह की ट्रेनों और बसों में भी सवारियों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक रही।

आमतौर पर कोहरे के चलते सुबह सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। इक्का दुक्का लोग ही नजर आते हैं लेकिन बुधवार को सुबह 8 बजे तक सड़कों पर लोग नजर आने लगे। इससे पहले भी मौसम साफ रहा था। धूप नकलने से अधिकतम तापमान 21.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, वहीं न्यूनतम तापमान अब भी 7.8 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है। मौसम एक्सपर्ट बताते हैं कि अगले 24 घंटे में तापमान एक से डेढ़ डिग्री तक बढ़ सकता है।

आंगनबाड़ी बच्चों का अवकाश

हनुमानगढ़, (कासं)। वर्तमान में प्रदेश में शीतलहर के प्रकोप के मद्देनजर आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए 11 जनवरी, तक अवकाश घोषित किया गया है।

जिला कलेक्टर कानाराम ने बताया कि यह निर्णय बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। समस्त मानदेयकर्मी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर निर्धारित समय में नियमित रूप से उपस्थित रहेंगे और अन्य आवश्यक कार्य यथावत संपादित करेंगे। अवकाश अवधि के दौरान बच्चों को देय पूरक पोषाहार टेक होम राशन के रूप में वितरित किया जायेगा। इसके साथ ही, पोषण ट्रेकर पर दैनिक एंट्री सुनिश्चित की जायेगी।

मांगों को लेकर रेल कर्मचारियों का धरना-प्रदर्शन

बीकानेर, (कासं)। नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलायज यूनियन के आव्हान पर मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय बीकानेर के मुखय द्वार पर रेल कर्मचारियों की विभिन्न बकाया मांगों के लिए एवं मजदूर विरोधी नीतियों के विरोध में प्रदर्शन किया गया ।

विजय श्रीमाली जोनल उपाध्यक्ष एव ब्रजेश ओझा जोनल उपाध्यक्ष ने अपने संयुक्त उद्बोधन में कहा कि केंद्र सरकार जल्द आठवें वेतन आयोग का शीघ्र गठन करें जिससे विभिन्न कैटेगरी को समय पर बेतरीन स्केल के साथ भत्तों में यथोचित वद्धि हो सके। ट्रैकमेन्टर के लिए कैरियन उन्नयन के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा 29 नवम्बर 2024 को गठित कमेटी पर शीघ्र सकारात्मक कार्यवाही की जाए। इंटेक कोटे के शीघ्र क्रियान्वयन हो, लेवल 6, पैट्रोलिंग, चाबी वाले से संबंधित मुद्दों पर शीघ्र ही कार्यवाही हो और सकारात्मक निर्णय हो।

यूपीएस के अंतर्गत आवश्यक सुधार जल्द करके ओपीएस के समान सभी लाभ प्रदान किया जाये। कैरिज एवं वैगन विभाग एवं विद्युत कोचिंग विभाग को मर्ज करने से कर्मचारियों मे भारी रोष है। प्रदर्शन मे ये मांग की गई इसे तुरंत पहले की भांति किया जाये। कोविड के दौरान कर्मचारियों के रोके हुए डीए का तुरंत भुकतान किया जाए।

रनिंग स्टाफ के महंगाई भत्ता 50 फीसदी हो जाने के उपरांत किलोमीटर भत्तों में अन्य भत्तों के समान वद्धि संबधी आदेश को शीघ्र जारी किया जाए। कॉम. गणेश वशिष्ठ एवं अंसार अहमद ने कहा एक तरह रेल प्रशासन यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर करें।

- आठवें वेतन वृद्धि सहित अन्य मांगें

सीमावर्ती क्षेत्रों में नशे की तस्करी रोकने के लिए समन्वय से कार्य करें एजेंसियां : मंजू

श्रीगंगानगर, (कासं)। नार्को कोर्डिनेशन सेंटर तंत्र की जिला स्तरीय कमेटी की बैठक बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान जिला कलेक्टर ने सीमावर्ती क्षेत्रों में मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के साथ-साथ जिले में नशा मुक्ति के लिये समुचित रूप से प्रभावी कार्यवाही करने और नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान में आमजन की सहभागिता और जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिये।

आरम्भ में जिला कलेक्टर द्वारा गत बैठक में दिये गये निर्देशों की पालना कार्यवाही की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या को दूर करने के लिये जन जागरूकता के साथ-साथ समस्त विभागों की सहभागिता आवश्यक है। सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने स्वास्थ्य विभाग की ओर से की गई कार्यवाही और गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि नशा मुक्ति के लिये विभिन्न स्तर पर कार्यक्रम जारी हैं। साइकाइट्रिक क्लीनिक और डी-एडिक्शन सेंटर में सीसीटीवी कैमरे, काउंसलर, स्टाफ आदि की नियमित रूप से जांच कर इनमें उपलब्ध सुविधाओं, दवाओं के रिकॉर्ड का भी अवलोकन किया जा रहा है। नशा छोड़ने के लिये आमजन को जागरूक करने के साथ-साथ नशा छोड़ने वालों का नियमित रूप से फॉलोअप किया जा रहा है।

गंगानगर कलेक्टर डॉ. मंजू ने नार्को कोर्डिनेशन सेंटर तंत्र की बैठक को संबोधित किया।

राजकीय जिला चिकित्सालय के नशा मुक्ति वार्ड के माध्यम से नशा छोड़ने के लिये आने वाले रोगियों को समुचित उपचार सुविधा दी जा रही है। इसके बाद उनका भी फॉलोअप कर उन्हें नशा मुक्त रहने के लिये प्रेरित किया जा रहा है। सीमावर्ती गांवों में पर्याप्त निगरानी रखने और मुख्य स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने पर चर्चा के दौरान जिला कलेक्टर द्वारा आवश्यक कार्यवाही के लिये जिला परिषद को निर्देश दिए।

मेडिकल स्टोर्स संचालन की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर ने औषधि नियंत्रक विभाग को निर्देश दिये कि अनियमितता पाने पर मेडिकल स्टोर्स के लाईसेंस निरस्त किये जाते हैं। उनके द्वारा पुन: संचालन के लिये आवेदन करने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाये। साथ ही मेडिकल स्टोर्स पर प्रतिबंधित घटक दवाओं की बिक्री न हो, इसके लिये विभाग द्वारा नियमित रूप से औचक कार्यवाही की जाये।

बैठक में जिला कलक्टर एवं डीआईजी पुलिस गौरव यादव ने सीमावर्ती क्षेत्रों में मादक पदार्थों की तस्करी पर नियंत्रण के लिये अब तक हुई कार्यवाहियों की समीक्षा करते हुए कहा कि समस्त एजेंसियां आपसी तालमेल से तस्करी पर रोक लगायें। सीमा पार से आने वाले नशीले पदार्थों और इनमें संलिप्त अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाये। नशीली दवाओं का निर्माण करने वाली कम्पनियों की भी जांच कार्यवाही की जाये ताकि इनकी बिक्री और उपयोग पर रोक लगाई जा सके।

- नार्को कोर्डिनेशन सेंटर तंत्र की बैठक में कलक्टर ने ये निर्देश दिए

सड़क दुर्घटना के समय तुरंत देने वाले उपचार की जानकारी दी

बीकानेर, (कासं)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 01 जनवरी से 31 जनवरी 2025 के अन्तर्गत जिला प्रशासन, पुलिस, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग, बीकानेर द्वारा लगातार सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में जिला प्रशासन, पुलिस, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग, थर्ड आरएसी बटालियन एवं चिकित्सा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा से संबंधित बेसिक लाइफ सपोर्टिंग ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन थर्ड आरएसी परिसर में किया गया। कार्यक्रम में पीबीएम हास्पिटल, ट्रोमा सेंटर के इंचार्ज डॉक्टर एल के कपिल एवं सीनियर नर्सिंग ऑफिसर मेवा सिंह द्वारा सड़क दुर्घटना के समय तुरंत देने वाले विभिन्न उपचारों जैसे बीएलएस, सीपीआर, गुड सेमेरिटन के कर्तव्य एवं अधिकार, आयुष्मान भारत योजना के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) कैलाश दान सांधू द्वारा आमजन एवं जवानों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की पालना के लिए प्रोत्साहित किया गया। थर्ड आरएसी बटालियन कमाण्डेंट सीमा हिंगोनिया द्वारा जवानों को चिकित्सकों द्वारा दिए गए बेसिक लाइफ सपोर्टिंग से संबंधित निर्देशों को आगे बढ़कर पालना करने के लिए कहा गया। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले आरसी जवानों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। साथ ही थर्ड आरएसी बटालियन कमाण्डेंट सीमा हिंगोनिया मौजूद थी।

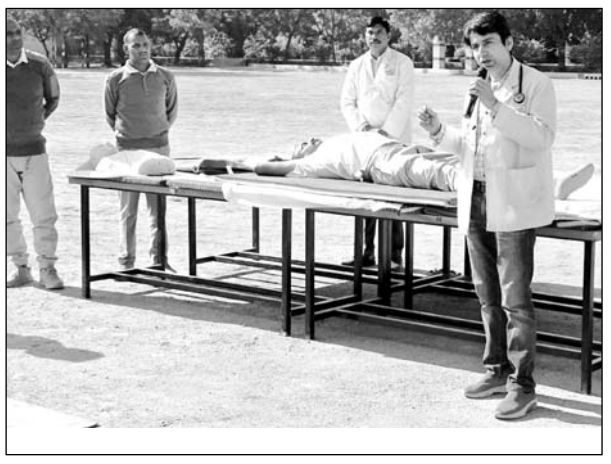

डॉ. एल. के. कपिल ने सड़क दुर्घटना के समय तुरंत देने वाले उपचार की जानकारी दी।

मुझे लगता है कि एसए-20 से वह अंतर कम किया जा सकता है। इससे हमारे खिलाड़ियों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिल रहा है। टीमों के पास शानदार कोच और फिजियो हैं।' - ग्रीम स्मिथ

एसए-20 लीग के कमिश्नर, दक्षिण अफ्रीका टीम के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

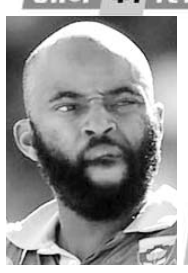

टेम्बा बावुमा

दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा ऑलटाइम हाई रेटिंग पर पहुंच गए। उन्हें रैंकिंग में 3 स्थानों का उछाल मिला। वह अब 769 रेटिंग पॉइंट्स के साथ नंबर-6 पर पहुंचने में कामयाब हो गए। बावुमा की कप्तानी में ही साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को लगातार दो टेस्ट मैच हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह पक्की की। ज्ञात हो तेम्बा बावुमा का जन्म 17 मई, 1990 को हुआ था। वे दक्षिण अफ्रीकी अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेटर है। जो टेस्ट व एकदिवसीय क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम में है। वे दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत टी-20 इतिहास में एक कैलेंडर वर्ष में 200 छक्के लगाने वाली पहली टीम बन गई, ऐसा उसने 2024 में किया।

युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने किया राज्य स्तरीय युवा महोत्सव 2025 का शुभारम्भ

चुनौतियां का सामना कर उन्हें परास्त करना ही चैम्पियन की पहचान : राठौड़

जयपुर, 8 जनवरी। युवा मामले एवं खेल मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन और नेतृत्व में राज्य मंत्री के.के. विश्नोई की गरिमामयी उपस्थिति में एसएमएस स्टेडियम, जयपुर में राज्य स्तरीय युवा महोत्सव 2025 का शुभारंभ कर समस्त युवाओं एवं खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार थीम पर आधारित युवा महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक और खेल प्रतियोगियों का आयोजन होगा। जहां ग्रामीण स्तर तक चयनित होकर आए प्रतिभागी युवाओं को इसमें अपना हुनर दिखाने का सुनहरा अवसर मिलेगा। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, चुनौतियों का सामना कर उन्हें परास्त करना ही चैंपियन की पहचान है। हमारी युवा शक्ति में लक्ष्य हासिल करने की क्षमता है। युवाओं को सफलता और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सभी अवसर प्रदान करने के लिए हम सभी प्रतिबद्धत हैं। देश की सांस्कृतिक समृद्धि का महत्वपूर्ण स्त्रोत है बहुरंगी कलाएं। भावी पीढ़ी, अपनी संस्कृति के जिस स्वरूप को देखती है उसी के अनुरूप अपने जीवन के नये मूल्यों का निर्माण करती है। इसलिए हम सबकी जिम्मेदारी है कि बच्चों को अनुभव आधारित शिक्षा के द्वारा, हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विविधता से जोड़े और एक भारत-श्रेष्ठ भारत के गौरवशाली दृष्टिकोण से परिचित और प्रेरित कराएं।

सीनियर नेशनल वालीबॉल चैम्पियनशिप

कर्नाटक ने राजस्थान को 3-1 से हराया

जयपुर, 8 जनवरी। जयपुर में आयोजित हो रही सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में भारत भर से आए महिला और पुरुष खिलाड़ियों का जज़्बा देखने लायक़ रहा। सभी खिलाड़ी पूरी टीम भावना और आत्मविश्वास के साथ अपने खेल का प्रदर्शन कर रहे हैं और उसी भावना से सिलेक्टर्स सभी

खिलाड़ियों को बारीक़ी से परख रहे हैं।आने वाले समय में भारतीय खिलाड़ियों की टीम का सिलेक्शन किया जा सके। दूसरे दिन के मुकाबलों में पुरुष वर्ग में आंध्र प्रदेश की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मध्यप्रदेश को 3-0 से शिकस्त दी वहीं उत्तर प्रदेश की टीम ने त्रिपुरा को 3-0 से हराया। जम्मू कश्मीर ने बिहार को 3-2 से और उड़ीसा ने अरुणाचल प्रदेश को 3-0 से मात दी। वहीं चण्डीगढ़ ने अण्डमान निकोबार को 3-0 से और झारखंड ने त्सिक्किम को 3-0 से हराया। कर्नाटक की टीम ने राजस्थान की टीम पर 3-1 से जीत दर्ज की। महिला टीमों का प्रदर्शन भी खासा रहा और दिल्ली की टीम ने मणिपुर को 3-0 से हराया और पश्चिम बंगाल ने शानदार खेल दिखाते हुए हरियाणा को 3-0 से मात दी। आयोजन सचिव भरत सिंह के अनुसार रेफ्रीज़ और ग्राउण्ड स्टाफ़ पूरी लगन से इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में जुटे हुए हैं और दर्शकों की संख्या भी दर्शाती है कि राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश में वॉलीबॉल का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। चैम्पियनशिप के दूसरे दिन हुए मैचों में मुख्य अतिथि चीफ़ पोस्ट मास्टर जनरल वी के गुप्ता थे और भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी वीरेन्द्र सिंह बाँकावत भी उपस्थित रहे। भारतीय पुरुष वॉलीबॉल के कोच और सेलेक्टर लक्ष्मी नारायण शर्मा और महिला टीम के कोच जय नारायण ने सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर अर्जुन अवार्ड से सम्मानित वॉलीबॉल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अशोक आसोपा और ऐड हॉक कमेटी के सदस्य एस गोपीनाथ भी उपस्थित थे।

खो-खो विश्वकप में हिस्सा लेने वाली विदेशी टीमें 10 और 11 को नई दिल्ली पहुंचेगी

नई दिल्ली, 8 जनवरी। खो-खो विश्वकप में हिस्सा लेने वाली अधिकतर विदेशी टीमें 10 और 11 जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी पहुंच जायेंगी। विश्वकप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने बुधवार को यहां बताया की हवाई अड्डे पर खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के पदाधिकारी और टूर्नामेंट के आधिकारिक प्रायोजक जीएमआर के अधिकारी विदेशी खिलाडियों और टीम के सदस्यों का भारतीय परम्परा के अनुरूप स्वागत करेंगे। उन्होंने कहा कि विदेशी खिलाड़ियों के लिए एक स्पेशल वेलकम डेस्क स्थापित किया जायेगा तथा उन्हें लाउन्ज फैसिलिटीज प्रदान की जाएंगी।

2025 के लिये फिट हैं मो. शमी

नई दिल्ली, 8 जनवरी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टीम इंडिया का चयन 12 जनवरी से पहले पहले हो जाएगा। वहीं इस टूर्नामेंट के लिए कप्तान रोहित शर्मा से लेकर यशस्वी जायसवाल तक तमाम खिलाड़ियों के चनय को लेकर चर्चा जारी है। इस बीच 2023 वनडे वर्ल्ड कप के बाद से चोट के कारण बाहर चल रहे मोहम्मद शमी ने 24 घंटे के अंदर दूसरी बार सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया है। वहीं चोट से उबरकर घरेलू क्रिकेट में वापसी के बाद भी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं चुने गए मोहम्मद शमी वीडियो शेयर कर कहीं न कहीं भारतीय चयनकर्ताओं को ध्या आकर्षित करना चाहते हैं। इसके जरिए वो चयनकर्ताओं को बताना चाह रहे हैं कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए फिट हैं।

मार्टिन गुप्टिल ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया

वनडे वर्ल्ड कप का हाईएस्ट इंडिविजुअल स्कोर बना चुके, न्यूजीलैंड के टॉप टी-20 स्कोरर

नई दिल्ली, 8 जनवरी। न्यूजीलैंड के ओपनर बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल ने बुधवार को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया। वह वर्ल्ड कप में सबसे बड़ा इंडिविजुअल स्कोर बनाने वाले बैटर हैं। गप्टिल ने 2015 के वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 237 रन की पारी खेली थी।

गप्टिल ने टी-20 इंटरनेशनल में कीवियों के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। वह अभी सुपर स्मैश टूर्नामेंट में ऑकलैंड एसेस की कप्तानी कर रहे हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट को दिए गए इंटरव्यू में कहा, 14 साल तक ब्लैककैप्स के लिए खेलना सबसे बड़ा सम्मान था।

न्यूजीलैंड के लिए खेलना मेरा सपना था गप्टिल ने कहा, बचपन से ही न्यूजीलैंड के लिए खेलना मेरा सपना था।

मैं अपने देश के लिए 367 मैच खेलकर भाग्यशाली महसूस करता हूं। मैं अपने सभी टीम-साथियों और कोचिंग स्टाफ को धन्यवाद देना चाहता हूं। विशेष रूप से मार्क ओडोनेल को, जिन्होंने अंडर-19 स्टेज पर मुझे ट्रेनिंग दी थी।

14 साल तक इंटरनेशनल क्रिकेट खेला 38 वर्षीय गप्टिल ने न्यूजीलैंड के लिए 14 साल तक इंटरनेशनल क्रिकेट खेला। 2009 से 2022 तक मार्टिन गप्टिल ने न्यूजीलैंड के लिए 367 मैच खेले, इस दौरान उन्होंने 23 शतक भी लगाए। गप्टिल ने अपना इंटरनेशनल डेब्यू 2009 में वेस्टइंडीज के खिलाफ किया था।

टी-20 में कीवियों के बेस्ट बल्लेबाज गप्टिल ने 122 टी-20 में 3531 रन बनाए। वनडे में मार्टिन ने 198 मैचों में 7346 रन बनाए हैं। वह वनडे में न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज हैं। उनसे आगे रॉस टेलर और स्टीफन फ्लेमिंग हैं।

टेस्ट रैंकिंग में पंत की टॉप-10 बैटर्स में वापसी

सिडनी में 40 और 61 रन की पारियां खेली थी, गेंदबाजों में बुमराह टॉप पर

नई दिल्ली, 8 जनवरी। टेस्ट रैंकिंग में भारतीय टीम के विकेटकीपर ऋषभ पंत ने फिर से टॉप-10 बल्लेबाजों में वापसी कर ली है। वे 12वीं पोजिशन से नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। पंत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के सिडनी टेस्ट में 40 और 61 रन की पारी खेली थी। इसकी बदौलत उनकी रैंकिंग सुधरी।

इस लिस्ट में दूसरे भारतीय टीम के ओपनर यशस्वी जायसवाल हैं, जो नंबर 4 पर बने हुए हैं। यशस्वी ने में एक सेंचुरी और 2 हाफ सेंचुरी लगाई हैं। बॉलर्स की टॉप-10 रैंकिंग में बुमराह पहले पायदान पर मौजूद हैं। स्पिनर रवींद्र जडेजा 10वीं पोजिशन से नौवें स्थान पर आ गए हैं। 10वें नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के पेसर स्कॉट बोलैंड हैं, जो पहले 39वें नंबर पर थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सिडनी टेस्ट में ऋषभ ने दूसरी इनिंग में दूसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाया था। उन्होंने 29 बॉल पर हाफ सेंचुरी लगाई थी। पंत ने 61 रन की पारी खेली थी। जिससे उनकी रैंक में 3 पायदान का फायदा हुआ। अब उनके 739 रेटिंग पॉइंट्स हो गए हैं।

साउथ अफ्रीका के टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा ऑलटाइम हाई रेटिंग पर पहुंच गए। उन्हें रैंकिंग में 3 स्थानों का उछाल मिला। वह अब 769 रेटिंग पॉइंट्स के साथ नंबर-6 पर पहुंचने में कामयाब हो गए। बावुमा की कप्तानी में ही साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को लगातार दो टेस्ट मैच हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

स्कूल-कॉलेज जाएगी प्रचार गाड़ी, क्यूआर कोड से छात्र बुक करा सकेंगे सीट

देहरादून, 8 जनवरी। उत्तराखंड में होने जा रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों की गतिविधियां, जिन शहरों में प्रस्तावित है, वहां पर छात्र-छात्राओं को इससे जोड़ने के लिए पहल की जा रही है। युवा दिवस यानी 12 जनवरी से प्रचार के आठ कंटेनरों को स्कूल-कॉलेजों के लिए रवाना किया जा रहा है। छात्र-छात्राएं इस प्रचार कंटेनरों के माध्यम से खेल मुकाबले के लिए अपनी सीट क्यूआर कोड से बुक करा सकेंगे। राष्ट्रीय खेल देखने के लिए निःशुल्क प्रवेश की व्यवस्था है। उत्तराखंड अपनी स्थापना के रजत जयंती वर्ष में इस बार राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी कर रहा है। राष्ट्रीय खेल 28 जनवरी से लेकर 14 फरवरी तक प्रस्तावित हैं। देहरादून के अलावा हरिद्वार, शिवपुरी-ऋषिकेश, कोटी कालोनी टिहरी, नैनीताल, रूद्रपुर, खटीमा, हल्द्वानी, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ जैसी जगहों पर विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताएं होनी हैं। राष्ट्रीय खेल सचिवालय तैयारियों में जुटा पड़ा है। कोशिश ये ही है कि हर वर्ग को इस आयोजन से परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से जोड़ा जाए। छात्र-छात्राओं को इस आयोजन से जोड़ने के लिए अब युवा दिवस के मौके को चुना गया है।

विजय हजारे ट्रॉफी नॉकआउट - प्रसिद्ध, अभिमन्यु, पडिक्कल उपलब्ध रहेंगे, राहुल ने ब्रेक लिया

नई दिल्ली, 8 जनवरी। भारतीय क्रिकेटर देवदत्त पडिक्कल, प्रसिद्ध कृष्णा और अभिमन्यु ईश्वरन विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट चरण के लिए उपलब्ध रहेंगे। टूर्नामेंट का नॉकआउट स्टेज 9 जनवरी से वडोदरा में खेला जाएगा।

कर्नाटक के लिए डोमेस्टिक खेलने वाले केएल राहुल ने ब्रेक लेने के लिए रिक्वेस्ट किया है। हालांकि, उन्होंने ब्रेक का कारण नहीं बताया। वहीं, अगर तमिलनाडु सेमीफाइनल में पहुंचती है तो वॉशिंगटन सुंदर भी अपनी टीम के लिए उपलब्ध हो सकते हैं।

आकाश दीप सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जाएंगे पडिक्कल और प्रसिद्ध बुधवार यानी आज सिडनी से भारतीय टीम के मेंबर्स के साथ उड़ान भरेंगे, जबकि अभिमन्यु को एक दिन पहले उड़ान भरने की परमिशन दे दी गई थी। अभिमन्यु आज बंगाल की टीम के साथ ट्रेनिंग करेंगे। बंगाल को 9 जनवरी को हरियाणा के खिलाफ प्री-क्वार्टर फाइनल मैच खेलना है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम में शामिल बंगाल के दूसरे खिलाड़ी आकाश दीप पीठ में दर्द के कारण इस मैच से बाहर हो गए हैं। आकाश दीप इंजरी के कारण ऑस्ट्रेलिया में आखिरी टेस्ट से बाहर हो गए थे। वे ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (पहले राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) जाएंगे।

वडोदरा के खिलाफ क्वार्टर फाइनल खेलेगी कर्नाटक प्रसिद्ध और पडिक्कल के 10 जनवरी तक कर्नाटक की टीम में शामिल होने की उम्मीद है। कर्नाटक की टीम 11 जनवरी को वडोदरा के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच खेलेगी। राहुल इसी के लिए ब्रेक लेने वाले हैं।

जिला क्रिकेट संघ बाड़मेर के चुनाव

अध्यक्ष पद पर प्रमोद शर्मा, सचिव देवाराम चौधरी निर्विरोध निर्वाचित

जयपुर, 8 जनवरी। जिला क्रिकेट संघ बाड़मेर के चुनाव ऋषभ रिजॉर्ट में दोपहर 2 बजे संपन्न हुए जिसमें अध्यक्ष पद पर प्रमोद शर्मा, सचिव देवाराम चौधरी, कोषाध्यक्ष आजाद सिंह राठौड़, उपाध्यक्ष के पद पर महेंद्र सिंह चौधरी, रिटायर्ड आईपीएस, तेज सिंह चौधरी, इसरा राम चौधरी, चिमनाराम चौधरी, पंचराम चौधरी, राजीव भादू, जॉइंट सेक्रेटरी के पद पर अभिषेक चौधरी, मोहन भादू, नरेंद्र पाल सिंह, एग्जीक्यूटिव मेंबर आसाराम, सुरेश कड़वासरा, गजेंद्र कुमार इत्यादि निर्विरोध निर्वाचित हुए। इस चुनाव में ऑब्जर्वर के रूप में खेल अधिकारी बाड़मेर रामकरण विश्नोई उपस्थित थे। सभी निर्विरोध निर्वाचित पदाधिकारियों को आरसीए के पूर्व अध्यक्ष संजय दीक्षित, बृजकिशोर उपाध्याय सचिव जिला क्रिकेट संघ दौसा ने सभी को बधाई और शुभकामनाएं दी।

// पीएसपीबी इंटर यूनिट स्क्वैश चैम्पियनशिपन //

टॉप सीड सूरज, विश्ववर्धन, नवीन और अली हैदर क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

जयपुर, 8 जनवरी। शीर्ष वरीयता के बीपीसीएल के सूरज चन्द ने बुधवार को यहां ओएनजीसी के अर्चित अग्रवाल को 3-0 से पराजित कर इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) की मेजबानी में बुधवार को यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित स्क्वैश एकेडमी कोर्ट्स पर शुरू हुई छठी पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (पीएसपीबी) इंटर यूनिट स्क्वैश चैंपियनशिप के पुरुष वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

दूसरी वरीयता प्राप्त ओआईएल के विश्ववर्धन भाटी ने आईओएल के दिव्य चौहान को 3-0 से, एनआरएल के अली हैदर ने आईओसी के सौरव अग्रवाल को 3-0 से और ओआईएल के नितेश कुमार ने एनआरएल के नवीन कुमार को 3-0 से हरा अंतिम आठ में जगह बनाई। इनके अलावा आईजीएल के अंकुर वर्मा, बीपीसीएल के सुभाष चौधरी, एनआरएल के अनेम कारिख और ओआईएल के चंदन कुमार भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं।

आईजीएल के एच.आर. हैड शिवनेन्द्र कुमार ने बताया कि महिला वर्ग में एनआरएल की प्रज्ञा डेगा, ओएनजीसी की गुरजीत कौर व पारुल वसावा और रीवा निम्बालकर अपने मुकाबले जीत अंतिम चार में पहुंच गईं। क्वार्टर फाइनल में प्रज्ञा ने ओआईएल की कनिष्का शर्मा को 2-0 से और पारुल ने ओआईएल की मोनिका मीणा को 2-0 से पराजित किया। गुरजीत को ओआईएल की रोमाशा के खिलाफ वाकओवर मिल गया, वहीं शीर्ष वरीतयता की रीवा पहले ही अंतिम चार में पहुंच चुकी हैं।

इससे पूर्व मुख्य अतिथि आईजीएल के डायरेक्टर (कॉमर्शियल) मोहित भाटिया ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में बीपीसीएल के डायरेक्टर (एचआर) राजकुमार दुबे और पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के एडवाइजर ललित कुमार वत्स विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे।

प्रणय और बंसोड़ मलेशिया ओपन के प्री-क्वार्टर में

कुआलालंपुर, 8 जनवरी। भारतीय बैडमिंटन स्टार एचएस प्रणय और शटलर मालविका बंसोड़ बुधवार को पुरुष और महिला एकल वर्ग के शुरुआती दौर मुकाबलों में जीत दर्ज कर मलेशिया ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये है। छत से पानी का रिसाव होने कारण कल प्रणय का मैच स्थगित करना पड़ा था। उस समय प्रणय 21-12, 6-3 से आगे चल रहे थे। प्रणॉय ने अपने कनाडाई प्रतिद्वंद्वी ब्रायन यांग को एक घंटे 29 मिनट तक चले मुकाबले में 21-12, 17-21, 21-15 से हराकर प्री क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली हैं। अगले दौर में प्रणय का सामना चीन के शि फेंग से होगा। वहीं महिला वर्ग में मालविका ने मलेशिया की गोह जिन वेई को केवल 45 मिनट में 21-15, 21-16 से पराजित किया। अगले दौर में उनका मुकाबला चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त यू हान और दक्षिण कोरिया की यू पो पाई की विजेता से होगा। तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला तथा सतीश कुमार कुरूणाकरन और आद्या वरियथ की भारतीय जोड़ी भी सुपर 1000 टूर्नामेंट के मिश्रित युगल प्री क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई है।

ड्रॉप रोबॉल राजस्थान ने स्वर्ण पदक जीता

जयपुर, 8 जनवरी। भारतीय ड्रॉप रोबॉल संगठक एवं ड्रॉप रोबॉल राजस्थान एसोसिएशन सचिव लक्ष्मण सिंह राठौड़ ने बताया कि 4 से 8 जनवरी तक बिहार के पटना में आयोजित 14 वीं राष्ट्रीय स्तरीय सब जुनियर जुनियर ड्रॉप रोबॉल प्रतियोगिता में जुनियर बालिका वर्ग में खेलते हुए राजस्थान टीम की गंगा सुवालका, लक्ष्मी मेघवाल मुस्कान खारोल,ने चैलेंज इवेंट में स्वर्ण पदक जीता। ट्रिपल वर्ग में कविता सालवी, यश राठौड़, आरसी,भावना प्रजापत,भावना तेली , शिवानी मंडल ने रजत पदक जीता, जुनियर डबल वर्ग में कर्णिका प्रजापत, कोमल बैरवा, राधा रानी, खुशी साहू ने रजत पदक जीता।

इस प्रकार खेल के हर क्षेत्र सिंगल, डबल ट्रिपल वर्ग में राजस्थान टीम ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए झंडे गाढ़े समापन सत्र में मुख्य अतिथि भारत सरकार के पूर्व केबिनेट मंत्री राम कृपाल यादव रहे और उन्होंने सभी विजेताओं को सम्मानित किया। ओर उन्होंने कहा कि ऐसे स्वदेशी खेल को जरूर बढ़ावा मिलनी चाहिए ये ऐसा खेल जो बिना किसी विशेष संसाधन के भी आसानी से खेल जा सकता है, बिहार के ग्रामीण क्षेत्र जो गरीब और पिछड़े हे वहा के बालक बालिका भी ये खेल आसानी से खेल सकते हैं में इसे बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रारंभ कराऊंगा, भारतीय ड्रॉप रोबॉल संघ के संघटक लक्ष्मण सिंह राठौड़ ने कहा कि अपने देश अपनी माटी का स्वदेशी खेल ड्रॉप रोबॉल तेजी से लोकप्रिय हो रहा है ,वो दिन दूर नहीं जब गली गली अपना स्वदेशी खेल ड्रॉप रोबॉल खेला जाएगा

// आईएचएफ ट्रॉफी पुरुष यूथ व जूनियर हैंडबॉल सम्पन्न //

भारत यूथ में उपविजेता, जूनियर में जीता कांस्य पदक

जयपुर, 8 जनवरी। उज्बेकिस्तान की यूथ अंडर-18 टीम ने आईएचएफ ट्रॉफी पुरुष यूथ व जूनियर हैंडबॉल (कांटिनेंटल फेज - एशिया) का खिताब मेजबान भारत को 47-23 से हराकर जीता। जूनियर अंडर-20 के फाइनल में भी उज्बेकिस्तान ने जीत दर्ज की जिसने कजाखिस्तान को 38-18 से हराया। चैंपियनशिप की यूथ व जूनियर विजेता टीम अब इंटरकांटिनेंटल फेज में चुनौती करेंगे।

लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम के नवनिर्मित भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी बहुउद्देश्यीय हाल में 3 से 7 जनवरी तक आयोजित पाँच दिवसीय चैंपियनशिप में भारत की यूथ टीम उपविजेता रही जबकि जूनियर टीम ने कांस्य पदक अपने नाम किया। तीसरे स्थान के मैच में भारतीय जूनियर अंडर-20 टीम ने बांग्लादेश को 40-24 से हराकर कांस्य पदक जीता। भारत मध्यांतर तक 17-9 से आगे था। भारत के लिए जसप्रीत सिंह व मोहित ने सर्वाधिक 9-9 गोल दागे। यूथ अंडर-18 में तीसरे स्थान के मैच में कजाखिस्तान ने कांस्य पदक जीता जिसने बांग्लादेश को 33-29 से हराया। विजेता टीम से वादिम कैसिन ने सर्वाधिक 15 गोल किए।

राजस्थान राज्य हैंडबाल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि भारतीय यूथ टीम में प्रदेश के कृतवर्य प्रताप सिंह, महेंद्र पाल सिंह तथा जूनियर टीम में जसप्रीत सिंह, अजय मोयल व नयन शेखावत थे। जसप्रीत सिंह भारतीय जूनियर टीम के कप्तान भी थे। भारतीय जूनियर टीम के कोच राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के हैंडबॉल प्रशिक्षक प्रियदीप सिंह खंगारोत थे।

रजत पदक विजेता भारतीय यूथ टीम :अंशु, सुयश अवस्थी, प्रवीण गिल, आर्यन मलिक, नवदीप, नवीन कुमार, पीयूष सिंह, अरुमुगम रमन, रवि, रोहित, ध्रुव सेठ, कृतवर्य प्रताप सिंह, महेंद्र पाल सिंह, मनीष यादव, मुख्य कोच : मोहम्मद तौहीद, कोच : विष्णुवर्द्धन, हेड ऑफ डेलीगेशन : अमित पाण्डेय।

कांस्य पदक विजेता भारतीय जूनियर टीम:- नयन शेखावत, ज्ञान गौर, प्रकाश, जसप्रीत सिंह, राहुल, अजय मोयाल, मनदीप, करन, शशिकांत जाधव, सचिन बनोथ, मानवेंद्र यादव, मोहित, रजनीश कुमार, कार्तिकेयन रवि, सौरभ शर्मा, मुख्य कोच: अनूप सिंह, कोच : प्रियदीप सिंह, हेड ऑफ डेलीगेशन : मुकेश मान।

राज्य स्तरीय अंडर-14 यूथ कप

राजीव गांधी एकेडमी को हराकर केजीआर एकेडमी सेमीफाइनल में पहुंची

जयपुर, 8 जनवरी। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंडर - 14 यूथ कप प्रतियोगिता में आज खेले गए अंतिम क्वार्टर फाइनल मैच में जी आर एकेडमी ने राजीव गांधी एकेडमी को 39 रनों से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। आज संस्कार ग्राउंड पर खेले गए मैच में जी आर एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आयुष शर्मा के 19 रन, गौरव पुनिया के 27 रन, पार्थ यादव के 19 रन व आरव दीक्षित के 12 रन से 34 ओवर में 136 रन बनाए। राजीव गांधी एकेडमी के लिए निलय अरोड़ा ने 18 पर 4, गगन सोनी ने 38 पर 3, एकलव्य व नकुल ने 1-1 विकेट लिए। जवाबी पारी में राजीव गांधी एकेडमी की टीम हर्षित के 36 रनों से 25.4 ओवर में 97 रनों पर सिमट गई। जीआर एकेडमी के लिए गौरव पुनिया ने 29 पर 3, भीष्म चेलानी ने 22 पर 3 विकेट, वासुदेव पारीक ने 21 पर 2 व गौरांश पारीक 1 विकेट लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने युवा दिवस पर आयोजित होने वाले रोजगार उत्सव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा, राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार देकर उनके सपनों को साकार करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

युवा दिवस पर 13 हजार 500 से अधिक युवाओं को मिलेगी नियुक्ति की सौगात

31 हजार करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण होगा-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर, 8 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार देकर उनके सपनों को साकार करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि युवाओं में कौशल और उद्यमिता का विकास कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना राज्य सरकार की प्रतिबद्धता है। मुख्यमंत्री ने कहा, हम आगामी चार वर्षों में चार लाख रोजगार सरकारी व 6 लाख निजी क्षेत्र में देकर, रोजगार के कुल 10 लाख अवसर उपलब्ध करवाएंगे।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर युवा दिवस (12 जनवरी) पर आयोजित होने वाले रोजगार उत्सव की तैयारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि इस रोजगार उत्सव में राज्य सरकार युवाओं को 13 हजार 500 से अधिक नियुक्तियां देगी। इनमें चिकित्सा विभाग में सीएचओ के 5 हजार 261, वित्त विभाग में कनिष्ठ लेखाकार के 4 हजार 749, गृह विभाग में कांस्टेबल सहित, अन्य के 3 हजार 133, राजस्व विभाग में तहसील राजस्व लेखाकार के 179, शिक्षा विभाग (माध्यमिक) में विविध 159 पद तथा शिक्षा विभाग (प्राथमिक) में अध्यापक लेवल-प्रथम एवं द्वितीय के 76 पदों पर नियुक्तियां शामिल हैं।

■ मुख्यमंत्री ने बताया कि चिकित्सा विभाग में सी.एम.एच.ओ. के 5,261 वित्त विभाग में कनिष्ठ लेखाकार के 4,749, गृह विभाग में कांस्टेबल सहित 3,133, शिक्षा विभाग (माध्यमिक) में 159, शिक्षा विभाग (प्राथमिक) में 76 पदों पर नियुक्तियाँ दी जायेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी दिन 31 हजार 29 करोड रुपये के 73 हजार 39 विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि देश और विदेश में कुशल एवं योग्य कार्मिकों की भारी मांग की पूर्ति में राजस्थान अहम भूमिका निभा सकता है, इसके लिए अधिकारी युवाओं की शैक्षिणक और कौशलपरक योग्यता तथा विदेश में काम करने के इच्छुक युवाओं का एक डाटाबेस तैयार किया करें, ताकि विदेशी उद्योगों एवं कंपनियों को राज्य सरकार के माध्यम से योग्य एवं कुशल कार्मिक उपलब्ध करवाए जा सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्थापित जो भी उद्योग तथा कंपनी रोजगार देने में राज्य के युवाओं को प्राथमिकता देंगे, उन्हें राज्य सरकार विशेष रूप से प्रोत्साहित करेगी।

इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंद कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण प्रवीण गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव पीएचईडी भास्कर ए सावंत, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ सहित, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

राजस्थान विधानसभा का सत्र 31 जनवरी से

जयपुर, 8 जनवरी। सोलहवीं राजस्थान विधान सभा का तृतीय सत्र शुक्रवार 31 जनवरी से होगा। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को विधान सभा सत्र की तैयारियों की जानकारी ली। देवनानी ने सत्र से संबंधित आवश्यक निर्देश विधान सभा के अधिकारियों को दिये। देवनानी ने बताया कि 31 जनवरी को प्रात: 11 बजे राज्यपाल हरिभाऊ बागडे अभिभाषण देने के लिये विधान सभा पहुंचेंगे। विधान सभा पहुँचने पर अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, सदन के नेता एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा राज्यपाल बागडे का स्वागत करेंगे। राज्यपाल को विधान सभा में आरएसी बटालियन द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया जायेगा। राज्यपाल को प्रोसेशन के साथ सदन में ले जाया जायेगा।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे द्वारा 31 जनवरी को प्रात: 11 बजे आहूत किये गये सोलहवीं राजस्थान विधान सभा के

■ इस सत्र के सभी प्रश्नों, ध्यानाकर्षण प्रस्तावों, विशेष उल्लेख याचिकाओं आदि के जवाब ऑनलाइन दिये जायेंगे।

तृतीय सत्र की अधिसूचना विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा द्वारा बुधवार को जारी की गई।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि सोलहवीं राजस्थान विधान सभा का तृतीय सत्र नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन (नेवा) के तहत, पूर्णरुपेण डिजिटलाइज्ड होगा। विधान सभा को विधायकों द्वारा पूछे गये प्रश्न, ध्यानाकर्षण प्रस्तावों, विशेष उल्लेख प्रस्तावों, आश्वासनों एवं याचिकाओं के जवाब राज्य सरकार के विभागों द्वारा नेवा एप्लीकेशन के तहत ही ऑनलाइन प्रेषित किया जाना आवश्यक है।

राज्य सरकार के सभी विभागों को विधान सभा द्वारा प्रश्न आदि नेवा एप्लीकेशन के माध्यम से ही ऑनलाइन भेजे जायेंगे।

विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देश पर विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा के नेतृत्व में विधान सभा के प्रशासनिक व तकनीकी अधिकारियों के दल ने राजस्थान सरकार के विभिन्न विभागों में संचालित विधान सभा प्रकोष्ठों के अधिकारियों और कार्मिकों को बुधवार को नेवा एप्लीकेशन पर कार्य करने यथा प्रश्नों एवं प्रस्तावों इत्यादि के उत्तर देने एवं उनके परिचालन की जानकारी का ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया।

केवल लोकसभा के लिये गठबंधन था - तेजस्वी

बक्सर, 08 जनवरी। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर तेजस्वी यादव ने बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि यह पहले से तय था कि इंडिया गठबंधन केवल लोकसभा चुनाव के लिए है।..आगे देखा जाएगा कि चुनाव प्रचार में जाएंगे या नहीं। बिहार की यात्रा पर निकले तेजस्वी यादव आज बक्सर पहुंचे। यहां उन्होंने उक्त टिप्पणी की।

बक्सर के सभा कक्ष में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन बनने के दौरान यह तय हो गया था कि यह गठबंधन केवल लोकसभा चुनाव के लिए है, विधानसभा चुनाव के लिए यह गठबंधन नहीं है। हालांकि जब उनसे पूछा गया है कि क्या आप चुनाव प्रचार के लिए दिल्ली जाएंगे तो उन्होंने कहा कि यह तय नहीं है, आगे देखा जाएगा। हालांकि तेजस्वी ने यह भी कहा कि बिहार में हम साथ-साथ हैं।

दरअसल दिल्ली में विधानसभा का चुनाव की घोषणा हो चुकी है। ऐसे में इंडिया गठबंधन कई खंड में बंटा हुआ नजर आ रहा है।

कट ऑफ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्या हमें ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बात कही थी। हाई प्रोफाइल हुसैन पूर्व वाणिज्य सचिव और बुद्धिजीवी थे।

डॉ. चेल्लैया का मत था कि जरुरत से ज्यादा महत्वाकांक्षी योजना अर्थव्यवस्था की क्षमता को सीमित कर सकती है और ग्रोथ पर इसका विपरीत प्रभाव भी पड़ सकता हे।

आबिद साहब का मत था कि अर्थव्यवस्था की सभी खिड़कियां खोल देनी चाहिए ताकि ताज़ा हवा अंदर आए और इस प्रक्रिया में अगर मक्खी-मच्छर भी आ जाते हैं तो आने दीजिए हम उनसे निपट लेंगे।

महत्वपूर्ण यह नहीं है कि ग्रोथ हो, बल्कि यह है कि ग्रोथ की गुणवत्ता कैसी है और इसका फैलाव कितना है तथा बिना अधिक दबाव के कब तक बनी रह सकती है। यदि अर्थव्यवस्था ज्यादा तेज हो जाए तो कई क्षेत्रों की क्षमताओं पर दबाव पड़ सकता है, महंगाई बढ़ सकती है और इससे दूरगामी संभावनाएं प्रभावित हो सकती है।

एक दिन में दो कोचिंग छात्रों ने आत्महत्या की

कोटा, 8 जनवरी (निसं)। कोटा में साल की शुरुआत में एक ही दिन में दो कोचिंग छात्रों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों छात्र कोटा में रहकर जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी कर रहे थे।

■ कोटा में दो घटनाओं में हरियाणा व मध्य प्रदेश के छात्र ने फांसी लगाई।

पहला मामला जवाहर नगर थाने क्षेत्र का है हॉस्टल स्टाफ ने बताया कि जब वे छात्र के कमरे पर गए तो वह फंदे पर लटका मिला। उन्होंने तुरंत पुलिस और परिवार को सूचना दी। हरियाणा के महेंद्रगढ़ का रहने वाला नीरज दो साल से कोटा में रहकर जे.ई.ई. की तैयारी कर रहा था। जवाहर नगर थाना अधिकारी ने बताया कि छात्र राजीव गांधी नगर क्षेत्र में आनंद कुंज रेजिडेंसी में हॉस्टल में रहता था। हॉस्टल स्टाफ ने बताया कि नीरज मंगलवार शाम अपने दोस्त के साथ बाहर खाना खाने गया था। तनाव में भी नहीं लग रहा था। रात में अटेंडेंस लेने के दौरान उसने कमरा नहीं खोला। रोशनदान से झांककर देखा तब सुसाइड का पता चला। पंखे में हैंगिंग डिवाइस भी लगी हुई है। उसने कुंडे (हुक) से फंदा लगाया। छात्र के पिता बबलू प्रजापत ने कहा उन्हें आत्महत्या की बात पर यकीन नहीं है। उन्होंने कहा, अगर मेरे बच्चे ने पंखे से लटक कर सुसाइड किया है तो न तो पंखे की पंखुड़ियां टूटी न ही पंखा नीचे आया। उसमें इतनी जगह भी नहीं थी कि रस्सी अंदर चली जाए।

दूसरा मामला विज्ञान नगर क्षेत्र का है। विज्ञान नगर थाना अधिकारी मुकेश कुमार मीणा ने बताया कि मध्य प्रदेश के गुना का मृतक अभिषेक कोटा में रहकर जेईई एडवांस की तैयारी कर रहा था। वह अंबेडकर नगर पीजी में रहता था। उसके कमरे में हैंगिंग डिवाइस नहीं लगा हुआ था। मृतक छात्र के शव को एमबीएस अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम में रखवा दिया है। मृतक के परिवार जनों को सूचित कर दिया। परिजनों के कोटा आने पर कारवाई की जाएगी। विज्ञान नगर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संयुक्त राष्ट्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है जिसमें कहा गया है कि इस वर्ष चीन में इससे प्रभावित लोगों की संख्या पिछले वर्ष से कम है।

उन्होंने चीन के आंकडों के हवाले से कहा है कि इस वर्ष अस्पताल में भर्ती होने वाले एचएमपीवी पीड़ितों की संख्या कम हैं, इसे लेकर चीन में आपातकाल नहीं है। उन्होंने कहा कि चीन में यह स्थिति प्रत्येक वर्ष होती है। दिसंबर 2024 के अंत एचएमपीवी से संक्रमण दर 30 प्रतिशत रही है।

50 साल बाद नए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस समारोह में शामिल होने के लिए 400 प्रमुख नेता आमंत्रित किये गये हैं, जिनमें कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य, प्रदेश कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्ष, कांग्रेस विधायक दल के नेता, संसद सदस्य, ए.आई.सी.सी. के महासचिव, सचिव तथा संयुक्त सचिव शामिल हैं।

पार्टी ने कहा, "इंदिरा गांधी भवन को इस तरह से डिज़ायन किया गया है कि वह पार्टी और इसके नेताओं की बढ़ती हुई जरूरतों को पूरा कर सके। इस भवन में प्रशासनिक, संगठनात्मक तथा रणनैतिक गतिविधियों के सुव्यवस्थित संचालन के लिये आधुनिक सुविधाओं का विशेष ख्याल रखा गया है।"

इन नये भवन का शिलान्यास दिसम्बर 2009 में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. मनमोहन सिंह तथा तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने किया था। इस भवन के निर्माण में 15 वर्ष लग गये। इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस का मुख्यालय 1978 में 24 अकबर में शिफ्ट हुआ था। ज्ञातव्य है कि यह वह दौर था, जब पार्टी, आज़ादी के बाद पहली बार, सत्ता से बाहर हुई थी। आपातकाल के बाद हुये लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी भी हार गई थीं। कांग्रेस टूट भी गई थी तथा इंदिरा गुट के लिये कोई कार्यालय नहीं था। आंध्र प्रदेश के तत्कालीन सांसद, गद्दाम वैंकट स्वामी ने अपना सरकारी आवास, 24 अकबर रोड, पार्टी को दे दिया था। आज़ादी के बाद से कांग्रेस पार्टी का मुख्यालय 7 जंतर-मंतर रोड पर था। पार्टी कार्यालय सर्वप्रथम 1971 में 5 राजेन्द्र प्रसाद रोड पर तथा इसके बाद 1978 में 24 अकबर रोड पर शिफ्ट हुआ था।

गहलोत ने सभी घोड़े खोल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस बारे में किसी भी सोच-विचार से पहले, इस प्रश्न का उत्तर जरुरी है।

वरिष्ठ नेताओं और मीडिया में गहलोत के बहुत समर्थक मौजूद हैं तथा इसका प्राथमिक कारण सिर्फ यह है कि वे इन दोनों के बड़े वित्त पोषक हैं।

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि गहलोत द्वारा पार्टी पर फैंका गया इस प्रकार का पैसा उन्हें गांधी परिवार के लिये विचारणीय एवं स्वीकार्य बना सकता है।

एक पुरानी कहावत है कि राजनीति (असंभव को) संभव बनाने की कला है।

इसके अलावा, गहलोत के विश्वसनीय दायें हाथ, शशिकान्त फिर से दिल्ली पहुँच गये हैं, ताकि वे इस बात पर नजर रख सकें कि कांग्रेस में क्या चल रहा है, तथा इसके साथ ही, पार्टी नेताओं में गहलोत के लिये लामबंदी भी की जा सके।

गहलोत को उनसे फीडबैक मिलता रहता है तथा उसके बाद, वे परिस्थिति के अनुसार, क्रिया/प्रति क्रिया की ओर कदम बढ़ाते हैं।

लेकिन मूल प्रश्न यही बना हुआ है: क्या गांधी परिवार उन पर विश्वास करता है? या क्या ए.आई.सी.सी. में उनकी वापसी सोनिया गांधी के लिये एक तमाचा नहीं होगी कि उन्होंने एक ऐसे आदमी को वापस ले लिया, जिसने उनके नेतृत्व को चुनौती दी थी? यह व्यक्ति उनके (सोनिया) के नेतृत्व के इतने वर्षों में ऐसा करने वाला इकलौता व्यक्ति था।

वी. नारायणन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रॉकेट और स्पेसक्राफ्ट प्रॉपल्शन विशेषज्ञ हैं। वी नारायणन 1984 में इसरो में शामिल हुए और लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (एलपीएससी) के निदेशक बनने से पहले विभिन्न पदों पर कार्य किया। प्रारंभिक चरण के दौरान, उन्होंने विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में साउंडिंग रॉकेट्स और संवर्धित उपग्रह प्रक्षेपण यान और ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान के ठोस प्रणोदन क्षेत्र में काम किया।

सड़क दुर्घटना में घायलों का कैशलैस उपचार हो

नयी दिल्ली 08 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को सड़क दुर्घटना में घायलों के लिए मोटर वाहन अधिनियम के तहत एक कैशलेस उपचार की योजना 14 मार्च 2025 तक बनाने का केंद्र सरकार को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने एस राजसीकरन द्वारा दायर एक मामले पर विचार करते हुए यह आदेश पारित किया, जिसमें यह स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार को इस उद्देश्य के लिए कोई और समय नहीं दिया जाएगा।

पीठ ने केंद्र सरकार को निर्देश देते हुए कहा कि वह

■ सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार को 14 मार्च तक योजना बनाने के निर्देश दिये।

मोटर वाहन अधिनियम के तहत एक योजना जल्द से जल्द बनाए और हर हाल में 14 मार्च, 2025 तक यह योजना तैयार करे ताकि घायल सड़क दुर्घटना पीड़ितों को दुर्घटना के शुरुआती समय, यानी गोल्डन आवर में कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

पीठ ने आगे कहा, "गोल्डन आवर में कैशलेस उपचार उपलब्ध कराने के लिए योजना बनाने के लिए धारा 162 में किए गए प्रावधान का उद्देश्य संविधान के अनुच्छेद 21 द्वारा गारंटीकृत जीवन के अधिकार को बनाए रखना और उसकी रक्षा करना है।

इसके अलावा, योजना बनाना केंद्र सरकार का वैधानिक दायित्व है।"

राजस्थान में 10 जनवरी से वर्षा का अलर्ट

कोहरा व सर्दी का प्रकोप जारी, तापमान और गिरने का अनुमान

जयपुर, 08 जनवरी। राजस्थान में इन दिनों हाड़ कंपा देने वाली ठंड पड़ रही है और साथ ही राज्य के कई इलाके धुंध और कोहरे की चपेट में हैं। ठंड और कोहरे के कारण लोग अपने घरों में दुबके रहने को मजबूर हैं। जयपुर मौसम केन्द्र के अनुसार, राज्य में आगामी चार से पांच दिन मौसम मुख्यत: शुष्क रहने तथा अधिकांश भागों में न्यूनतम व अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री गिरावट होने की संभावना है।

■ मजबूत पश्चिमी विक्षोम के सक्रिय होने से बीकानेर, जयपुर व भरतपुर संभाग में वर्षा का अनुमान है।

मौसम केन्द्र के प्रवक्ता के अनुसार, बीकानेर, जयपुर व भरतपुर संभाग के कुछ भागों में आगामी तीन दिन कहीं-कहीं घना कोहरा छाने की संभावना है। उन्होंने बताया कि आगामी 10-12 जनवरी को एक और मजबूत पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से बीकानेर, जयपुर, भरतपुर संभाग के क्षेत्रों में मेघ गर्जन के साथ बारिश होने की संभावना है। मौसम केन्द्र के अनुसार बीकानेर संभाग में रविवार को बारिश का दौर शुरू हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार हल्के पश्चिमी विक्षोभ के कारण हल्की बारिश होगी। इसके बाद रात के तापमान में हल्की गिरावट देखने को मिलेगी।

राज्य में शनिवार को सर्वाधिक तापमान चित्तौड़गढ़ में 31.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और न्यूनतम तापमान वनस्थली (टोंक) में 6.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के एक मात्र पर्वतीय पर्यटक स्थल माउंट आबू में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियसदर्ज किया गया।

संभल मंदिर - मस्जिद विवाद की सुनवाई पर रोक

प्रयागराज, 08 जनवरी। संभल के मंदिर मस्जिद विवाद से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल की जिला कोर्ट में चल रहे मुकदमे की सुनवाई पर रोक लगा दी है। संभल की शाही जामा मस्जिद की इंतजामिया कमेटी की तरफ से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने ये रोक लगाई। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सभी पक्षकारों से जवाब दाखिल करने को कहा है। पक्षकारों को चार हफ्ते में जवाब दाखिल करना होगा। पक्षकारों के जवाब पर मस्जिद कमेटी को दो हफ्ते में अपना प्रत्युत्तर दाखिल करना होगा।

■ इन्तजामिया कमेटी की याचिका पर हाईकोर्ट ने जिला कोर्ट में सुनवाई पर रोक लगाई

इलाहाबाद हाईकोर्ट से जिला अदालत में चल रही मुकदमे की सुनवाई पर रोक लगने से मुस्लिम पक्ष को फिलहाल राहत मिली है। जानकारी के अनुसार, हाईकोर्ट में आज जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच में मामले की सुनवाई हुई। हाई कोर्ट इस मामले में 25 फरवरी को फिर से सुनवाई करेगी।25 फरवरी को फ्रेश केस के तौर पर मामले की सुनवाई होगी।

संभल की जिला अदालत में 19 नवंबर को हरिशंकर जैन व अन्य की तरफ से मुकदमा दाखिल किया गया था। हिंदू पक्ष की तरफ से दावा किया था कि मुगल काल की शाही जामा मस्जिद उस स्थान पर बनाई गई थी जहां कभी हरिहर मंदिर था।

भारतीय मूल की अनिता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिबरल पार्टी के नेतृत्व के लिए चुनाव की तैयारी चल रही है, आनंद को इसमें मजबूत प्रत्याशी माना जा रहा है। आनंद को उनके अनुभव और समावेशी नेतृत्व के कारण ताकतवर माना जा रहा है। हालांकि नेतृत्व का चुनाव कई कारकों पर निर्भर करेगा, जिनमें पार्टी की गतिशीलता, जन समर्थन और लिबरल पार्टी द्वारा आगामी चुनावों के लिए अपनाई जाने वाली रणनीति प्रमुख है।

अनिता आनंद भारतीय मूल की हैं और अगर वे प्रधानमंत्री बनीं तो कैनडा और भारत के रिश्तों को नई दिशा मिल सकती है, हालांकि दोनों देशों के बीच के गंभीर विवाद के समाधान में सिर्फ उनका नेतृत्व ही काफी नहीं हो सकता है। कई कारक हैं जो द्विपक्षीय सम्बंधों की दिशा प्रभावित करेंगे।

फिर भी आशावादी होने के कई कारण हैं। तमिलनाडु और पंजाब से आए अप्रवासी की पुत्री होने के कारण, वे भारत की चिंताओं व सांस्कृतिक संवेदनाओं के प्रति अधिक जागरुक हो सकती है। उनकी विरासत विश्वास को बढ़ाने व संवाद बहाल करने में पुल का काम कर सकती है।

संकट के प्रबंधन में आनंद का ट्रैक रिकॉर्ड बहुत अच्छा है, कोविड-19 के दौरान टीकों की खरीद में उनकी नेतृत्व क्षमता नज़र आई थी। इससे संकेत मिलता है कि तनावपूर्ण रिश्तों के समाधान में वे व्यवहारिक सोच अपना सकती है। एक ऐसा नेता जो व्यापार, सुरक्षा व पारस्परिक हितों पर ध्यान देगा, वह विवादास्पद मुद्दों का अराजनीतिककरण कर सकता है। भारत जैसे- जैसे विश्व में आर्थिक ताकत के रुप में उभर रहा है, आनंद फ्री ट्रेड एग्रीमैंट वार्ता को फिर से शुरु करने पर प्राथमिकता दे सकती हैं, जो दोनों देशों के लिए फायदेमंद हो सकती है।

प्रधानमंत्री के रुप में अनिता को खालिस्तानी तत्वों के सम्बंध में भारत की चिंताओं का समाधान करना होगा। इसके लिए उन्हें प्रभावशाली सिख समुदाय से डील करना होगा।

अगर अनिता में भारत की सम्प्रभुता के लिए खतरा बने हुए आतंकी तत्वों पर कार्यवाही करने की इच्छाशक्ति है और वे व्यापारिक व शैक्षिक सहभागिता बढ़ाती हैं और दोनों देशों के बीच संवाद स्थापित करती हैं तो भारत और कैनडा के सम्बंधों में सुधार की संभावना बढ़ सकती है।

ट्रूडो के नेतृत्व में भारत व कैनडा के सम्बंधों को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा। खालिस्तानी अलगाववादी तत्वों के प्रति उनके ढीले रुख का भारत हमेशा से आलोचक रहा है। इससे दोनों देशों के सम्बंध बिगड़े थे और ट्रूडो द्वारा कैनडा के नागरिक की हत्या में भारत सरकार पर आरोप लगाने ने रिश्ते और बिगाड़ दिए थे। फ्री ट्रेड एग्रीमैंट वार्ता रद्द करने और मंत्रिमंडल स्तरीय वार्ताएं भी ठप्प पड़ गईं।

विदेश नीति विशेषज्ञों का कहना है कि नेतृत्व परिवर्तन के बाद भी दोनों देशों के बीच वार्ता के लम्बे दौर होने चाहिए, तभी भारत और कैनडा के रिश्तों में भरोसा बहाल हो सकता है। बाहरी कारक, जैसे अमेरिका-भारत और कैनडा -अमेरिका सम्बंधों में हो रहे बदलाव, भी भारत व कैनडा के संबंधों की दिशा तय कर सकते हैं।

तेलुगू भाषी लोगों की प्रतिष्ठा व साख धूल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुदान योजना का दुरुपयोग किया।

समस्त तेलुगू भाषी समुदाय तथा तेलुगू भाषी दोनों राज्यों के लिए यह शर्म की बात है कि अमेरिका में आंध्र व तेलंगाना मूल के लोग ऐसी गतिविधियों में लिप्त पाए गए। इससे पूरे देश तथा विशिष्ट रूप से, दोनों राज्यों का नाम खराब हुआ।

संयुक्त आंध्र प्रदेश को अक्सर संयुक्त राज्य अमेरिका का 51वां राज्य कहा जाता था, इस राज्य के लोगों की अमेरिका जाने और वहाँ बसने की रुचि को देखते हुए।

हैदराबाद में तो "चिलुकुरु बालाजी" का एक मंदिर भी है जिसकी विशेषता है कि वहाँ प्रार्थना करने से अमेरिका का वीसा मिल जाता है। हैदराबाद में यह मंदिर वीसा मंदिर के नाम से जाना जाता है और हज़ारों की संख्या में वीसा पाने के इच्छुक लोग इस मंदिर में आते हैं और वीसा पाने के लिए विशेष पूजा करते हैं।

सी.एस.आर. अनियमितताओं का स्कैण्डल उजागर होने के बाद, अमेरिकन फैडरल इन्वैस्टिगेशन एजेन्सियों तथा इन्टर्नल रैवेन्यु सर्विस अधिकारियों ने जाँच शुरु कर दी है।

एपल के कई कर्मचारियों, जिनमें मुख्यत: तेलुगू भाषी लोग शामिल हैं, के ऊपर आरोप है कि इन लोगों ने यूनाइटेड स्टेट्स में स्थित तेलुगू समितियों के साथ मिलीभगत करके एपल की सी.एस.आर. योजना का अनुचित लाभ उठाया है। इस योजना में गैर लाभकारी संगठनों का समर्थन करने की आड़ में, उक्त तेलुगू समितियाँ एपल के कर्मचारियों से दान लेती थीं, जिसके बाद एपल कंपनी समुदाय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के रुप में उतना ही धन संस्थाओं को देती थीं।

जाँच में सामने आया कि इन डोनेशनों में हेराफेरी की गई थी। एपल से, चंदे के बराबर धन प्राप्त करने के बाद, फण्ड्स को कर्मचारियों को वापस दे दिया जाता था। एपल के फायनैंस विभाग द्वारा एक आंतरिक समीक्षा में ये अनियमितताएं सामने आईं। एपल ने इन्टर्नल रैवेन्यु सर्विस को शिकायत की, जिसके बाद अब बर्खास्त किए गए कर्मचारियों की भी जाँच की जा रही है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, तेलुगू एसोसिएशनों ने एपल में काम करने वाले तेलुगूभाषी लोगों से डोनेशन माँगे तथा एक बड़ी योजना के तहत, कम्पनी की सी.एस.आर. की मैचिंग ग्रान्ट्स का अनुचित लाभ उठाया।

धोखाधड़ी के ये कृत्य उस समय प्रकाश में आये, जब एपल के वित्त विभाग ने डोनेशन के रिकॉर्ड्स में विसंगतियाँ तथा भिन्नताएँ पायीं। इसके तुरन्त बाद, अधिकारियों को सचेत कर दिया गया।

इस रहस्योद्घाटन के बाद, एपल ने विस्तृत एवं गहन ऑडिट कराया तथा ऑडिट में एपल के "ग्रान्ट प्रोग्राम" के दुरुपयोग की पुष्टि हो गई।

इस घोटाले का असर बर्खास्त कर्मचारियों तक ही सीमित नहीं रहा, इससे पूरे अमेरिका में फैले तेलुगू संगठनों तथा टैक-समुदाय में आक्रोश एवं चिन्ता पैदा हो गई है। बहुत से लोग यह प्रश्न कर रहे हैं कि एपल जैसी प्रतिष्ठित कम्पनी में इतनी बड़ी "ब्रीच ऑफ ट्रस्ट" (विश्वास घात) की स्थिति कैसे पैदा हो सकती

■ अब यह "काण्ड" पकड़ा गया तथा अमेरिका के आई.आर.एस. विभाग को इसकी शिकायत की गई और 185 तेलूगू भाषी कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है। प्रतिष्ठा धूल धुसरित होने से क्या अब आंध्र व तेलंगाना के तकनीकी आई.टी. प्रोफेशनल्स को अमेरिका में प्रवेश के लिये "वीसा" मिलेगा?

है तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के क्या उपाय हो सकते हैं।

लेकिन, भारत या दो तेलुगू भाषी राज्य ऐसे समय पर इस घटना की पब्लिसिटी करना नहीं चाहेंगे, जब अमेरिका में सरकार बदलने वाली है तथा चंद दिन बाद, 20 जनवरी को डॉनल्ड ट्रम्प राष्ट्रपति पद सँभालने वाले हैं। विशेष बात यह भी है कि ट्रम्प के प्रबल समर्थक तथा "मेक अमेरिका ग्रेट अगेन" (एम.ए.जी.ए.) एक्टिविस्ट्स बहुत से विदेशियों को प्रतिबंधित एवं निर्वासित करना चाहते हैं, क्योंकि उनका आरोप है कि विदेशों से अमेरिका में आ बसे लोगों के कारण, अमेरिकी लोगों के लिये नौकरियाँ ही नहीं रहीं हैं।

अमेरिका के कुछ क्षेत्रों में भारतीय समुदायों के प्रति नफरत की भावना पहले से ही मौजूद है। इसके अलावा, ऐसी भी रिपोर्ट हैं कि भारतीय मूल के करीब 18,000 लोगों में, जिन्हें अमेरिका में उनके अवैध प्रवेश के कारण निर्वासित किया जा सकता है, एक बड़ा हिस्सा तेलुगूभाषियों का है।

"तेलुगू ऐसोसिएशन ऑफ नार्थ अमेरिका (टी.ए.एन.ए.) जैसी तेलुगू एसोसिएशन्स के स्थानीय नेता संदेह की नज़र से देखे जा रहे हैं। इसके अलावा, इन पर यह भी आरोप है कि जब इस प्रकार की गतिविधियाँ हो रही होती हैं तो इनका ध्यान कहीं और होता है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908